RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 January 2019

▸▸ अंक-7 (मासिक) ▸▸ वर्ष-14 ▸▸ जनवरी 2019 ▸▸ मूल्य 20/-

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

माहेश्वरी ऑफ द ईयर

त्रिभुवन काबरा
उद्योग जगत के महानायक

अशोक सोमानी
समाज सेवा के अनमोल रत्न

आनंद राठी
वित्त की दुनिया के आईकॉन

MAHESHWARI OF THE YEAR
2018

BIZCON HYDERABAD

नव उद्यमियों के लिए दिखी नई राहे
बिजकॉन 2018
हैदराबाद में सम्पन्न

सुस्वागतम्
2019

पुण्य स्मरण

हमारे प्रेरणा-स्रोत

परम श्रद्धेय
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
(षष्ठम पुण्यतिथि)

परम श्रद्धेय
स्व. श्री मदनलाल पलौड़
(चतुर्थ पुण्यतिथि)

आपकी प्रेरणा सम्बल बनकर
हमेशा दिखाती रहे 'सत्य की राह'

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार
की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित

श्री माहेश्वरी टाईम्स का आगामी अंक

मार्च–2019

समाज की नारी शक्ति को समर्पित

महिला विशेषांक

इसमें समाहित होगी समाज की महिलाओं की कहानी
जो अपनी ''ऊर्जा'' से किसी भी क्षेत्र में लिख रही है
'सफलता की कहानी'
यदि आपके परिवार या परिचित में
कोई ऐसी माहेश्वरी महिला हो तो आज ही हमें जानकारी भेजे.

90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष - 0734-2526561, 2526761, मोबाइल - 094250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-7 ▸▸ जनवरी 2019 ▸▸ वर्ष-14

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
सुरेश लखोटिया, पुणे

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

सम्पादकीय

आईने से इंकार क्यों?

फिर समाज के लिये सुखद संयोग है कि अ.भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा 4 से 7 जनवरी को जोधपुर में अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश-विदेश से समाजजनों के आने की अपेक्षा है। वर्तमान आयोजन पूर्व के आयोजनों से कई मामलों में भिन्न है, प्रचार-प्रसार के तरीके, पंजीयन पद्धति, महासभा के नेतृत्व तथा समाज के मीडिया को लेकर। पूर्व के सभी नेतृत्व ने पूर्ण प्रजातांत्रिक तरीके से आयोजन किए और मीडिया को ससम्मान आमंत्रित किया। लेकिन इस बार अजीबोगरीब निर्णय लिया गया है कि समाज के मीडिया को इससे दूर रखा गया है, उन्हे आमंत्रित तक नहीं किया गया है। इसलिए सवाल उठा है कि आईने से इंकार क्यों?

यह सवाल खड़ा करने के पीछे मकसद केवल इतना है कि समाज उन लोगों से यह सवाल करे, और जो जवाब आए उसके परिप्रेक्ष्य में यह भी तय करें कि संविधान के इस चौथे स्तंभ को नकारने की जो लोग हिम्मत कर रहे हैं, वे समाज का कितना भला कर पाएंगे? क्योंकि विश्व इतिहास गवाह है कि मीडिया पर प्रतिबंध कतई लोकतांत्रिक और स्वस्थ समाज का प्रतिबिंब नहीं है। यह प्रतिबंध नकारात्मक सोच और दमनकारी नीतियों का द्योतक है, जिसे समाज कभी स्वीकार नहीं कर सकता, न करना चाहिए। महासभा के जिन महानुभावों ने यह निर्णय लिया है, समाज उनके सामने आईना बनकर यदि खड़ा हो गया तो उनके चेहरों की हकीकत खुद उनके सामने आ जाएगी, तब उन्हें खुद अपने आप को जवाब देना मुश्किल हो जाएगा।

इस आयोजन से समाज के ही मीडिया हाऊसों को दरकिनार कर देने के पीछे क्या कारण हो सकते हैं? यह लिखने की जरूरत नहीं, क्योंकि सब जानते हैं, आईने से इंकार कौन कर सकता हैं? क्या महासभा के नेतृत्व कहे जा रहे लोग पत्रकारिता के आयने के सामने खड़ा होने से कतरा गए? यह सवाल हम भी पूछ सकते है लेकिन हमें पता है, इसका जवाब क्या आएगा? उनके जवाब की हमे प्रतीक्षा भी नहीं है। समाज के इस सबसे सशक्त संगठन के लिए इसे खतरा कहने से भी हमे गुरेज इसलिए नहीं है कि आज समाज की एक सशक्त आवाज का गला घोंटने का प्रयास करने वाले यदि सबल हो गए तो कल उनका हौसला कितना बढ़ जाएगा, इसका अनुमान लगाया जा सकता है। महासभा के अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन में समाज की पत्र-पत्रिकाओं को प्रतिबंधित कर बाहरी मीडिया को अनुमति देने से महासभा के कतिपय लोग धन बल से अपने चेहरों को उजला दिखला सकते हैं लेकिन जब समाज के सामने हकीकत आएगी तो उनकी कलाई खुल चुकी होगी। इस आयोजन पर एकाधिकार करने की कोशिश करने की खिलाफत तो आयोजन से पहले ही शुरू हो चुकी है। समाज के विभिन्न प्रकल्पों को भी इसमें तरजीह नहीं मिलना चर्चा का विषय बन गया है। इस आयोजन को लेकर आज जितने सवाल खड़े हैं, उनके जवाब आज नहीं तो कल संगठन को देना ही होंगे।

चलो अब कुछ अपनी बात कर लें। श्री माहेश्वरी टाईम्स ने इस साल के 'माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2018' अवार्ड की घोषणा कर दी है। वित्त क्षेत्र में ऑइकॉन कहे जाने वाले जोधपुर के आनंद राठी, रेवाड़ी को समाजसेवा की पहचान देने वाले अशोक सोमानी और वडोदरा के उद्योग महानायक त्रिभुवन काबरा को इस सम्मान के लिए चयन समिति ने चुना है। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार उन्हें दिल से बधाई देता है तथा अपेक्षा करता है कि वे अपने क्षेत्र में इसी तरह नए कीर्तिमान बनाने के लिए सतत् क्रियाशील रहकर समाज के अन्य लोगों को भी प्रेरित करेंगे। इस अंक में इन तीनों विभूतियों का जीवनवृत्त समाहित है, जो नई पीढ़ी के लिए प्रेरणीय है। इस अंक में हमेशा की तरह सभी स्थायी स्तंभों के साथ पठनीय एवं विचार स्पर्शी आलेखों के साथ रोचक और ज्ञानवर्द्धक सामग्री प्रस्तुत है। अंग्रेजी नववर्ष की सभी पाठकों एवं सहयोगियों को हार्दिक शुभकामनाएं। इस अंक के बारे में अपनी प्रतिक्रिया से हमेशा की तरह अवश्य अवगत कराएं।

जय महेश!

पुष्कर बाहेती

अतिथि सम्पादकीय

सन् 1956 में चुरु (राजस्थान) में श्री सेवाराम व श्रीमती सावित्री लखोटिया के यहां जन्में व पुणे में निवासरत श्री सुरेश लखोटिया की पहचान समाज ही नहीं बल्कि उद्योग जगत में भी उद्योग गुरु के रूप में है। आप न सिर्फ स्वयं सफल उद्यमी हैं, बल्कि कई संचार माध्यमों द्वारा युवाओं को सतत मार्गदर्शित भी करते रहते हैं। समाज में नवउद्यमियों को मार्गदर्शित कर रहे प्रसिद्ध बिजनेस कॉन्क्लेव बिजकॉन के श्री लखोटिया संस्थापक हैं। स्नातक स्तर तक शिक्षा प्राप्त कर श्री लखोटिया ने 20 वर्ष की उम्र में बिड़ला स्टील प्लांट रांची से मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में अपने कॅरियर की शुरुआत की। वर्ष 1989 से श्री लखोटिया ने स्टील ट्रेडिंग बिजनेस में कदम रख दिया और 1992 में प्रथम स्टील प्लांट जोधपुर में स्थापित किया। उनके कदम व्यवसाय की ओर बढ़े तो फिर बढ़ते ही चले गए। वर्तमान में आप एसआर ग्रुप के सीएमडी हैं। यह ग्रुप लाईम स्टोन माईनिंग, स्टील प्लांट के फेरो एलोय फ्लक्स निर्माण, ग्रेफाईट व स्पांज स्टील, एनबीएफसी कंपनी तथा लॉजिस्टिक तथा ई-वेस्ट आदि के क्षेत्र में कार्य कर रही है। धर्मपत्नी मीना लखोटिया के साथ स्मृति बाहेती, साक्षी माहेश्वरी, सृष्टि-शुभम लखोटिया भी उनका संबल बनकर सेवा पथ पर सहयोग दे रहे हैं।

दूसरों को रोजगार देने की ओर बढ़ें

हमारा समाज हमेशा से उद्योग व्यवसाय के क्षेत्र में एक शीर्ष समाज रहा है। यदि देश आज उद्योग व्यवसाय के क्षेत्र में आत्मनिर्भर व उन्नत है तो इसका श्रेय अधिकांशतः माहेश्वरी समाज को ही जाता है। कारण यह है कि अल्पसंख्यक होने के बावजूद समाज का उद्यम के क्षेत्र में सर्वाधिक योगदान है। यही कारण है कि माहेश्वरी समाज चाहे राजशाही हो या वर्तमान प्रजातांत्रिक दौर, हर दौर में देश की अर्थव्यवस्था का 'बेक बोन' रहा है। यह सब समाज के उच्च आदर्शों व समर्पित योगदानों एवं उसकी तीक्ष्ण व्यवसायिक सोच का ही नतीजा है। वर्तमान दौर में समाज एक अजीबोगरीब स्थिति से गुजर रहा है। उद्यमियों का समाज माना जाने वाला यह समाज अपनी पहचान से दूर होने लगा है। कारण है आज की युवा पीढ़ी का स्वव्यसाय की ओर रुझान न होना। नई पीढ़ी उद्योग व्यवसाय की चुनौतियों से मुंह मोड़कर नौकरी की ओर भाग रही है। जो समाज हमेशा से अन्य लोगों को रोजगार देता रहा है, वही समाज आज स्वयं रोजगार तलाशने लगा है। यही स्थिति रही तो हमारे समाज का भविष्य क्या होगा तथा हमारी पहचान क्या होगी?

वास्तव में देखा जाए तो स्व व्यवसाय चुनौती पूर्ण अवश्य है लेकिन इसमें विकास की अनंत संभावना हैं। इसके माध्यम से न सिर्फ हम कई लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं बल्कि देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान भी देते हैं। मैंने भी अपने कॅरियर की शुरुआत तो नौकरी से ही की थी लेकिन जब धर्मपत्नी मीना मेरे जीवन में आई तो जीवन का लक्ष्य बदल गया। मैंने अपने स्वव्यवसाय की शुरुआत की। शुरुआत में तो मुश्किल लगा लेकिन फिर जब सही रणनीति बनाकर चले तो मंजिलें आसान होती चली गईं। मुझे सीएबीसी चैनल द्वारा 2009 में अपने शो 'छोटे बिजनेस बड़े सपने' में सम्मानित भी किया गया।

बस वर्तमान दौर में समाज के युवाओं का नौकरी की ओर बढ़ता रुझान मेरी पीड़ा बन गया था। मन में अपनी व्यावसायिक विरासत को संजोने का सपना था। बस ऐसे में एमआईजी (माहेश्वरी इंडस्ट्रीयल ग्रुप) का साथ मिला और हमने समाज की नई सोच को नई व्यावसायिक दिशा देने के लिए वर्ष 2015 में बिजकॉन की शुरुआत की। बिजकॉन वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की बिजनेस कॉन्क्लेंस है। प्रथम आयोजन को समाज के उद्यमियों व युवाओं का अच्छा प्रतिसाद मिला तो बस फिर क्या था इसे प्रतिवर्ष आयोजित करने का संकल्प दृढ़ हो गया। इसमें मार्गदर्शक के रूप में सुभाष मूंदड़ा, गोपाल काबरा, बजरंग लोहिया एवं नीलेश लड्ढा, विनीता बिहानी, राहुल मोहता, आशीष डालिया आदि का साथ मिला तो युवाओं में स्व उद्यम स्थापना का सपना जगाने व उनके इस सपने को साकार करने में यथासंभव सहयोग प्रदान करने का अभियान सा चल पड़ा।

अंत में मैं समाज की युवा पीढ़ी से कहना चाहूंगा कि सपने अवश्य देखें क्योंकि हम सपने देखते हैं, तभी तो उन्हें साकार कर पाते हैं। बस जरूरत है तो अपने सपनों को साकार करने के लिए सही रणनीति बनाने की और फिर पूर्ण क्षमता के साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति के प्रति समर्पित भाव से जुट जाने की। समाज संगठन से भी मैं अपील करना चाहूंगा कि ऐसी योजना बनाएं जिनसे समाज के नवउद्यमियों को प्रोत्साहन व सहयोग मिल सके, जिससे समाज के युवा वर्ग का उद्यमिता की ओर रुझान बढ़े।

सुरेश लखोटिया
अतिथि संपादक

Your Preferred Packaging Solutions Provider

A wide range of

Corrugated Cartons

&

Die punching items

For all of your needs

Sanx Corropackaging Private Limited

Address : 14-6-407/a, First floor, Begum Bazar,
Hyderabad, Telangana, Bharat - 500012
Contact : 9666675008S 9666674008
Email : info@sanxcorropackaging.com

With Best compliments from Vijayshri Agro Chemicals Private Limited, Hyderabad

श्री नवासन माताजी

श्री नवासन माताजी माहेश्वरी समाज की नुवाल और खुवाल खाँप की देवी हैं।

श्री नवासन माताजी का मंदिर राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में गंगापुर के समीप रायपुर ग्राम में स्थित है। मंदिर तो अधिक पुराना नहीं है लेकिन प्रतिमा प्राचीन बताई जाती है। इस मंदिर में माताजी की प्रतिमा को स्थापित किया गया है। माहेश्वरी समाज के साथ ही स्थानीय निवासी भी माताजी के प्रति विशेष श्रद्धा रखते हैं और नवरात्रि में यहाँ विशेष आयोजन होता है।

पूजा विधि- यहां माताजी के पूजन में चुनरी, कुंकु, चाँवल, नारियल, काजल, मोली व मेहंदी चढ़ाई जाती है। माताजी को विशेष रूप से लापसी का भोग लगाया जाता है।

कैसे पहुँचे - भीलवाड़ा से सड़क मार्ग से रायपुर ग्राम तक पहुँचा जा सकता है। यह गाँव गंगापुर के समीप है और भीलवाड़ा से 80 कि.मी. दूर स्थित है। यहाँ पहुँचने के लिये रायपुर गाँव तक बस सुविधा उपलब्ध है।

कहाँ ठहरें - ठहरने के लिये गंगापुर में धर्मशाला, लॉज आदि उपलब्ध है। उत्तम श्रेणी की होटल भीलवाड़ा में उपलब्ध है।

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें

श्री माणकलाल जगदीशचन्द्र नुवाल

बड़े मंदिर के पास ग्राम व पोस्ट-रायपुर जिला भीलवाड़ा

फोन.- 01481-230058

नववर्ष की हार्दिक–हार्दिक शुभकामनाऐं
एवं
जोधपुर में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन में पधारे
समस्त समाजजनों का स्नेहील अभिनंदन

VINTOCHEM
PHARMACEUTICALS

Manufacturer of Quality
Pharmaceuticals Products

Off- 1, Industrial Area,
Maxi Road, Ujjain-456010 (M.P.)

Resi : 97, Sant Nagar, Sanwer Road, Ujjain
E-mail : vintochem_phatma@yahoo.in
Mo. : 94250-92569, 94240-86009

महेश लद्दा
कार्यकारी मण्डल सदस्य
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

मुख्य संरक्षक
अ.भा. माहेश्वरी सिंहस्थ कुंभ-सेवा

संरक्षक ट्रस्टी
श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट (श्री महेश धाम)

संरक्षक
श्री विद्येश्वर महादेव मंदिर

उपाध्यक्ष
श्री लक्ष्मीनृसिंह देवस्थान ट्रस्ट

संगठन मंत्री
श्री श्रीजी ट्रस्ट

डिस्ट्रीक्ट चेयरपर्सन
लायन्स क्लब इंटरनेशनल

अध्यक्ष
संत नगर लोक कल्याण समिति

अध्यक्ष
फार्मा मेन्युफेक्चरर एसोसिएशन, उज्जैन

बिजकॉन ने दिखाई 'बिजनेस की नई राहें'

कई विशेषज्ञों ने दिया मार्गदर्शन, प्रस्तुत स्टार्टअप आइडिया में से 5 हुए पुरस्कृत

हैदराबाद. माहेश्वरी समाज के नवउद्यमियों को व्यवसाय की नई राह दिखाने के लिए महेश फाउंडेशन व एमआईजी पुणे द्वारा बिजनेस कॉन्क्लेव 'बिजकॉन' का आयोजन 22 दिसंबर को होटल मैरिओट में किया गया। इसमें देश-विदेश से 600 से अधिक औद्योगिक प्रतिनिधि शामिल हुए। इनमें चीन, यूएसए व नीदरलैंड से भी प्रतिनिधि शामिल हुए। विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन देकर आज के दौर में व्यवसाय को शिखर की ओर ले जाने के सूत्र बताए। आगामी बिजकॉन का आयोजन 21 दिसंबर 2019 को कोलकाता में करने का निर्णय भी लिया गया।

वर्तमान दौर में जहां युवा पीढ़ी व्यवसाय से दूर हटकर नौकरी की ओर कदम बढ़ा रही है, ऐसे में उन्हें मार्गदर्शित कर बिजनेस क्षेत्र में शिखर की ऊंचाई प्राप्त करने के गुर सिखाने के लक्ष्य को लेकर बिजकॉन का आयोजन गत कुछ वर्षों से हो रहा है। वर्ष 2015 में पुणे में आयोजित कॉन्क्लेव में 425 तथा जनवरी 2018 में सूरत के कॉन्क्लेव में 600 अधिक डेलीगेट्स शामिल हुए। हैदराबाद में आयोजित इस कॉन्क्लेव में भी 600 से अधिक डेलीगेट्स शामिल हुए। इस आयोजन के संस्थापक सुरेश लखोटिया, अध्यक्ष महेश फाउंडेशन अध्यक्ष हरिनारायण राठी, संयोजक महेश फाउंडेशन सचिव उमेशकुमार राठी तथा महेश फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण बांगड़ थे। एमआईजी अध्यक्ष राहुल धूत, निलेश लदड़, आशीष डालिया, सृष्टि लखोटिया, राहुल मोहता तथा दीपक भट्टड़ ने संयोजक की भूमिका निभाई। मंच संचालन रमेश परतानी के साथ

अशिता असावा, अमृता तोषनीवाल, निलेश लद्दड़ तथा नेटवर्किंग डिनर व्यवस्था योगेश अगीवाल, गिरधर तोषनीवाल एवं टीम ने किया। संजय लाहोटी ने अतिथियों का स्वागत किया।

उद्योग समूहों ने दिया संबल

श्री लखोटिया का कहना है कि यह आयोजन अत्यंत कठिन कार्य था लेकिन उद्योग समूहों के आर्थिक सहयोग ने इसे आसान बना दिया। इस आयोजन का प्रमुख प्रायोजक ख्यात उद्योग आरआर कॉबेल था। प्लेटिनम स्पांसर लोहिया ग्रुप का गोल्ड ड्रॉप रिफाइंड सनफ्लावर ऑइल, गोल्ड स्पांसर जीएल मानधनी चेरिटेबल ट्रस्ट, सिल्वर स्पांसर कमल वांच कंपनी तथा वी एंड एम स्पांसर एनएमडीसी, किट स्पांसर COMDA चायना थे। आयोजन के मुख्य अतिथि रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर एसएस मूंदड़ा थे। आरआर ग्लोबल के एमडी व ग्रुप के चेयरमैन श्रीगोपाल काबरा, सिम्प्लेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड के चेयरमैन इमिरेट्स डॉ विट्ठलदास मूंदड़ा, डी मार्ट के चेयरमैन रमेश दम्मानी, रिलायंस रिटेल लि. के सीईओ दामोदर मल्ल, नेस्पर्स फिनटेक एंड पे यू नीदरलैंड के ग्लोबल सीएफओ आकाश मूंदड़ा, इक्सोरियल बॉयोमेड प्रालि के सीईओ कार्तिकेय बल्देवा, आईसीएसआई की पूर्व अध्यक्ष सीएस ममता बिन्नानी, फेमीकेयर लि. के एमडी संजीव तापड़िया जैसी विख्यात हस्तियों ने वक्ता के रूप में उपस्थित होकर अपना अमूल्य मार्गदर्शन दिया।

5 इनोवेटिव आइडियाज हुए पुरस्कृत

इस आयोजन में प्रदर्शित करने के लिए नवउद्यमियों से उनके इनोवेटिव स्टार्ट अप आइडियाज आमंत्रित किए गए थे। ऑनलाइन प्राप्त आइडियाज में से 14 को इसमें प्रदर्शित किया गया। इनमें से कुल 5 आइडियाज को पुरस्कृत किया गया। सबसे श्रेष्ठ को 1 लाख रुपए, द्वितीय को 50 हजार तथा 25-25 हजार रुपए के तीन पुरस्कार शेष 3 आइडिया को प्रदान किए गए। इन्हें वहां उपस्थित उद्यमियों के इन स्टार्टअप को प्रारंभ करने में आर्थिक सहयोग प्राप्ति की संभावना भी रहेगी। ये आइडियाज बिजकॉन की बेवसाइट पर उपलब्ध भी रहेंगे, जिससे इनके आर्थिक सहयोग प्राप्त करने की संभावनाएं अधिक बढ़ जाएंगी।

मार्गदर्शन में किन्होंने क्या कहा

आरआर ग्लोबल के एमडी व ग्रुप चेयरमेन श्री गोपाल काबरा ने कहा कि ब्रांडिंग न केवल उत्पाद की हो बल्कि प्रोफेशनल्स की भी होना चाहिए। हम प्राथमिकता पर ध्यान दें। मूल्य तो बाद की चीज है। याद रखें हर मिटिंग के प्रथम तीस मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। अतः इन्हें न गंवाएं। याद रखें संस्कृति पहले है और उत्पाद बाद में, फिर भी समय के साथ बदलाव जरूरी है।

रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर एमएस मूंदड़ा ने सफलता के मार्ग की चर्चा करते हुए कहा कि एक सफलता के पीछे कई असफलता की कहानियां भी होती हैं, लेकिन वे हाइलाइट नहीं होती। अतः हमें सावधान रहना चाहिए। स्टार्ट अप उद्यमियों को हमेशा रिवैन्यू और लाभ में अंतर का अवश्य ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने सीए वर्ग से कहा कि आपकी सेवा अति महत्वपूर्ण है, अतः पूर्ण सतर्कता से इसे निभाएं।

डी मार्ट के चेयरमैन रमेश दम्मानी ने कहा कि मुस्कुराहट सफलता का सबसे बड़ा सूत्र है। अतः अपने दांतों का इसमें उपयोग करने में परहेज न करें। हमेशा अपने सेविंग की शुरुआत भी कम उम्र से ही कर दें। जब निवेश करें तो डिप्रेशिएटिंग एसेट की बजाए एप्रेशिएटिंग एसेट पर अधिक ध्यान दें।

सिम्पलैक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लि. के चेयरमैन इमिनेंट्स डॉ. विट्ठलदास मूंदड़ा ने कहा कि वर्तमान में कृषि के बाद देश का सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र ही है। इसकी सफलता का राज है उत्कृष्ट कार्य और ग्राहक की संतुष्टि। पैसा ग्राहक के पास होता है और हमारे पास हाथ। अतः जितना अच्छा हम काम करेंगे रिटर्न भी इतना अच्छा मिलेगा।

फेमीकेयर लिमिटेड के एमडी संजीव तापड़िया ने कहा कि हमें अपने समय का पूरा-पूरा उपयोग करना चाहिए। हमारी बिजनेस की रणनीति हमारी डायनिंग टेबल पर ही तैयार हो जानी चाहिए। व्यवसाय के विस्तार के लिए ऋण या इक्विटी दो ऑप्शन हैं। इनमें इक्विटी को ही अधिक महत्व दें। अपने कम्पर्ट जोन से बाहर आकर अपने टॉरगेट पर केंद्रित हो जाएं तो सफलता अवश्य मिलेगी।

इन्होंने भी दिया मार्गदर्शन

ममता बिनानी कोलकाता ने एनसीएलटी के माध्यम से बीमारू कंपनियों को पुनः स्थापित करने के बारे में मार्गदर्शित किया। नीदरलैंड के आकाश मूंदड़ा ने पैमेंट गेटवे तथा सभी डिजिटल पेमेंट सिस्टम व उनके लाभ पर प्रकाश डाला। हैदराबाद के कार्तिक बल्दवा ने भी मार्गदर्शित किया। युवा उद्यमी श्री बल्दवा आयुर्वेदिक दवा उत्पादन से जुड़े हैं और उनके उत्पाद 50 से अधिक देशों को निर्यात किए जा रहे हैं। मुंबई निवासी रिलायंस रिटेल के सीईओ दामोदर मल्ल ने रिटेल मार्केट के चेन सिस्टम की वर्किंग तथा उसके लाभ पर प्रकाश डाला।

'किसी भी कार्य में जल्दबाजी मत करो। जल्दबाज़ी आपको भटकाव की ओर ले जाएगी। भटकने से अच्छा है कि थोड़ा रुको, समझो और फिर चलो।'

'जीवनसाथी चयन' ने दी रिश्तों की सौगात

सम्मेलन में ही 5 रिश्ते तय, 60 के तय होने की तैयारी

दुर्ग. छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा , विदर्भ एवं पूर्वी म. प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के संयुक्त तत्वावधान में दुर्ग जिला माहेश्वरी सभा द्वारा श्री माहेश्वरी पंचायत दुर्ग के आतिथ्य में गत 22 एवं 23 दिसम्बर को विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन 'जीवनसाथी चयन 2018-19' का आयोजन किया गया। इसमें परिचय सम्मेलन के दौरान ही 5 रिश्ते तय हुए एवं 60 से अधिक रिश्तों में सार्थक चर्चा प्रगति पर है, जिसके सुखद परिणाम की खबर जल्द ही आयोजन समिति तक पहुंचेगी।

कार्यक्रम में सभी प्रत्याशियों को एक परिचय पुस्तिका का भी वितरण किया गया। इस परिचय पुस्तिका में 696 बॉयोडाटा का संकलन था जिसमें 245 लड़कियों एवं 451 लड़को के बॉयोडाटा का प्रकाशन किया गया था। 22 एवं 23 दिसम्बर के इस कार्यक्रम में पुस्तिका में प्रकाशित बॉयोडाटा में से 429 प्रत्याशियों ने उपस्थिति दी जिसमें 148 लड़कियां एवं 281 लड़के थे।इसके अतिरिक्त तत्काल पंजीयन में 68 प्रत्याशियों ने अपने बॉयोडाटा जमा किये जिनमें 9 लड़कियां एवं 59 लड़कों के बॉयोडाटा थे। तत्काल एवं पूर्व पंजीयन के साथ कुल 497 प्रत्याशियों ने अभिभावकों के साथ कार्यक्रम में उपस्थिति दी, जिसमें कुल157 लड़कियां एवं 340 लड़के थे। यह कार्यक्रम पुंर्णतः निशुल्क था जिसमें प्रत्याशियों से किसी भी प्रकार का शुल्क कहीं पर भी नही लिया गया।

वक्ताओं ने दिया मार्गदर्शन

कार्यक्रम के उदघाटन सत्र में अखिलभारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अध्यक्ष श्याम सोनी, संपादक माहेश्वरी पत्रिका नागपुर राकेश भैया व अध्यक्ष महेश सेवा निधि डॉ सतीश राठी प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित थे। दीप प्रज्वल्लन एवं महेश वंदना के पश्चात सभी प्रमुख वक्ताओं के द्वारा प्रत्याशियों को जीवनसाथी चयन हेतु मार्गदर्शन दिया गया। आयोजन समिति दुर्ग जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राजकुमार गाँधी ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के प्रमुख सूत्रधार चतुर्भुज राठी ने जीवनसाथी चयन में शत-प्रतिशत अच्छा करने के फेर में हो रहे अनावश्यक विलंब पर प्रत्याशियों एवं अभिभावकों का ध्यान आकृष्ट कराया। प्रदेश अध्यक्ष विठ्ठल भूतड़ा ने भी कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रत्याशियों एवं अभिभावकों को अधिकतम लाभ हेतु प्रेरित किया। शाम को द्वितीय सत्र में पूर्व सांसद प्रदीप गाँधी, कार्यसमिति सदस्य अ.भा. माहेश्वरी महासभा बृजकिशोर सुरजन एवं राकेश झंवर द्वारा प्रत्याशियों का मार्गदर्शन किया गया।

एलईडी स्क्रीन पर बॉयोडाटा का प्रदर्शन

द्वितीय दिवस प्रत्याशियों के बॉयोडाटा का एलईडी स्क्रीन पर प्रस्तुतीकरण किया गया तथा ख्यात वक्ता परीक्षित जोबनपुत्रा, अहमदाबाद द्वारा जीवनसाथी चयन विषय पर मार्गदर्शन दिय गया। कार्यक्रम का संचालन एवं बॉयोडाटा का प्रस्तुतिकरण चंचल राठी एवं सी ए अजय सोमानी द्वारा किया गया। पूरे प्रदेश से समन्वयकों की बड़ी टीम मध्यस्थता हेतु पूरे समय उपलब्ध रही। 12 मन्त्रणा कक्ष बनाये गए थे जिनका प्रत्याशियों एवं अभिभावकों ने चर्चा हेतु उपयोग किया। प्रत्याशियों के पंजीयन हेतु महिला मंडल की टीम महामंत्री शशि गट्टाणी के नेतृत्व में पूरे समय कार्य में लगी रही।

सभी के साथ ने किया सफल

आवास व्यवस्था हेतु मनोज भूतड़ा, राधेश्याम चाण्डक, रामदेव टावरी व अशोक राठी की टीम ने सुव्यवस्थित कार्य किया। भोजन व्यवस्था ओमप्रकाश टावरी, अमरचन्द गाँधी, रामावतार राठी, राजकुमार केला, नंदकिशोर चाण्डक, कमल बियानी, कमल सांवल की टीम ने सम्भाली। जीवनसाथी चयन कार्यक्रम प्रभारी नरेंद्र राठी दुर्ग एवं सहप्रभारी सुरेश सादानी भिलाई थे जिन्होंने प्रदेश अध्यक्ष विठ्ठल भूतड़ा व श्री माहेश्वरी पंचायत दुर्ग के अध्यक्ष राधेश्याम राठी के साथ पूरे छग प्रदेश के विभिन्न जिलों में दौरा किया व कार्यक्रम हेतु जागृति फैलाई। कार्यक्रम में उपसभापति मध्यांचल मोहन राठी, प्रदेश मंत्री नारायण राठी, विवाह प्रकोष्ठ संयोजक गणेश भट्टड़, विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष मदन मालपानी, डी डी भूतड़ा, उपाध्यक्ष नरेंद्र लोहिया, विजय दम्माणी एवं अशोक राठी, संगठन मंत्री राजकुमार राठी, संयुक्त मंत्री रामकिशोर केला एवं सुरेश मूंदडा, रामरतन मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष गोविंद इन्नानी, सहमंत्री सुशील लाहोटी, सुशील काबरा, मुरलीधर केला सहित प्रदेश सभा के हर संगठन की टीम, जिला अध्यक्षगण प्रकाश लड्ढा, शरद राठी, जगदीश राठी, नंदकिशोर राठी, डॉ रमेश भट्टड़ एवं राजकुमार गाँधी, छग प्रादेशिक महिला संगठन अध्यक्ष आशा डोडिया एवं प्रदेश की महिला संगठन टीम, छग प्रदेश युवा संगठन अध्यक्ष राजेश मंत्री, युवा संगठन महामंत्री स्वराज लड्ढा सहित प्रदेश की युवा संगठन टीम का सहयोग रहा।

जयपुर समाज में चुनावी समर की तैयारी

इस बार अध्यक्ष पद के लिए प्रदीप बाहेती व सत्यनारायण काबरा (JD) में मुकाबला

जयपुर. वैसे तो श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के चुनाव स्थानीय चुनावों की श्रेणी में आते हैं, फिर भी सेवा क्षेत्र में जयपुर की स्थिति आईडियल रहने से ये चुनाव हमेशा सुर्खियों में रहे हैं। इस बार इस चुनाव में लोहार्गल भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष प्रदीप बाहेती व सत्यनारायण काबरा के बीच समाज अध्यक्ष पद पर चुनावी जंग होगी।

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के त्रैवार्षिक चुनाव सत्र (2019-22) के लिए 13 जनवरी 2019 को होने जा रहे हैं। जयपुर माहेश्वरी समाज के इस ऐतिहासिक चुनाव में जयपुर में निवास कर रहे 5500 माहेश्वरी परिवारों के 22 हजार के लगभग मतदाता मतदान करेंगे। चुनाव परिणामों की घोषणा 15 जनवरी को होगी। चुनाव कराने के लिए प्रमुख चार्टर्ड अकाउंटेंट एसआर शर्मा को मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए एक सलाहकार समिति का गठन भी किया गया है जिसमें देवकीनंदन जाजू (पूर्व चुनाव अधिकारी), किशनदास झंवर, बिहारीलाल साबू, घनश्यामदास मूंदड़ा व शंकर कोठ्यारी सदस्य हैं।

चुनावों को लेकर सरगर्मी तेज

चुनाव में अध्यक्ष पद की दावेदारी के लिए प्रदीप बाहेती (सुपुत्र श्री आरडी बाहेती) एवं सत्यनारायण काबरा (जेडी) प्रत्याशी हैं। इसके अलावा दोनों प्रतिद्वंद्वियों की ओर से 72-72 उम्मीदवार कार्यकारिणी सदस्य के लिए भी चुनाव मैदान में हैं। समाज बंधुओं के सामने एक तरफ जयपुर माहेश्वरी समाज द्वारा संचालित 8 विद्यालय, एक कॉलेज और हॉस्टल को संभालने के लिए प्रशासनिक क्षमता की चुनौती है। श्री बाहेती के पास इन संस्थाओं को संभालने का पूर्व अनुभव एवं इसके साथ ही युवा संगठन से लम्बे जुड़ाव व नई सोच के कारण युवा वर्ग भी उनके साथ है। वहीं दूसरी ओर देखा जाऐ तो श्री काबरा समाज के वर्तमान सत्तापक्ष के समर्थित उम्मीदवार है। अतः निश्चय ही वर्तमान कार्यकाल में समाज में हुए विभिन्न विकास कार्यों का इन पर प्रभाव पड़ेगा। वर्तमान सत्र के कार्यकाल से समाज कितना और किस प्रकार से प्रभावित रहा? इसका सीधा-सीधा असर श्री काबरा पर पड़ सकता है। अब अंतिम फैसला तो मतदाताओं के हाथों में ही है कि वे श्री बाहेती के अनुभव पर विश्वास करते हैं या वर्तमान सत्र के कार्यों को अधिक महत्व देते हैं।

लोहार्गल यात्रा के शुभारंभकर्ता हैं बाहेती

वर्तमान में अभा माहेश्वरी युवा संगठन-समाज के उत्पत्ति स्थल लोहार्गल को तीर्थ का स्वरूप देने के लिए यहां भव्य माहेश्वरी भवन का निर्माण करवा रहा है। इसके निर्माण के लिए जब योग्य समाजसेवी की आवश्यकता महसूस हुई, तो इस राष्ट्रीय संगठन की निगाहें भी श्री बाहेती पर जा टिकी। श्री बाहेती वर्तमान में लोहार्गल भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष की भूमिका का निर्वहन भी कर रहे हैं। इसमें पूर्ण पारदर्शिता से संगठन के निर्देशानुसार गरिमामय भवन का निर्माण करवाना उनकी मुख्य जिम्मेदारी है, जिसे वे पूर्ण सजगता व समर्पित भाव से निभा रहे हैं। इसके साथ-साथ वे एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं, लोहार्गल के प्रति जनजागरण। वहां विशिष्ट आयोजन तथा आने वाले श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाएं जुटाकर इस सामान्य से पद पर रहते हुए भी लोहार्गल तीर्थ से अधिक से अधिक समाजजनों को जोड़ने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2014 में जनजागरण के लिए सर्वप्रथम जयपुर से लोहार्गल धाम दर्शन यात्रा का ऐतिहासिक आयोजन किया। इसमें लगभग 500 से अधिक समाजजन शामिल हुए थे। इसके बाद यह प्रतिवर्ष हो रही है।

कई जिम्मेदारियों का नि:स्वार्थ निर्वहन

श्री बाहेती अनेक स्वयंसेवी संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं। इनमें एक है, वनबंधु परिषद। यह एक ऐसी संस्था है जिसमें गांव-शहरों से दूर रहने वाले वनवासी बच्चों को साक्षर बनाया जाता है। उनमें शिक्षा के प्रति रुचि जागृत की जाती है। श्री बाहेती वनबंधु परिषद के संस्थापक सचिव हैं। यह जिम्मेदारी वे वर्ष 2007 से निभा रहे हैं। संस्था देशभर में 57 हजार के लगभग एकल शिक्षक विद्यालयों व राजस्थान में 2700 स्कूल के माध्यम से बच्चों को साक्षर कर रही है। चिकित्सा व रक्तदान शिविरों के आयोजन में भी श्री बाहेती सबसे आगे रहते हैं। वह लोगों को तो रक्तदान के लिए प्रेरित करते ही हैं, स्वयं भी कई बार रक्तदान कर चुके हैं। अनेक निर्धन बच्चों की शिक्षा का जिम्मा भी वह उठा रहे हैं।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

Nandini Traders

Grain Marchant & Commission Agent

State Bank Road, Karanja (Lad) Dist. Washim (Akola Marchant)

Ph. : 07256-223042, Mobile : 9764274285

नंदिणी इन्टरप्राइजेस

पंताजली आयुर्वेद के थोक विक्रेता

स्टेट बैंक रोड, वर्धमान प्लाजा,

कारंजा (लाड) - जिला वाशिम - 444105

शेषनारायण देवीकिशन जी धूत

स्नेह मिलन का हुआ आयोजन

परभणी. जिला माहेश्वरी महासभा एवं तालुका माहेश्वरी महासभा द्वारा जिले के 1200 परिवार के स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया। साथ ही जिला माहेश्वरी पारिवारिक डायरेक्टरी, जिला अंतर्गत विवाह योग्य युवक-युवती परिचय पुस्तिका तथा नववर्ष दिग्दर्शिका का विमोचन भी हुआ। सत्यनारायण लाहोटी, ब्रिजगोपाल तोषनीवाल, श्रीकिशन भंसाली, कांतिलाल राठी, घनश्यामजी रांदड़, जयप्रकाश भंडारी, एड. अशोक सोनी, डॉ. किशोर मंत्री, विजय मणियार, सरोज गट्टाणी, पुरुषोत्तम धूत, ब्रिजलाल गगरानी, द्वारकदास साबू, नंदकिशोर तोषनीवाल, सुरेंद्र तोषनीवाल आदि मंचासीन थे। अशोक सोनी की ओर से महेश सेवा ट्रस्ट को 100000 रुपए की राशि की सहायता दी गई। अतः उनको भी सम्मानित किया गया। महेश वंदना नेहा दरक एवं विद्या डागा ने प्रस्तुत की। बालिकाओं ने स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन निशा धूत तथा अर्चना सोमानी ने किया। धीरज सोमानी, जयप्रकाशजी राठी, गोकुल दाड़, नितिन दरक, विजय तापड़िया आशीष लोया, आनंद भंडारी, प्रणय भंडारी, दिलीप भट्टड़, सत्यनारायण अजमेरा, भीकूलाल पनपालिया आदि का सहयोग रहा।

ड्राइविंग शिविर का हुआ आयोजन

अमरावती. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से नेहरू मैदान स्थित बगीचे में दोपहिया व चारपहिया वाहनों का ड्राइविंग शिविर का आयोजन सुबह 11.30 बजे किया गया। इस शिविर में करीब 60 महिलाओं ने सहभाग लेकर अपनी पंजीयन कराया। शिविर का उद्घाटन पुष्पलता परतानी, सुशीला गांधी द्वारा किया गया। इस दौरान अध्यक्ष अर्चना लाहोटी, पूर्व अध्यक्ष प्रीति डागा, सपना पनपालिया, शीतल बूब, वर्षा लाहोटी, माधुरी बंग, डॉ. निर्मला राठी, अर्चना लाहोटी, सपना पनपालिया आदि उपस्थित थीं।

महेश को ऑपरेटिव की बैठक संपन्न

बूंदी. श्री महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के संचालक मंडल सदस्यों की बैठक गत 23 दिसंबर को कार्यालय में आयोजित हुई। अध्यक्षता सोसायटी अध्यक्ष संजय लाठी ने की। सचिव नारायण मंडोवरा ने बताया कि बैठक में 27 जनवरी 2019 को वार्षिक अधिवेशन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। विगत वित्तीय वर्ष के अंकेक्षण का ब्योरा प्रस्तुत किया गया। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र, विशिष्ठ प्रतिभाओं को अलंकृत करने व भारतीय संस्कृति के अनुरूप सांस्कृतिक पलों को भी आयोजित करने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक का संचालन मुख्य कार्यकारी अधिकारी परमेश्वर मंडोवरा ने किया। आभार उपाध्यक्ष चतुर्भुज गुप्ता ने माना। कोषाध्यक्ष सोहन बाहेती, निदेशक सोनल मूंधड़ा, मीनाक्षी काबरा, पुरुषोत्तमदास नुवाल, श्यामबिहारी लड्ढा, विशेष आमंत्रित सदस्य रमेश माहेश्वरी व नरेश लाठी आदि उपस्थित थे।

बागड़ी मोहम्मद रफी अवॉर्ड से सम्मानित

नागपुर. मोहम्मद रफी फैंस कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन तथा एमआर के संगीत समूह के संयुक्त तत्वावधान में संगीतकार नौशाद साहब और रफी साहब की 94वीं जयंती के उपलक्ष्य पर हाल ही में जिंदगी का सफर अधूरा छोड़ गए। प्रख्यात पार्श्वगायक मोहम्मद अजीज साहब को समर्पित संगीतांजलि 'मितवा भूल ना जाना' सभागृह में आयोजित है। समाज में अपना अमूल्य योगदान दे रहे वरिष्ठ समाजसेवी लेखक व अनेकों राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित शरद गोपीदास बागड़ी का "मोहम्मद रफी सम्मान" देकर पूर्व सांसद, मंत्री राजस्थान चुनाव प्रभारी अविनाशजी पांडे, मानपा नगरसेवक छत्तीसगढ़चुनाव प्रभारी प्रफुल्ल गुडधे पाटिल के हाथों शॉल श्रीफल से सम्मान किया गया।

रिश्ते जब 'मजबूत' होते हैं,,,
बिन बोले 'महसूस' होते हैं...!

नववर्ष के कैलेंडर का विमोचन

बैंगलोर. माहेश्वरी सभा द्वारा प्रकाशित कैलेंडर 2019 का विमोचन गत 20 दिसंबर को माहेश्वरी भवन में मुख्य अतिथि श्रीगोपाल सारडा द्वारा किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष बसंतकुमार सारडा, माहेश्वरी महिला मंडल की उपाध्यक्षा कांता काबरा, माहेश्वरी युवा संघ के पूर्वाध्यक्ष रविकांत राठी, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन मोहनलाल माहेश्वरी, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन राजगोपाल भूतड़ा, माहेश्वरी सौहार्द को ऑपरेटिव लिमिटेड के चेयरमैन नंदकिशोर मालू अतिथि के रूप में मौजूद थे। 13 पृष्ठीय कैलेंडर में माहेश्वरी समाज, बेंगलुरु द्वारा संचालिक संस्थाओं का पूर्ण विवरण तथा भारत वर्ष में मनाए जाने वाले त्योहारों, व्रत, विधि, जयंती एवं राजकीय अवकाशों का सचित्र समावेश किया गया है। यह कैलेंडर कनार्टक-गोव प्रदेश में सभी माहेश्वरी बंधुओं को वितरित किया जाता है। इस कैलेंडर की साज-सज्जा में राजगोपाल भूतड़ा, निर्मलकुमार तापड़िया एवं भगवानदास लाहोटी की अहम भूमिका रही।

पधारो बाबूल रे आंगण का हुआ आयोजन

वर्धा. ससुराल में कितना भी मान-सम्मान मिले पर मायके (पीहर) का मजा अलग ही है। विवाहिता स्त्री कितनी भी उम्रदराज क्यों न हो जाए इसीलिए उसका मायका कभी नहीं छूटता। उक्त विचार माहेश्वरी महिला मंडल की निर्वाचित अध्यक्ष हर्षा परमानंद टावरी ने मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम "पधारो बाबूल रे आंगण" के बहन-बेटियों के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में व्यक्त किए। सीए नितिन मूंधड़ा के संयोजन में संपन्न इस सफल कार्यक्रम में देश के लगभग हर राज्य से 298 बहन-बेटियों ने हिस्सा लिया। एक बहन दक्षिण अफ्रीका से भी विशेष रूप से अपनी सहेलियों से मिलने वर्धा आई थी।

इस प्रकल्प के मार्गदर्शक अधिवक्ता परमानंद टावरी थे। पहले दिन चुनिंदा सदस्याओं के विचार साझा हुए तो दूसरे सत्र में सभी ने खेल का आनंद लिया। तृतीय सत्र में नृत्य, कॉमेडी शो आदि संपन्न हुए। दूसरे दिन भी कृष्णगिरी धाम धोत्रा में पूरा बचपन लौटा। लगोरी कंचे, भूलाबाई के गीत, धमाल नृत्य आदि हुए। माहेश्वरी मंडल वर्धा के 60 वर्ष के इतिहास में यह सबसे बड़ा प्रकल्प था। इसमें नितिन मूंधड़ा, हरीश टावरी, विजय राठी, मुरलीधर केला के साथ ही माहेश्वरी मंडल, माहेश्वरी महिला मंडल, नवयुवक मंडल तथा नवयुवती मंडल के सभी कार्यकर्ताओं का सहयोग मिला।

त्रिनयन महिला संगठन की कार्यकारिणी गठित

नागपुर. गत दिनों संपन्न पदारोहण समारोह में त्रिनयन माहेश्वरी महिला संगठन की नई कार्यकारिणी ने अपना पदग्रहण किया। इसमें अध्यक्ष शारदा चांडक, सचिव नीलिमा लोया, पूर्व अध्यक्ष मीरा मालपानी, उपाध्यक्ष किरण राठी व सुमन पचीसियां, कोषाध्यक्ष पुष्पा काकानी, संयुक्त सचिव रेखा राठी, विद्या राठी, आयोजन सचिव निर्मला सारडा, प्रचार मंत्री सरोज सोमानी सहित कार्यकारिणी व सलाहकार समिति सदस्याएं शामिल थीं।

कांकड़ आरती का हुआ आयोजन

पुणे. श्री माहेश्वरी बालाजी मंदिर में श्री बालाजी महिला मंडल की ओर से कांकड़ आरती एवं दीपोत्सव धूमधाम से मनाए गए। शरद पूर्णिमा से त्रिपुरी पूर्णिमा एक मास तक हर दिन सुबह भजन तथा प्रसाद वितरण हुआ। त्रिपुरी पूर्णिमा के दिन सुबह 6 बजे मंदिर में तथा बाहर आकर्षक रंगोली बनाई गई। कथा समापन पर कथा वाचक संतोष व्यास तथा उनकी धर्मपत्नी का महिला मंडल की ओर से वस्त्र भेंटकर सम्मान किया गया। महिला मंडल अध्यक्षा शकुंतला फोफलिया, उषा झंवर, शांता जाजू, शकुंतला सोनी तथा मंगल नावंदर आदि का विशेष सहयोग रहा।

"मैदान में हारा हुआ फिर से जीत सकता है
परंतु
मन से हारा हुआ कभी जीत नहीं सकता
आपका आत्मविश्वास ही आपकी सर्वश्रेष्ठ पूँजी है"

गत दिनों संपन्न हुए 5 प्रदेशों के चुनावों में 3 प्रमुख प्रदेशों में कुल 9 माहेश्वरी प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे थे। इसमें से 3 ने अपनी जीत का परचम लहराया तो शेष अधिकांश भी अपने प्रतिद्वंद्वी को कड़ी टक्कर देने में पीछे नहीं रहे। इनमें दो प्रत्याशी तो निर्दलीय रूप से चुनाव में उतरे थे।

चुनावी समर में 3 माहेश्वरी योद्धाओं ने फहराया जीत का परचम

गत दिनों संपन्न प्रदेश सरकार के चुनावों में माहेश्वरी समाजजनों ने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करवाई। इन चुनाव में कुल 9 प्रत्याशी समाज से शामिल थे जिनमें 6 राजस्थान, 2 मप्र व एक प्रत्याशी छग में माहेश्वरी समाज से थे। समाज की एकता व प्रभाव के सामने नतमस्तक हो इस बार कांग्रेस ने माहेश्वरी समाज से 4 तथा भाजपा ने 3 सीटों पर माहेश्वरी प्रत्याशी खड़े किए थे। 2 प्रत्याशी निर्दलीय रूप से चुनावी मैदान में थे। कुछ ऐसे निर्दलीय प्रत्याशी थे, जिन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था।

भाजपा से खड़े तीनों प्रत्याशी जीते

भाजपा ने बहुत ही संजीदगी के साथ प्रत्याशियों का चयन किया था। इसका परिणाम यह रहा कि भाजपा से खड़े तीनों प्रत्याशी विजय हुए। इसमें राजस्थान की राजसमंद सीट से खड़ी अपराजित योद्धा मानी जाने वाली पूर्व कैबीनेट मंत्री किरण माहेश्वरी, सांगानेर (राजस्थान) से जयपुर के वर्तमान महापौर अशोक लाहोटी तथा मनासा (मप्र) से अनिरुद्ध (माधव) मारू ने जीत का परचम लहरा दिया। वर्तमान चुनावों में सभी प्रदेशों में भाजपा को भारी शिकस्त का सामना करना पड़ा लेकिन ऐसी स्थिति में भी समाज के इन चुनावी योद्धाओं ने पार्टी को निराश नहीं किया और ये उनके विश्वास पर खरे उतरे। किरण माहेश्वरी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी नारायणसिंह भाटी को 16940 वोट के अंतर से पराजित कर कुल 89709 मत प्राप्त किए। अशोक लाहोटी 107947 वोट प्राप्त कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पुष्पेंद्र भारद्वाज से भारी 35 388 मतों के अंतर से विजयी हुए। मनासा मप्र के अनिरुद्ध मारू ने 87004 मत प्राप्त कर कांग्रेस के उमरावसिंह गुर्जर को 25954 मतों के अंतर से पराजित कर दिया।

निर्दलीय होकर नाराणीवाल ने दी कड़ी टक्कर

भीलवाड़ा में ओमप्रकाश नाराणीवाल निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनावी मैदान में थे। आमतौर पर देखा जाए तो निर्दलीय प्रत्याशी का विशेष महत्व नहीं होता लेकिन श्री नाराणीवाल ने यहां अपने प्रतिद्वंद्वी को कड़ी टक्कर दी। इस सीट से विजेता रहे भाजपा के विट्ठलशंकर अवस्थी के मुख्य प्रतिद्वंद्वी श्री नाराणीवाल ही थे क्योंकि कांग्रेस प्रत्याशी तो तीसरी पायदान पर रह गए। इसमें उन्होंने अपने ही दम पर 43620 मत प्राप्त किए। कांग्रेस के बागी के रूप में श्री गंगानगर (राजस्थान) से चुनाव में उतरे निर्दलीय प्रत्याशी जयदीप बिहाणी वैसे तो अधिक मत प्राप्त नहीं कर पाए लेकिन उन्होंने अपनी क्षमता व लोकप्रियता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में कोई कसर नहीं रख छोड़ी

जीते चाहे नहीं पर दी कड़ी शिकस्त

कांग्रेस के बीकानेर (राजस्थान) से प्रत्याशी कन्हैयालाल झंवर की भाजपा की सशक्त प्रत्याशी सिद्धिकुमारी से कड़ी टक्कर थी। इसमें वे पराजित हो गए लेकिन मात्र 7061 मतों से ही पीछे रहे। श्रीगंगानगर (राजस्थान) से कांग्रेस प्रत्याशी अशोक चांडक विजयी निर्दलीय प्रत्याशी राजकुमार गौड़ से 9180 मत से पीछे रह गए। शिवपुरी मप्र से कांग्रेस प्रत्याशी सिद्धार्थ लढ़ा की टक्कर अत्यंत प्रभावशाली मानी जाने वाली भाजपा प्रत्याशी यशोधरा राजे से थी। इसमें भी वे 55882 मत प्राप्त कर 28748 मतों से पीछे रहे। छग के भाटापारा विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी सुनील माहेश्वरी भाजपा के शिवनारायण शर्मा से 11909 मतों से पीछे रह गए।

माहेश्वरी समाज के समस्त बन्धुओं को
नये वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

मोहनलाल जी साबु
अमरावती

"किसी एक व्यक्ति की मदद करने से
दुनिया तो नहीं बदलने वाली...
लेकिन हां
जिस व्यक्ति की मदद करोगे
उसकी दुनिया जरूर बदल जाएगा"

श्रीकृष्ण की नगरी में संपन्न युवा संगठन की बैठक

द्वारिका. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के द्वादश सत्र की अष्टम कार्यसमिति बैठक द्वारकाधीश धाम में गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन के आयोजकत्व व युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण सोमानी ने किया। बैठक में अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष रामस्वरूप जैथल्या, युवा संगठन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक ईनाणी, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री दीपक चांडक, राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री संदीप करनानी, प्रदेश अध्यक्ष विकास मूंदड़ा, सचिव नरेश केला, सवाई चांडक सहित अनेक प्रदेशों के अध्यक्ष, सचिव, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य आदि उपस्थित थे।

बैठक में स्थानीय स्तर पर अब तक 42500 सक्रिय सदस्य बनने तथा खेल, कला, साहित्य और संस्कृति से संबंधित युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए युवा संगठन द्वारा बनाए जा रहे ट्रस्ट की जानकारी प्रस्तुत की गई। श्री काल्या ने बताया कि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए युवा शिक्षा रत्न 2018 तथा राष्ट्रीय ऑनलाइन क्वीज ब्रेनहंट प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। 4 से 7 जनवरी 2019 को जोधपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन 'माहेश्वरी महाकुंभ' में युवा संगठन द्वारा स्टार्टअप चैलेंज के तहत युवाओं के नए व्यापार के आइडियाज में वेंचर कैपिटल एवं इंवेस्टर द्वारा फंडिंग कराई जाएगी। राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम बेंगलुरु में अगस्त 2019 में आयोजित किया जाएगा। कला एवं साहित्यिक युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर इस सत्र से ही राष्ट्रीय कला एवं साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया। लोहार्गल में निर्माणाधीन भवन का कार्य तेज गति से चल रहा है तथा जल्द ही निर्माण कार्य को पूर्ण किया जाकर लोकार्पण कर समाज को समर्पित किया जाएगा। स्थानीय तहसील, जिला, प्रदेश एवं राष्ट्रीय कार्यकारी मंडल सदस्यों की संयुक्त बैठक भी आयोजित की जाएगी। द्वारिकाधीश धाम से पूर्व रामेश्वरम धाम एवं बद्रीनाथ धाम में राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक का आयोजन हो चुका है तथा चौथे और अंतिम धाम जगन्नाथपुरी में मार्च-अप्रैल माह में बैठक होगी। बैठक पश्चात आए हुए सभी सदस्यों ने द्वारकाधीश धाम मंदिर की ध्वजा पूजन की तथा जुलूस निकालते हुए मंदिर पहुंच द्वारकाधीश के दर्शन किए।

भूतड़ा बैंकॉक में हुए सम्मानित

अकोला. इन्युरेंस शॉपी के संचालक श्याम (जगदीश) भूतड़ा को बैंकॉक (थाइलैंड) में सम्मानित किया गया। वे गत 28 वर्षों से निरंतर बीमा सेवा अंतर्गत लाईफ इंश्योरेंस व जनरल इंश्योरेंस दोनों में कार्यरत हैं। उन्होंने हेल्थ इंश्योरेंस में 3 माह में समूचे विदर्भ में सबसे ज्यादा बीमा करवाया। अतः आईसीआईसीआई लेंबार्ड कंपनी ने निःशुल्क टूर और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अच्छे के साथ अच्छे बनें ,
पर बुरे के साथ बुरे नहीं।
....क्योंकि -
हीरे से हीरा तो तराशा जा सकता है लेकिन कीचड़ से कीचड़ साफ नहीं किया जा सकता ।

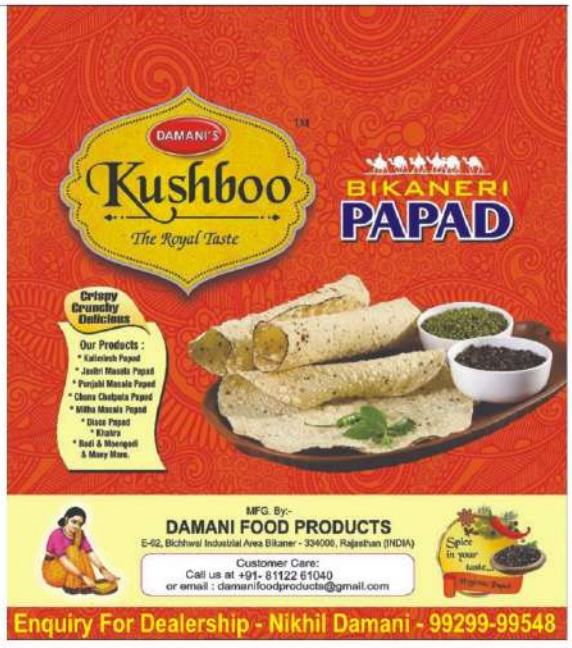

दिल्ली प्रदेश महिला संगठन की सेवा यात्रा

दिल्ली. दिल्ली प्रादेशिक महिला संगठन द्वारा अध्यक्ष किरण लढ़ा व सचिव श्यामा भांगड़िया के नेतृत्व में सेवा गतिविधियां आयोजित की गईं। इसके अंतर्गत दिल्ली प्रदेश व सभी क्षेत्रों के सहयोग से एक अत्यंत ही जरूरतमंद माहेश्वरी परिवार को उनकी बेटी के विवाह उपलक्ष्य में 1 लाख रुपए की सहायता व जरूरत का सभी तरह का सामान प्रदान किया गया। संवरणा समिति अंतर्गत यह आयोजन 19 नवंबर एकादशी को हुआ। सुचिता समिति अंतर्गत उत्तरी क्षेत्र अध्यक्ष रेणु लढ़ा व सचिव पंकज लोहिया द्वारा दीपदान का कार्यक्रम 21 नवंबर को बहुत ही अच्छे से संपन्न हुआ। सुरम्या समिति अंतर्गत दीपावली स्नेह मिलन कुछ अलग अंदाज में 'दिल्ली प्रदेश के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र' की अध्यक्ष सुनीता झंवर व सचिव सुनीता सोडानी के नेतृत्व में मनाया गया। 28 और 29 नवंबर को अमृतसर की दो दिवसीय यात्रा में दुर्गयाना मंदिर व गोविंदगढ़ किले के इतिहास पर 7डी मूवी देखी गई। फिर रात को पंजाब का स्वतंत्रता में योगदान पर 'अविस्मरणीय लाइट एंड साउंड' कार्यक्रम देखा। सुरभि समिति अंतर्गत द्वारका क्षेत्र अध्यक्ष ममता सारडा व सचिव खुशबु चांडक द्वारा 'दीपावली' के उपलक्ष्य में 3 नवंबर को 'दीपावली मिलन समारोह' आयोजित किया गया। अशोक सोमानी, डॉ. एसएन चांडक, श्याम मंत्री, ममता बागड़ी आदि विशेष अतिथि के रूप में पधारे। सुलेखा समिति के अंतर्गत प्रादेशिक स्तर पर 'अष्ठम लेखन प्रतियोगिता का आयोजन व संचारिका समिति के अंतर्गत फेसबुक व व्हाट्सएप पर राष्ट्रीय व प्रादेशिक सभी कार्यक्रमों की सूचनाओं का प्रसारण किया गया। सोष्ठा समिति अंतर्गत उत्तरी क्षेत्र अध्यक्ष रेणु लढा व सचिव पंकज लोहिया द्वारा बच्चों के बीच और बच्चों के साथ चिल्ड्रंस डे मनाया गया। दंत चिकित्सा कैंप नगर निगम उत्तरी क्षेत्र करोलबाग स्कूल में आयोजित हुआ।

मोटिवेशन कार्यक्रम का किया आयोजन

गंगटोक. गत 28 नवंबर को सिक्किम माहेश्वरी सभा व महिला संगठन द्वारा स्थानीय चिंतन भवन में मोटिवेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के पर्यटन मंत्री उजन ग्योस्टो, विशेष अतिथि के रूप में विधायक पिंटस छापेल, मेयर नगर निकाय शक्तिसिंह चौधरी व एडीजीपी अक्षय सचदेवा उपस्थित थे। इस अवसर पर ख्यात मार्गदर्शक वक्ता दिल्ली निवासी डॉ. अमित माहेश्वरी ने अपना उद्‌बोधन दिया। संयुक्त सचिव दिलीप सारडा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि अतिथियों का स्वागत संगठन अध्यक्ष रमेश परवाल ने किया तथा बबीता माहेश्वरी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के गणमान्यजनों के साथ ही कई समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

'जो' दूसरों की खुशी' के लिए
'अपनी हार' मान लेता हो...
उससे 'कोई ' कभी भी नहीं
'जीत' सकता है...!!!''

मोतियाबिंद चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

परभणी. गत 25 नवंबर को वरिष्ठ विधि विशेषज्ञ अशोक सोनी के 67वें जन्मदिन पर स्व. अयोध्याबाई रामनारायणजी तोषनीवाल चैरिटेबल ट्रस्ट जिंतुर एवं राष्ट्रीय नेत्रज्ञ विजन फाउंडेशन ऑफ इंडिया तथा उदयगीर लायंस नेत्र रुग्णालय के संयोजकत्व में निःशुल्क मोतियाबिंद परीक्षण एवं शल्य क्रिया शिविर आयोजित किया गया। इसके उद्‌घाटन पर उपजिलाधिकारी विश्वंभर गावंडे, सत्कार मूर्ति एड. अशोक सोनी, उर्मिला सोनी, ब्रिजगोपाल तोषनीवाल, डॉ. किशोर मंत्री, घनश्याम सोनी, डॉ. विनोद मंत्री, डॉ. राजगोपाल कालाणी, जिलाध्यक्ष जयप्रकाश भंडारा, नेत्रज्ञ प्रीतम सरकटे, पुरुषोत्तम धूत, गोविंद अजमेरा, ओम डागा, शिवप्रसाद राठी, डॉ. भक्कड़, डॉ. चांडक, प्रमोद सोनी आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे। उदगीर के डॉ. सरकटे ने 130 रोगियों की जांचकर रोगियों को शल्य क्रिया के लिए उदगीर रवाना किया। सरोज गट्टाणी ने आभार व्यक्त किया।

गौशालाओं को नहीं मिला अनुदान

भीलवाड़ा. पिछले चुनाव में सरकार ने गौ-संरक्षण के लिए घोषणा-पत्र में 15 बिंदु शामिल कर चुनाव जीतकर सरकार तो बना ली, लेकिन प्रदेश की गौ-शालाओं को प्रत्येक वर्ष 9 माह अनुदान देने का वादा अधूरा ही रहा। उक्त आरोप लगाते हुए पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने कहा कि नेता चाहे किसी भी दल के हों, वोट मांगते समय किए वादे भूल जाते हैं। गत 5 वर्षों में 45 माह के बजाय 6 माह का अनुदान ही गोशालाओं में पल रही गायों के लिए दिया, जो राजनेताओं की कथनी और करनी में अंतर को दर्शाता है। साथ ही गायों के नाम पर गो-सेस लगाकर स्टाम्प ड्यूटी पर करोड़ों रुपए वसूलकर भी गोशालाओं को वादे के अनुसार अनुदान नहीं देते हुए मात्र गो-मंत्रालय खोलकर वादों की इतिश्री कर ली। संस्था के पदाधिकारी मुकेश अजमेरा, रामनिवास लड्ढा, दिलीप गोयल, सुनील पोरवाल, ओम सोनी, रामपाल दरक, सुरेश सुराणा आदि ने प्रदर्शन कर वादे पूरे करने की मांग की।

दीपावली मिलन का हुआ आयोजन

रायपुर. माहेश्वरी सभा रायपुर का दीपावली मिलन कार्यक्रम स्थानीय माहेश्वरी भवन डूंडा में संपन्न हुआ। सभा के अध्यक्ष विजयकुमार दम्मानी, छग प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सचिव नारायण राठी एवं सभा के वरिष्ठ सदस्य एवं छग शासन के राज्यमंत्री छगन मूंदड़ा, रायपुर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष प्रकाश माहेश्वरी, छग प्रादेशिक सभा के संगठन मंत्री राजकुमार राठी, सुरेश मूंधड़ा, गोपाल बजाज, गोपाललाल राठी, डॉ. एमएल राठी, ज्योति राठी, प्रतिभा नत्थानी, मधुरिका नत्थानी, महिला समिति अध्यक्ष संगीता चांडक, युवा मंडल अध्यक्ष संजय हरनारायण मोहता एवं रायपुर शहर की तीनों माहेश्वरी सभाओं के माहेश्वरी बंधुओं की उपस्थिति सराहनीय रही। सभी सदस्याओं का इसमें सहयोग रहा।

अभिनंदन समारोह का किया आयोजन

चेन्नई. गत 2 दिसंबर को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष कल्पना गगडानी, दक्षिणांचल उपाध्यक्ष शैला कलंत्री व संयुक्त मंत्री प्रकाश मूंधड़ा तमिलनाडु भ्रमण के दौरान चेन्नई आईं। उनका अभिनंदन समारोह श्री माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा श्री माहेश्वरी भवन में रखा गया। तमिलनाडु-केरल-पांडिचेरी प्रादेशिक अध्यक्ष पुष्पलता झंवर व सचिव सुनीता बिसानी, दक्षिणांचल राष्ट्रीय संयोजका (सुगंधा समिति) नीलम सारडा, महिला उद्योग की मंत्री शकुंतला मोहता, माहेश्वरी सभा अध्यक्ष प्रमोद मालपानी एवं अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा कार्यकारिणी सदस्य चंद्रप्रकाश मालपानी आदि उपस्थित थे। श्रीमती गगडानी ने अपने उद्बोधन में संगठन की शक्ति एवं उनके कार्य को किस प्रकार कार्यवृत्त करें, उस पर प्रकाश डाला। सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान हल्दी कुमकुम लगाकर, स्टॉल और स्मृति चिह्न भेंटकर किया गया। कार्यक्रम का संचालन राखी मूंधड़ा ने किया। कार्यक्रम की संयोजिका बीना मूंधड़ा व शिवानी मूंधड़ा थीं।

मूंदड़ा ने दिया इस्तीफा

रायपुर. सीएसआईडीसी अध्यक्ष श्री छगनलाल मूंदड़ा ने उद्योग भवन स्थित सभागार में एमडी अरुणप्रसाद एवं समस्त अधिकारियों के समक्ष अपना इस्तीफा सौंपा। श्री मूंदड़ा ने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को सर्वाधिक तीव्र गति से विकसित होते राज्य की श्रेणी में लाकर खड़ा करने के लिए डॉ. सिंह एवं उनके योगदान को जनता हमेशा याद करेगी। साथ ही श्री मूंदड़ा ने समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को अपने कार्यकाल के दौरान सहयोग हेतु धन्यवाद दिया। अधिकारियों द्वारा श्री मूंदड़ा का प्रतीक चिह्न देकर सम्मान किया गया।

लोगों ने मुझे बताया था कि ...
वक्त बदल जाता है। और
वक्त ने मुझे बताया कि ....
लोग भी बदल जाते हैं।

कार्तिक मास उत्सव का हुआ आयोजन

रायपुर (छग). प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री गोपाल मंदिर ट्रस्ट जयपुर एवं माहेश्वरी सभा रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में पवित्र कार्तिक मास के उत्सव धूमधाम से मनाए गए। माहेश्वरी सभा के महामंत्री सुरेशकुमार बगाड़ी ने बताया कि प्रतिदिन प्रातः मंगला आरती के बाद गोपाल मंदिर सदर बाजार से प्रभातफेरी निकाली गई। समापन शोभायात्रा 23 नवंबर को भव्य धूमधाम से निकाली गई। जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया व युगल स्वरूप की पूजा अर्चना की गई। 14 नवंबर को भव्य अन्नकूट, 19 को तुलसी विवाह उत्सव एवं 23 नवंबर को देव दीपावली (पूर्णिमा) इत्यादि उत्सव मनाए गए। शोभायात्रा में छगन मूंदड़ा (राज्यमंत्री छग शासन), ज्योति राठी (अभा महिला मंडल उपाध्यक्ष), विजयकुमार दम्मानी उपाध्यक्ष छग प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, राजकुमार चितलांग्या, संपत काबरा, गोवर्धन झंवर, ऋषभ लोया, बद्रीदास झंवर, शिवरतन सादानी, सुरेशकुमार बागड़ी, कमल राठी, संजय हरनारायण मोहता आदि उपस्थित थे।

संयुक्त परिवार पर कार्यशाला संपन्न

परभणी. जिला माहेश्वरी महिला संगठन एवं परभणी तालुका माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा कार्यशाला मोती एक धागे के का आयोजन हुआ। इसमें संयुक्त परिवार के लिए चुनौतियां तथा समाधान इफेक्टिव पैरेंटिंग बच्चों के जन्म से लेकर युवा अवस्था तक, माता-पिता का उनके प्रति कर्तव्य, भूमिका और व्यवहार कैसा होना चाहिए आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। इसमें मार्गदर्शन रमेश परतानी हैदराबाद द्वारा दिया गया। प्रमुख अतिथि के रूप में महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा के संगठन मंत्री ब्रिजगोपाल तोषणीवाल, अभा माहेश्वरी सभा के कार्यकारी मंडल सदस्य अशोक सोनी, डॉ. विवेक नावंदर, डॉ. किशोर मंत्री, जिलाध्यक्ष जयप्रकाश भंडारी, पुरुषोत्तम धूत, महिला जिलाध्यक्ष सरोज गट्टाणी, डॉ. जयश्री कालानी, डॉ. स्नेहा सोमाणी, नंदा भक्कड़, रेखा मंत्री आदि उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन विद्या डागा ने किया। श्री परतानी का परिचय योगिता दाड़ ने दिया। आभार प्रदर्शन डॉ. अनिता नावंदर ने माना।

योग शिविर का हुआ आयोजन

कोलकाता. मानव सेवा संघ द्वारा त्रिदिवसीय योग शिविर गत 17 से 19 दिसंबर तक मानस सेवा ट्रस्ट भवन में आयोजित किया गया। शिविर ऋषिकेश से आए हुए संत योगाचार्य श्री हरि के नेतृत्व में संपन्न हुआ। आयोजन में अध्यक्ष जगदीशचंद्र एन. मूंधड़ा, प्रधान सचिव कृष्णकुमार सर्राफ, कोषाध्यक्ष हरिनारायण राठी, ट्रस्टी अमित मूंधड़ा व ट्रस्टी महेशकुमार के अलावा सुप्रसिद्ध उद्योगपति जुगलकिशोर गुप्ता, रामकरण गुप्ता आदि का सराहनीय योगदान रहा।

कल्पना के साथ- साथ प्रयास अवश्य किया जाना चाहिए।
सीढ़ियों को देखते रहना ही पर्याप्त नहीं है सीढ़ियों पर चढ़ना आवश्यक है

पुरुलिया महिला समिति ने मनाई रजत जयंती

पुरुलिया. माहेश्वरी महिला समिति (अंतर्गत-पश्चिम बंगाल माहेश्वरी महिला संगठन) के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गत 16 दिसंबर को अध्यक्ष कुसुम मल्ल और सचिव अनुराधा कोठारी के नेतृत्व में पुरुलिया में एक दिवसीय रजत जयंती समारोह मनाया गया। समिति संपादक जयश्री सारडा ने बताया कि उद्घाटन समारोह, प्रदेश कार्यकारिणी एवं पूर्वांचल कार्यसमिति की बैठक, प्रतिभा सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि प्रस्तुत किए गए। साथ ही माहेश्वरी नवयुवति संगठन का गठन हुआ। प्रतिभा सम्मान बैंगलोर-पुरुलिया निवासी सुशीला लोहिया और सुपुत्र बिमल लोहिया द्वारा 50 बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यकारिणी और कार्यसमिति बैठक में विशिष्ठ अतिथि के रूप में अध्यक्ष इंदिरा गांधी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा सादानी, पूर्वांचल उपाध्यक्ष सरला काबरा, पूर्वांचल संयुक्त मंत्री मंजू कोठारी, प्रदेशाध्यक्ष नीलम भट्टड़, प्रदेश सभा सचिव अरुण कल्याणी, प्रदेश सभा उपाध्यक्ष पवन लाखोटिया, प्रदेश सचिव कुसुम मल्ल आदि उपस्थित रहे। अगले दिन 17 दिसंबर को पूर्वांचल का पर्यटन भ्रमण आयोजित किया गया। इसमें कुशल पल्ली में खेलों का भी सभी ने आनंद लिया।

उद्यम के लिए पिता-पुत्र सम्मानित

संगमनेर. उद्यम श्री गजानन फूड प्रॉडक्ट्स ने 4 से 7 जनवरी 2019 को जोधपुर में होने वाले इंटरनेशनल बिजनेस एक्स्पो में सम्मिलित होने का निर्णय लिया है। अहमदनगर जिले से एक्स्पो में सम्मिलित होने वाला यह एकमात्र उद्योग है। इस हेतु माहेश्वरी समाज के विविध संगठनों द्वारा इस उद्योग को घरेलू से अंतरराष्ट्रीय बनाने वाले पिता-पुत्र रमेश तथा संदीप कासट को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महासभा कार्यकारिणी सदस्य डॉ. शशिकांत पोफळे, प्रदेश जनसंपर्क मंत्री मनीष मणियार, अहमदनगर जिला मानद मंत्री अजय जाजू, संगमनेर तहसील अध्यक्ष श्रीकांत मणियार, मंत्री सतीश बाहेती आदि मौजूद थे। बसंत मणियार ने उद्योग की प्रगति पर प्रकाश डाला।

जरूरतमंदों को बांटे कंबल

उज्जैन. माहेश्वरी सभा महिला मंडल उज्जैन ने गत 21 दिसंबर को रात 11 बजे 5 डिग्री वाली ठंड में ठिठुरते एवम दिव्यांग लोगों को कंबल बांटे। यह सेवा कार्य रामघाट, महाकालेश्वर और हरसिद्धि, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड आदि जगहों पर किए गए। संस्था अध्यक्ष पुष्पा मंत्री, सचिव संगीता भूतड़ा, गीता तोतला, रमा लड्ढा, उषा सोडानी एवम ज्योति राठी आदि मौजूद थीं।

महिला संगठन आपके द्वार

परभणी. महिलाओं में चेतना की लहर उत्पन्न करने के लिए परभणी जिला माहेश्वरी सभा के साथ महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा संगठन आपके द्वार अंतर्गत परभणी जिला का भ्रमण किया गया। महाराष्ट्र प्रदेश महिला माहेश्वरी संगठन की अध्यक्ष ज्योत्सना लाहोटी, मराठवाड़ा विभाग की उपाध्यक्षा मंगला भंडारी व संयुक्त मंत्री सूर्यमाला मालाणी द्वारा जिला भ्रमण अंतर्गत गंगाखेड़, पाथ्री, मानवत, सेलू, जिंतूर, बोरी, परभणी आदि तालुकों का भ्रमण किया गया। इसमें शृंखलाबद्ध संगठन, बेटी बचाव, बेटी ब्याहो बहू पढ़ाओ, संगठन की कार्यपद्धति, समाज की घटती संख्या, अंतरजातीय विवाह, विवाह के बाद बेटी के परिवार में मां की दखलंदाजी विषयों पर चर्चा की गई। गट्टानी एवं सचिव डॉ. जयश्री कालाणी, डॉ. अनिता नावंदर, किरण चांडक आदि ने पूर्ण योगदान दिया।

जिन्दगी भर कितना भी धन - धन कर लो पर मरने के बाद शोक पत्रिका में निधन ही लिखा जाएगा। कड़वा है पर सच यही है..

युवा संघ ने किया मैराथन का आयोजन

बैंगलोर. माहेश्वरी युवा संघ द्वारा गत 16 दिसंबर को क्यूबोन पार्क में सुबह 6.30 बजे मैराथन का आयोजन किया गया। इसमें 320 प्रतिभागियों ने भाग लिया। तीन वर्ग में 5 किमी से कम, 2.5 किमी और पैदल चाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जुंबा के साथ हुई राजगोपालजी भूतड़ा, बद्रीनारायण भंडारी ने 5 किमी का फ्लैग ऑफ किया। अनिल सारडा ने 2.5 किमी का फ्लैग ऑफ किया। नंदकिशोरजी राठी ने पैदल चाल का फ्लैग ऑफ किया। आरुज माहेश्वरी, वरुण माहेश्वरी, अशोक तोषनीवाल, श्रद्धा सारडा, सरोज कासट, शिल्पा लड्ढा, सागर माहेश्वरी, ओमप्रकाशजी लड्ढा, प्रांशु राठी, रीचा न्याती, सुनीता मूंधड़ा, रिद्दिमा जाजू, नम्रता मालू, उर्मिला रानदर, आनंद साबू, नवलकिशोरी मालू ने पुरस्कार जीते। माहेश्वरी युवा संघ के सभी अरविंद लोया, विजय बंग, अंकित लोहिया, धीरज काबरा, रविकांत राठी, अमित माहेश्वरी, प्रतीक हेड़ा, प्रतीक लोहिया, सुमित अजमेरा, अभिनव सोमानी, अंकिता बंग, प्रियंका शारदा आदि का योगदान रहा।

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ दीपावली मिलन

अमृतसर. माहेश्वरी सभा अमृतसर द्वारा दीपावली मिलन 2018 का आयोजन बड़ी धूमधाम से स्थानीय कमल पैलेस में गत दिनों किया गया। अध्यक्ष हर्षवर्धन बिड़ला ने उपाध्यक्ष पवन साबू, राधेश्याम साबू, कमल कोठारी, विनोद राठी, रमेश गांधी, जुगल झँवर, प्रदीप बाहेती, नरेश काकाणी व समाज के वरिष्ठ सदस्यों की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन कर रंगारंग कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। महिमा झँवर ने अभिनंदन पत्र पढ़कर अतिथियों का अभिवादन किया। रेखा बिहाणी व नेहा कोठारी ने बच्चों के नृत्य, गायन व गिटार वादन के कार्यक्रम प्रस्तुत करवाए। श्वेता साबू ने आए हुए मेहमानों को हौजी गेम खेलाया और जीतने वालों को पुरस्कार दिए गए। लकी ड्रॉ में कई इनाम भी जीते। बंपर ड्रॉ के विजेता पंकज मालू को माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष अरुणा बिड़ला ने इनाम में कारवाँ म्यूजिक सिस्टम भेंट किया। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं, पुरुषों व बच्चों ने डांडिया नृत्य किया। मंच संचालन सचिव महेश झंवर ने किया। इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्यों राजवर्धन बिहाणी, विनोद राठी, कनिष्क कोठारी, ललित बंग, पुनीत मूंधड़ा, प्रकाश झँवर, कोषाध्यक्ष विमल साबू व सचिव महेश झंवर, मुकुंद झंवर आदि का सक्रिय योगदान रहा।

नवनिर्वाचित विधायक का किया सम्मान

बूंदी. बूंदी विधानसभा क्षेत्र से नाबाद जीत की हैट्रिक लगाने वाले नवनिर्वाचित विधायक अशोक डोगरा का माहेश्वरी पंचायत संस्थान अध्यक्ष जगदीश जैथलिया के नेतृत्व में फूलमाला पहनाकर व स्मृति चिह्न भेंटकर अभिनंदन किया गया। इस दौरान पंचायत सचिव विजेंद्र माहेश्वरी, जिला माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष रेवतीरमन बिरला, महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड अध्यक्ष संजय लाठी, सचिव नारायण मंडोवरा, युवा संगठन जिलाध्यक्ष नरेश लाठी, पंचायत कोषाध्यक्ष द्वारका जाजू, जगदीश लड्ढा, विनोद मंत्री, मनोज मंडोवरा, दिनेश लखोटिया आदि मौजूद थे। उक्त जानकारी नारायण मंडोवरा, प्रचार मंत्री श्री माहेश्वरी पंचायत संस्थान बूंदी ने दी।

अंक ज्योतिष मार्गदर्शन शिविर का आयोजन

मालेगांव. महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 8 दिसंबर को अंकजोतिषी पिंकी मेहता को आमंत्रित किया गया। जन्म तारीख से जुड़े व्यक्ति के स्वभाव, अपनी साईन से भी अपने जीवन में बदलाव आदि के साथ उन्होंने पढ़ाई की सही दिशा, बिजनेस कौनसा करें तथा बिजनेस फर्म का नाम इन सभी बातों का समाधान टेरो कार्ड द्वारा किया। मंडल अध्यक्ष सरिता बाहेती ने अतिथि पिंकी मेहता व उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। वंदना जाजू ने सभी आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में 47 सखियां उपस्थित थीं। शमा जाजू, बीना भंडारी, कमला एस. बडाले, रत्ना लड्ढा, अंजु दरक, कृष्णा जाखोटिया आदि का आभार वंदना जाजू ने माना।

**जीवन में बुराई अवश्य हो सकती हैं,
मगर जीवन बुरा कदापि नहीं हो सकता,
जीवन एक अवसर हैं-
श्रेष्ठ बनने का, श्रेष्ठ करने का, श्रेष्ठ पाने का,**

सामूहिक गठबंधन दिवस का किया आयोजन

मालेगांव. महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल मालेगांव द्वारा 10 दिसंबर को सामूहिक गठबंधन दिवस मनाया गया। मंडल की तरफ से प्रत्येक सदस्य के वैवाहिक गठबंधन दिन पर उनके घर जाकर शुभकामनाएं दी जाती हैं। उन्होंने प्रोजेक्ट के तहत 7 जोड़ों ने वर्षगांठ की पार्टी बाकी थी वो भी और जिनकी दिसंबर में थी उन्होंने भी इसमें शामिल होकर यह अवसर एक साथ मनाया। पूरे मंडल सदस्यों ने एक परिवार बनकर सभी जोड़ों की अंगूठी रस्म व वरमाला करवाई। मंगलाष्टक भी हुऐ। विविध गेम, गाना बजाना, हंसी ठिठोली के साथ भोजन किया। मंडल को बधाई के तौर पर बिछानेवाली दरी भेंट की गई। मंडल अध्यक्ष सरिता बाहेती ने बताया कि शमा जाजू, बीना भंडारी, सरिता बाहेती, इंदू जाजू, सीमा राठी, आनिता कंलत्री, सरस्वती झंवर आदि ने मिलकर मंडल के पूरे सदस्यों को पार्टी दी। व्यवस्था वंदना जाजू, सरला सारडा, सोनल काला आदि की टीम ने व्यवस्था संभाली।

औद्योगिक भ्रमण का हुआ आयोजन

कोलकाता. माहेश्वरी औद्योगिक शिक्षण केंद्र (अंतर्गत माहेश्वरी सभा) द्वारा गणेश ग्रेन्स लिमिटेड की दुल्हागढ़ स्थित फ्लोर मिल में औद्योगिक भ्रमण व विंटर कार्निवल का आयोजन किया गया। इसमें माहेश्वरी सभा के सभापति एवं प्रसिद्ध उद्योगपति पुरुषोत्तम मिमानी ने संबोधित करते हुए कहा कि अन्न देवता हैं, जूठन थाली में ना छोड़ें। उन्होंने गेहूं को प्रोसेस करके आटा, दलिया, मैदा इत्यादि बनाने की प्रक्रिया को विस्तापूर्वक समझाया और पूरे मिल का भ्रमण करवाया। सभापति डी.के. मोहता ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि औद्योगिक भ्रमण सिर्फ एक भ्रमण ही नहीं बल्कि समाज के युवाओं को उद्यमी बनाने में सहयोगी एवं प्रेरणादायक भी है। मंत्री अरुणकुमार सोनी ने माहेश्वरी औद्योगिक शिक्षण केंद्र के विभिन्न औद्योगिक कार्यक्रमों का विस्तार से वर्णन किया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक पंचानन भट्टड़ ने कार्यक्रम का संचालन किया। सहसंयोजक आदित्य बिनानी ने धन्यवाद ज्ञापित दिया। संतोष मोहता, अभिषेक राठी, प्रेमलता सोनी एवं सुषमा राठी ने कार्यक्रम पर अपने उद्गार व्यक्त किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में पवन बिहानी का विशेष सहयोग रहा।

एक करंची मोलाची प्रोजेक्ट

मालेगांव. महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल मालेगांव द्वारा 'एक करंजी मोलाची प्रोजेक्ट' स्लम बस्ती में जाकर किया। बच्चों व बड़ों ने दिवाली की खुशियां व दिवाली छुट्टियों अनुभव बांटे। सभी को करंजी, बूंदी के लड्डू, चिवड़ा, चकली आदिका वितरण किया गया। मंडल के सभी सदस्यों का सहयोग मिला। मंडल अध्यक्ष सरिता बाहेती का मार्गदर्शन रहा। बीना भंडारी ने सभी का आभार माना।

बाल दिवस पर हुआ आयोजन

मेरठ. माहेश्वरी महिला मंडल मेरठ द्वारा गत 14 नवंबर को सेठ बी.के. माहेश्वरी स्कूल में बच्चों के साथ चिल्ड्रेन्स डे मनाया गया। देश के पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की फोटो पर माल्यार्पण महिला मंडल की अध्यक्ष मधु डांगरा द्वारा किया गया। मंच का संचालन पूनम माहेश्वरी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सेठ बी.के. माहेश्वरी की प्रिंसिपल दुर्गेश माहेश्वरी, वाइस प्रिंसिपल सुषमा जी व पूनम माहेश्वरी और सभी अध्यापिकाओं का योगदान रहा। महिला मंडल की अध्यक्ष मधु डांगरा ने कविता वाचन कर सभी का धन्यवाद दिया। मधु, आशा, लता, प्रगति, राज, रचना, अन्नू, रेखा, मीनाक्षी, सुनील, रेनु, मीना, जनक, मंजू, गीतांजलि, रानू, अंजू, वंदना आदि सदस्याओं का सहयोग रहा।

कल्पना के साथ साथ
प्रयास अवश्य किया जाना चाहिए।
सीढ़ियों को देखते रहना ही पर्याप्त नहीं है
सीढ़ियों पर चढ़ना आवश्यक है

माहेश्वरी खेल महोत्सव का शुभारंभ

वरंगल. स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा महेश नवमी 2019 के उपलक्ष्य पर माहेश्वरी युवा संगठन के नेतृत्व में 'एलआईसी माहेश्वरी खेल महोत्सव' का शुभारंभ गत 16 दिसंबर को स्थानीय काकतिया मेडिकल कॉलेज के खेल मैदान में आयोजित क्रिकेट मैच से किया गया। मुख्य अतिथि ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. रामकुमार रेड्डी एवं काकतिया मेडिकल कॉलेज के फिजिकल डायरेक्टर डॉ. प्रभाकर रेड्डी थे। यह खेल महोत्सव लगभग 60 दिनों तक चलेगा। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष संपतकुमार लाहोटी ने युवा संगठन को इस खेल महोत्सव को आयोजित करने की जिम्मेदारी लेने पर शुभकामनाएं दीं। माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष संदीप मूंदड़ा, मंत्री प्रतीक लाहोटी, जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री बृजगोपाल लाहोटी, प्रादेशिक उपाध्यक्ष गोपीकिशन लाहोटी, माहेश्वरी समाज के निवर्तमान अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, माहेश्वरी समाज के उपाध्यक्ष श्यामसुंदर जाखोटिया, नवलकिशोर मूंदड़ा, मंत्री नवलकिशोर मणियार, सहमंत्री डॉ. विष्णुकुमार बल्दवा, जितेंद्र मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष रामकिशोर मणियार सहित माहेश्वरी युवा संगठन के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य और समाज के गणमान्य सदस्य काफी संख्या में मौजूद थे। जानकारी खेल महोत्सव के संयोजक मुकेश बंग एवं विशाल सोनी ने दी।

स्व. रामदयालजी हेड़ा स्मृति कप प्रतियोगिता का आयोजन

नडियाद. माहेश्वरी युवा संगठन नडियाद के संयोजन में अखिल गुजरात माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा राज्यस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता स्व. रामदयालजी हेड़ा स्मृति कप का आयोजन होगा। आगामी 11 से 13 जनवरी 2019 को आयोजित इस राज्यस्तरीय स्पर्धा में क्रिकेट, वॉलीबाल एवं कबड्डी की प्रतियोगिता (टूर्नामेंट) नडियाद में रखी गई है। इसमें लगभग 24 टीम क्रिकेट की, 10 टीम वालीबॉल और कबड्डी की टीमें भाग लेंगी। कार्यक्रम के अंतर्गत 11 जनवरी 2019 को रात्रि में संगीत संध्या का कार्यक्रम रखा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस स्पर्धा में पूरे गुजरात प्रदेश के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इसके लिए क्रमबद्ध स्पर्धाओं का सतत आयोजन हो रहा है। स्थानीय व जिला स्तर पर विजेता टीम राज्यस्तरीय इस स्पर्धा में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। विजेता व उपविजेता टीमों को पुरस्कृत तो किया ही जाएगा, साथ ही इससे भविष्य में होने वाली राष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए उत्कृष्ट खिलाड़ी भी तैयार होंगे।

जीते जी
इंसान की प्यास कभी
नही बुझती...!
इसलिए
अस्थियां नदी में बहाई जाती हैं..

गट्टानी बनीं किचन क्वीन

नागपुर. त्रिनयन माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आयोजित किचन क्वीन प्रतियोगिता में अर्चना गट्टानी ने सबसे ज्यादा प्रश्नों के उत्तर देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस मनोरंजक प्रतियोगिता का आयोजन बड़े ही अनोखे अंदाज में किया गया। इस प्रतियोगिता में करीब 55 महिलाओं ने भाग लिया। अध्यक्ष शारदा चांडक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। संयोजिका सुषमा चांडक तथा उषा कोठारी ने कार्यक्रम का संचालन किया। प्रतियोगिता के बाद विविधा कुकिंग क्लासेस की संचालिका पूनम राठी ने स्वादिष्ट तथा झटपट पौष्टिक व्यंजन बनाने की विधियां सिखाईं। आभार प्रदर्शन सचिव नीलिमा लोया ने किया। कंचन चांडक, आशा सारडा, सुषमा डांगरा, मीरा मालपानी, सुमन पचीसिया, विद्या राठी, रेखा राठी, उषा चांडक, सरला चांडक व सभी सदस्याएं मौजूद थीं।

काबरा हुए सम्मानित

जयपुर. सुप्रसिद्ध कवि/व्यंग्य लेखक एवं माहेश्वरी रत्न की उपाधि से सम्मानित, समाजबंधु सुभाष काबरा को गत 13 दिसंबर को उज्जैन में आयोजित एक समारोह में विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ द्वारा सुदीर्घ हिंदी सेवा हेतु 'विद्यासागर' की मानद उपाधि से सम्मानित किया। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

सुंदरकांड पाठ व अन्नकूट का आयोजन

अमृतसर. श्री माहेश्वरी मित्र मंडल द्वारा सुंदरकांड पाठ व अन्नकूट महोत्सव का आयोजन सरला-केदारदास बूब के निवास स्थान पर किया गया। माहेश्वरी महिलाएं व सदस्य तथा मारवाड़ी समाज के लोग उपस्थित हुए थे। जानकारी राधेश्याम साबू ने दी।

माहेश्वरी को ऊर्जा संरक्षण अवॉर्ड

जोधपुर. राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2018 का ऊर्जा रिकोग्निशन अवॉर्ड व्यक्तिगत श्रेणी में जयपुर में आयोजित समारोह में इंजीनियर ओमप्रकाश माहेश्वरी को प्रदान किया गया। राज्यस्तरीय यह पुरस्कार तीन वर्ष में एक बार ही प्रदान किया जाता है। श्री माहेश्वरी इस हेतु वर्ष 2008, 2011, 2014 में भी अवॉर्ड प्राप्त कर चुके हैं। फ्यूज सीएफएल से एलईडी बल्ब सर्वप्रथम पूरे भारत में उन्होंने वर्ष 2002 में बनाया था। इस बल्ब में सुधार के बाद प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2014 में जन-जन तक इसे पहुंचा दिया। इससे देश में करोड़ों यूनिट बिजली की बचत हो रही है। उन्होंने नई पुस्तक 'पानी-बिजली बचत जन जागृति' के 288 पृष्ठ में ऐसे कई सुझावों को देश हित में दर्शाया है। ऐसे ही उनका एलईडी बल्ब की तरह टबमय पाटा भी घर घर पहुंचेगा, जिससे देश में आने वाले समय में पानी का पुनः उपयोग और बिजली की बचत होगी। जन-जन को जागृत करने के लिए विभिन्न अखबारों, पत्रिकाओं में 150 से अधिक उनके सुझाव, लेखों के साथ चार पुस्तकों का प्रकाशन भी हो चुका है। वर्तमान में श्री माहेश्वरी बिजली विभाग के एसई पद से सेवानिवृत्ति हो गए हैं और लेखन एवं शोध कार्य में व्यस्त हैं।

गरीब कन्या का करवाया विवाह

इंदौर. तुलसी विवाह के माध्यम से धर्म के प्रति कृतज्ञ होते हुए डीडवाना महिला मंडल 140 घर थोक एवं मेवाड़ा महिला मंडल द्वारा संस्था अध्यक्ष वीणा सोनी व रेखा लाहोटी, सचिव आशा सिंगी तथा अर्चना मोदानी के नेतृत्व में एक गरीब कन्या के विवाह का संकल्प लिया गया। उपाध्यक्ष सुषमा मालू ने बताया कि बारात चल समारोह गुमास्ता मार्ग से होते हुए शिव मंदिर प्रांगण पहुंचा। यहां संयोजक मधु सोनी, पूजा मूंदड़ा, ज्योति झंवर व निर्मला कासट ने विधिपूर्वक इस कार्यक्रम को संपन्न किया। प्रचार सचिव सुधा मालू ने सभी अतिथियों का आभार माना।

महेश सोसायटी की कार्यकारिणी गठित

उदयपुर. महेश सोसायटी एवं महेश महिला सोसायटी (माहेश्वरी समाज) का शपथ ग्रहण समारोह गत दिनों महावीर विद्या मंदिर सेक्टर 13 में संपन्न हुआ। प्रचार प्रसार मंत्री गौतम सोमानी ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि राजेंद्र मंत्री व विशिष्ठ अतिथि वरुण परतानी थे। महेश सोसायटी एवं महेश महिला सोसायटी के अध्यक्ष कैलाश कालानी व नीलम पेड़ीवाल, सचिव बृजगोपाल माहेश्वरी व सुनीता राठी, कोषाध्यक्ष दिनेश मूथा व दीक्षा मंत्री, उपाध्यक्ष रमेशचंद्र मूंदड़ा, नरेंद्र लावटी, उर्मिला देपुरा, पूनम भदादा व शोभा कालानी, संयुक्त सचिव प्रशांत लाहोटी व कविता जागोटिया, संगठन मंत्री मुकेश मूंदड़ा व राजकुमारी धुप्पड़, आयोजन मंत्री अरुण मूंदड़ा, दिनेशचंद्र तोषनीवाल, सांस्कृतिक मंत्री राकेश लड्ढा व मंजू लाहोटी, खेल मंत्री मदनगोपाल लावटी व किरण मंडोवरा, प्रचार प्रसार मंत्री गौतम सोमानी व आराधना सोमानी, सूचना संकलन मंत्री निर्मल राठी के साथ कार्यकारिणी सदस्य-सदस्याओं ने भी पद की शपथ ग्रहण की।

करवा सवाई जयपुर अवार्ड 2018 से सम्मानित

संगरिया. जिला माहेश्वरी सभा उपाध्यक्ष व पत्रकार कृष्णकुमार करवा व राजकुमारी करवा के पुत्र गौरव करवा को जयपुर राजपरिवार द्वारा आयोजित सवाई जयपुर अवार्ड 2018 में स्टार्टअप वर्ग में सम्मानित किया गया। महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय म्युजियम ट्रस्ट द्वारा जयपुर के सिटी पैलेस में आयोजित इस कार्यक्रम में जयपुर की महारानी पद्मिनी देवी व विधायक राजकुमारी दीया कुमारी द्वारा स्टार्टअप बीपीके सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर गौरव करवा को 31 हजार रुपए, रजत कलश, प्रमाण-पत्र, शॉल व श्रीफल से सम्मानित किया गया। श्री करवा ने बताया उन्हें यह पुरस्कार बीक्स 42 एप के लिए प्रदान किया गया। उनकी इस एप के माध्यम से छोटे दुकानदारों के भुगतान कार्य को व्यवस्थित करने का कार्य किया जा सकता है।

'समय का उपयोग करके
बहुत सा धन कमाया जा सकता है,
लेकिन धन का उपयोग करके
एक पल भी नहीं बढ़ाया जा सकता।
अतः समय का सही उपयोग करना सीखो।'

राष्ट्रीय निशानेबाजी में सजल को कांस्य

इंदौर. एमरालड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल इंदौर की अत्याधुनिक शूटिंग रेंज में 64वीं राष्ट्रीय शालेय निशानेबाजी स्पर्धा का समापन गत 19 दिसंबर को हुआ। एसजीएफआई की राष्ट्रीय स्पर्धा के ओपन साइट अंडर 17 एयर राइफल वर्ग में, इसी स्कूल के छात्र सजल सिंगी (पौत्र- गोपालदास सिंगी) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि इस स्पर्धा में सफल खिलाड़ियों को खेलो इंडिया योजना का लाभ मिलेगा।

समीक्षा बनीं राष्ट्रीय चैंपियन

नागपुर. 45वीं सबजूनियर राष्ट्रीय बास्केटबॉल स्पर्धा 12 से 18 नवंबर तक कांगड़ा हिमाचल प्रदेश में आयोजित की गई। इसमें महाराष्ट्र राज्य की टीम में नागपुर शहर से तीन बेटियों का चयन किया गया। इनमें समीक्षा चांडक भी शामिल थीं। खेल के दौरान समीक्षा डिफेंसिव व ऑफेंसिव दोनों पोजिशन से खेलती रही व उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए महाराष्ट्र राज्य की टीम को अखिल भारतीय स्तर पर बास्केटबॉल चैंपियनशिप में जीत दिलाने में कामयाब रही। 18 साल बाद महाराष्ट्र ने ये जीत हासिल की है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सभी खिलाड़ियों को इस जीत पर बधाई दी। उल्लेखनीय है कि समीक्षा समाज के वरिष्ठ घनश्यामदास चांडक व सरोज चांडक की पोती, तथा स्वप्निल व स्नेहल चांडक की सुपुत्री हैं।

अबेकस फ्रेंचाइजी मूंदड़ा सम्मानित

मैनपुरी. जिग्सा अबेकस द्वारा राजधानी दिल्ली में आयोजित अबेकस प्रतियोगिता के फाइनल राउंड में जनपद मैनपुरी के बच्चों का दबदबा रहा। नेशनल स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में बच्चों ने मैनपुरी जनपद का नाम पूरे देश में गौरवान्वित किया। इसके लिए जनपद की फ्रेंचाइजी हेड दिव्या मूंदड़ा को भी एक्सीलेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इनकी संस्था के सक्षम जैन ने इसमें जॉ एडवांस में प्रथम, जॉ बेसिक में शौर्यवर्धन ने द्वितीय तथा जका बेसिक कैटेगरी में सर्वाग्य जैन ने प्रथम व अनन्या सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना में साक्षी

गुना. शहर की होनहार छात्रा साक्षी राठी ने राष्ट्रीय स्तर की किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाय) में ऑल इंडिया में द्वितीय स्थान प्राप्त कर गुना शहर व माहेश्वरी समाज का नाम रोशन किया है। साक्षी शहर के व्यवसायी संजय राठी की सुपुत्री हैं। किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाय) मूलभूत विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षावृत्ति का एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जिसकी पहल वित्त पोषण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा मूलभूत विज्ञान के अनुसंधान की दिशा में कॅरियर जारी रखने के इच्छुक असाधारण रूप से अभिप्रेरित विद्यार्थियों को आकर्षित करने के लिए की गई है। इसके तहत चयनित प्रतिभागियों को पूर्व पीएचडी स्तरों तक शिक्षावृत्ति प्रदान की जाती है। इससे पहले भी साक्षी द्वारा बनाया गया प्रोजेक्ट राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित एक स्पर्धा में चयनित हो चुका है।

स्मृति बागड़ी का नाम गिनीज बुक में दर्ज

चेन्नई. स्मृति बागड़ी ने यूलर्स नं. 2500 डेसिमल तक याद रखा 2000 डेसिमल तक का रिकॉर्ड तोड़कर एक न्या इतिहास रचा है। स्मृति चेन्नई निवासी उद्योगपति चंद्रशेखर व रंजना बागड़ी की सुपुत्री हैं। स्मृति का कहना है कि इन सभी नंबरों को याद रखने के लिए उसको एक महीना लगा। नंबरों को याद रखने तथा दोहराने के लिए वे दिन में चार घंटों का समय देती थीं। एक दिन में औसतन 150 नंबर याद करती थीं और प्रत्येक पांचवें दिन अभी तक याद किए नंबरों को दोहराती थी। स्मृति ने 2016 में इसके लिए आवेदन किया था। चार माह बाद स्वीकृति मिल गई। एक महीने बाद उसने प्रयास किया और यूलर्स नं. 2000 डेसिमल का रिकॉर्ड तोड़कर गिनीज बुक में नाम दाखिल करवाया। रिकॉर्ड बनाने के समय उन्होंने 13 मिनट 56 सेकंड तथा 57 मिली सेकंड लिए। स्मृति ने अमेरिका से एमबीए किया है।

> “प्रयत्न करने से कभी न चूकें..! हिम्मत नहीं तो प्रतिष्ठा नहीं, विरोधी नहीं तो प्रगति नहीं..!! जो पानी में भीगेगा वो सिर्फ लिबास बदल सकता है लेकिन जो पसीने में भीगता है वो इतिहास बदल सकता है.”

प्रेमकिशोर सिकची चॅरीटेबल ट्रस्ट, अहमदाबाद निर्मित

आलिशान 'सिकची रिसोर्ट', वलगांव

विशेषताएं : * निसर्गरम्य, शांत पवित्र वातावरण में शुभ कार्यों को यादगार बनाने का एक अनूठा अनुभव। * विदर्भ में उच्च कोटि के लिए नामांकित वातानुकूलित वास्तु में करीब 300 मेहमानों के लिए ठहरने की उत्तम व्यवस्था। * मंदिर, भव्य स्टेज, सभागृह, पार्किंग, जलप्रपात, बालवाटिका तथा अति आधुनिक शाकाहारी रेस्टारेंट का सानिध्य, एक सुंदर पिकनिक स्पॉट * रात-दिन कार्यरत प्रशिक्षित सेवकगण की उपस्थिति। * जनहित कार्यक्रम बिनामूल्य तथा सम्पूर्ण आय सामाजिक उत्थान के लिए व्यय करने का दृढसंकल्प।

'सिकची रिसोर्ट', वलगांव, नागपुर से करीब 160 कि.मी. तथा अमरावती से 10 कि.मी. दूरी पर अमरावती-परतवाड़ा मार्ग पर स्थित है। विविध पैकेजेस तथा अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें।

सचिन धरनकर
मो. 7507805264

Email : sikchi123@yahoo.com

पियूष शर्मा
मो.नं. 9637385336

महेश अर्बन को.ऑप. क्रेडिट सोसायटी मर्यादित मलकापूर

गौरक्षण कॉम्प्लेक्स बुलढाणा रोड मलकापुर र.न. 1227 फोन - 07267-22773, मो. 92260-22966

- संस्था 29 साल से तरक्की की ओर अग्रसर
- संस्था को लगातार अंकेक्षण वर्ग 'अ'

आर्थिक स्थिति वर्ष

- कुल डिपॉझिट 25.47 करोड, कर्ज विवरण 17.49 करोड़
- निवेश 12.91 करोड़, कुल मुनाफा 33.22 लाख

संस्था के सामाजिक एवं लोकोपयोगी कार्य

▸▸सभासदों के प्राविण्य प्राप्त पाल्य को पुरस्कारन ▸▸सभासदों का 100,000/-विनामूल्य सुरक्षा बीमा
▸▸सामाजिक एवं राष्ट्रीय उपक्रम में सहभाग ▸▸राष्ट्रीय आपात स्थिति में आर्थिक एवं सक्रीय सहभाग
▸▸गणेशोत्सव एवं पोला उत्सव में पुरस्कार ▸▸बेवारस प्रेतों का अंतिम संस्कार
▸▸योग साधना एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा उपचार शिविर
▸▸शीतल जल सेवा केंद्र ▸▸सभासदों को उपचार के लिए आर्थिक मदद ▸▸एक्युप्रेशर शिविर

मखखनलाल मूंधड़
अध्यक्ष

किशोर बाहेती
उपाध्यक्ष

सुनील अग्रवाल
व्यवस्थापक

संचालक मंडल एवं कर्मचारीवृंद
महेश अर्बन को. ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी मर्यादित मलकापुर

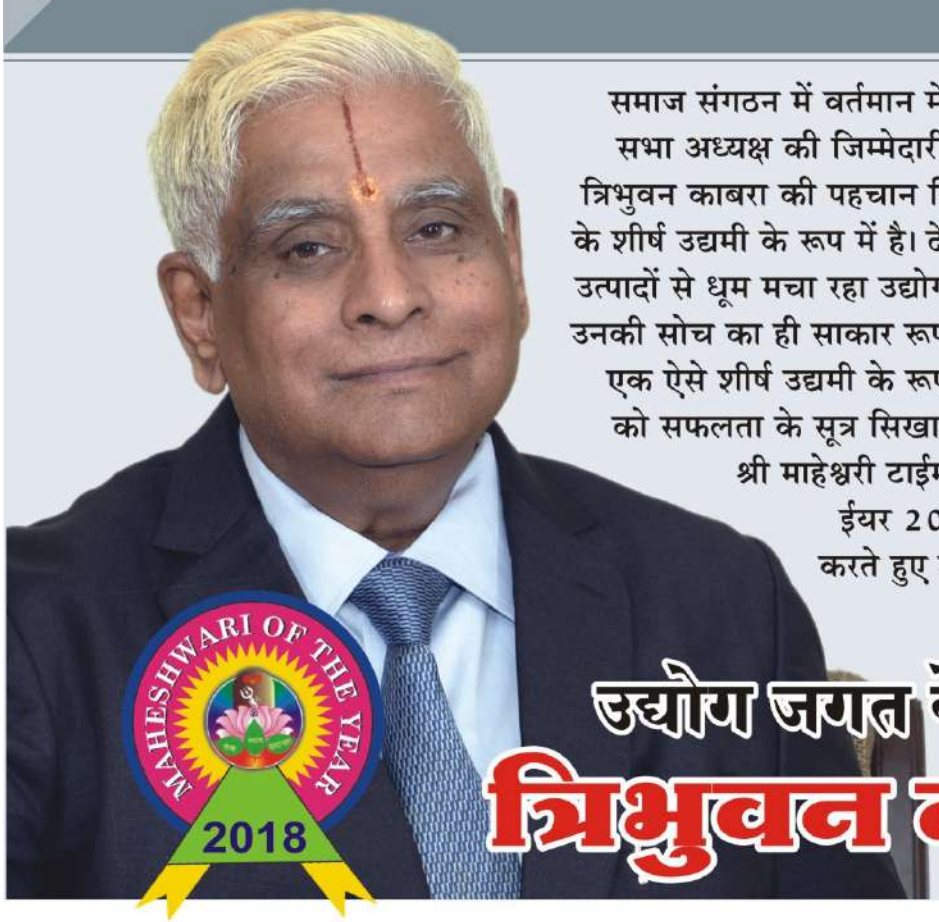

समाज संगठन में वर्तमान में गुजरात प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे वडोदरा निवासी त्रिभुवन काबरा की पहचान विद्युत उपकरण निर्माण क्षेत्र के शीर्ष उद्यमी के रूप में है। देश-विदेश में अपने विश्वस्त उत्पादों से धूम मचा रहा उद्योग समूह 'आर आर ग्लोबल' उनकी सोच का ही साकार रूप है। उनकी विशिष्ट पहचान एक ऐसे शीर्ष उद्यमी के रूप में भी है जो नव उद्यमियों को सफलता के सूत्र सिखाकर मार्गदर्शित भी करते हैं। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2018 से आप का अभिनंदन करते हुए गौरवान्वित महसूस कर रही है।

MAHESHWARI OF THE YEAR 2018

उद्योग जगत के महानायक त्रिभुवन काबरा

विश्वस्तरीय विद्युत उपकरणों आदि के क्षेत्र में धूम मचा रहा शीर्ष उद्योग आर.आर.काबेल भारतीय उद्योग जगत की शान माना जा रहा है। कारण यह है कि यह देश के ऐसे गिने-चुने उद्योगों में से एक है, जो देश की सीमाओं के बाहर भी अपनी विश्वसनीयता का ध्वज लहरा रहा है। इसका संचालन राम रत्ना उद्योग समूह के अंतर्गत हो रहा है। वर्तमान में इस समूह में अनेक कम्पनी का समावेश है, जैसे कि MEW Electricals Limited, Ram Ratna Wires Limited, RR Kabel Limited, Ram Ratna Electricals Limited, Ram Ratna International, Ram Ratna Infrastructure, Kabel Buildcon आदि। आज राम रत्ना समूह विश्व के 73 देशों में अपने उत्पाद निर्यात कर रहा है। आर.आर. काबेल का उत्पादन सिलवासा एवं वाघोड़िया वड़ोदरा (गुजरात) में होता है। इसका प्रधान कार्यालय मुंबई में है। कंपनी कोई भी उत्पादन प्रारंभ करने के पूर्व उस उत्पाद पर गहन अनुसंधान एवं विकास कार्य सक्रिय रूप से करती है, ताकि बिजली की बचत एवं कम लागत में उत्पादन हो सके। साथ ही जान-माल की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इस तरह यह राष्ट्र के आर्थिक विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इस उद्योग का नेतृत्व संभाल रहे हैं वडोदरा निवासी श्री त्रिभुवन काबरा। उनकी महत्वाकांक्षा व दूरदर्शिता ने आज इस उद्यम को इस मुकान पर पहुंचाया है।

मितव्ययता व सादगी बचपन से रही आदर्श

राम रत्ना समूह के प्रबन्ध निर्देशक त्रिभुवन प्रसाद काबरा का जन्म 7 अगस्त 1954 को ननिहाल विराट नगर नेपाल में हुआ। बचपन का ज्यादातर समय ननिहाल में बीता। कक्षा 3 तक की पढ़ाई विराट नगर नेपाल में ही हुई। आप नानीजी के अति प्यारे थे। सन् 1963 में कक्षा 4 एवं 5 की पढ़ाई इंदौर के माहेश्वरी विद्यालय से की। यह उनका मितव्ययिता का स्वभाव ही था कि स्कूल में पुरानी किताबे लेकर पढ़ते थे और आगे पुनः किसी को पढ़ने के लिये दे देते थे। परिवार के आदर्श माहौल से संस्कार स्वतः ही पैतृक रूप से प्राप्त होते ही रहे। कक्षा 6 से मुम्बई के घाटकोपर हिन्दी हाई स्कूल में पढ़ाई की। आपने मुम्बई से ही स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इसके पश्चात् 1972 से परिवार के ट्रेडिंग व्यापार से जुड़ गये।

अपने भाई श्री गोपाल काबरा व महेन्द्र काबरा के साथ श्री काबरा

सत्यमित्रानंदजी का अभिनंदन करते हुए श्री काबरा

सफलता के पांच सूत्र

सफलता के शीर्ष पर विराजमान एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी काबराजी सफल जीवन के पांच सूत्र बताते हैं।

1. **सरलता-** जीवन जितना सरल होगा सफलता का मार्ग भी उतना ही सरल होगा।
2. **सकारात्मकता-** सकारात्मक दृष्टिकोण ही सफल जीवन का ऊर्जा स्रोत है।
3. **सद्भावना-** सद्भाव से ही सफलता का रास्ता दिखता है।
4. **सद्गुण** सद् गुणों से ही सफलता हमेशा साथ रहती है।
5. **स्वाभिमान-** स्वाभिमान ही सफलता का सही मार्गदर्शक है।

श्री काबरा का मानना है कि हमारे जीवन में हमारी हार-जीत का निर्णय हम स्वयं अपने स्वार्थ के अनुसार करते हैं। परंतु कोई व्यक्ति अपनी हार के बाद अपनी हार के कारणों पर चिंतन मंथन करते हुए तथा ऊपर के पांच सूत्रों को अपनाते हुए यदि जीवन पथ पर अग्रसर होता है तो विजय पाना निश्चित है। जीवन में स्वार्थी होना गलत नहीं परंतु एकतरफा स्वार्थ हमेशा हानिकारक रहता है फिर चाहे वो व्यापार हो, गृहस्थी हो, समाज हो, या देश हो।

ऐसे चला सफलता का कारवां

इन्होंने पढ़ाई के साथ 17.5 वर्ष की आयु में मुंबई में अपने पारिवारिक ट्रेडिंग व्यवसाय को संभाला। पिताजी ने इन्हें बड़ौदा स्थित कॉपर वायर मैन्युफक्चरिंग कंपनी को सँभालने का जिम्मा सौंपा, जो कि लगातार 8 वर्षों से मुनाफा नहीं प्राप्त कर पा रही थी। इन्होंने अपनी कार्यकुशलता से केवल 1 ही वर्ष में इस कंपनी को मुनाफा देने वाली कंपनी में परिवर्तित कर दिखाया। श्री काबरा ने सन् 1994 में रामरत्ना वायर्स लि. के नाम से उत्तम गुणवत्ता युक्त वाइन्डिंग वायर्स का उत्पादन प्रारंभ किया। वर्तमान में यह कंपनी भारत में बड़ी मात्रा में कॉपर आधारित उत्पादन में विशिष्ट स्थान रखती है। सन् 1998 में सिलवासा में आर.आर. काबेल लि.. के नाम से एक महत्वाकांक्षी प्रकल्प स्थापित किया। यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर के उत्पादन के लिए आयातित आधुनिक मशीनों एवं उपकरणों तथा अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। इस आधार पर आरआर काबेल भारत की सर्वश्रेष्ठ एवं विश्वसनीय कंपनी है। इसके पश्चात फैन, स्वीच, प्रेस, गिझर, लायटिंग सॉकेट आदि बिजली के उपकरणों का उत्पादन प्रारंभ किया, जो वर्तमान में 20 हजार काउंटर के साथ संपूर्ण विश्व में वटवृक्ष की भांति फैला हुआ है।

युवक-युवती डायरेक्ट्री का विमोचन करते श्री काबरा व साथी

पश्चिमांचल मप्र. प्रा. सभा के परिचय सम्मेलन का शुभारंभ करते श्री काबरा

मल्टीलेवल कार पार्किंग की सौगात

महानगर में कार पार्किंग की बढ़ती समस्या को मद्देनजर रखते हुए समूह ने राम रत्ना इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. के नाम से "स्वचलित मल्टी लेवल कार पार्किंग संकल्पना" लाकर शहरी परिदृश्य बदलने के कार्य की शुरूआत की है। इसके अतिरिक्त कम्पनी एक्सिलेटर एवं एलिवेटर पार्किंग का कार्य भी करती है। कंपनी ने दिल्ली एअरपोर्ट के सामने लिफ्ट पार्किंग बनाया है, जहां 1200 गाड़िया पार्क हो सकती हैं। मुंबई में कई जगह कार पार्किंग सिस्टम का निर्माण किया है। इसके अतिरिक्त कोलकाता, गोहाटी, जयपुर, पुणे, चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद, सिकन्दराबाद, कोयम्बटूर, मदुरै, जोधपुर, कानपुर, इलाहाबाद, अहमदाबाद, इन्दौर आदि कई शहरों में भी कंपनी ने कार पार्किंग सिस्टम बनाया है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा की भी सौगात

श्री काबरा ने न सिर्फ उद्योग जगत का ही आधुनिक तकनीकों से कायाकल्प किया है, अपितु शिक्षा जगत को भी वह सौगात दी है, जिस पर देश गर्व कर सकता है। मुंबई के उपनगर भायंदर के सन्निकट भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा प्रदान करने हेतु राम रत्ना विद्या मंदिर आवासीय विद्यालय का निर्माण करवाया। राम रत्ना विद्या मंदिर को महाराष्ट्र में "No.1 Boys Residential School in the Education World India School Rankings 2013" का प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ है। शिक्षा क्षेत्र में परिवर्तन एवं आधुनिकीकरण को ध्यान में रखते हुए इसी प्रांगण में राम रत्ना इंटरनेशनल डे स्कूल प्रारंभ किया, जिसे कैम्ब्रीज द्वारा मान्यता प्राप्त है। अपने पैतृक शहर शाहपुरा (राजस्थान) में स्व. सेठ श्री जगन्नाथ काबरा के नाम से माध्यमिक विद्यालय का निर्माण करवाकर, इसे राजस्थान सरकार को सौंप दिया। शिक्षा क्षेत्र में इस उदार-भाव सेवा के लिए राजस्थान सरकार ने आपको 'भामाशाह' पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

मानवता की सेवा में समर्पित

वनबन्धु परिषद द्वारा दूरदराज एवं वनवासी क्षेत्र में लगभग 78 हजार एकल विद्यालय चलाऐ जा रहे हैं। इसमें आपके परिवार का तन-मन-धन से पूर्ण सहयोग रहता है। साथ ही समूह ने वनवासी क्षेत्र में 75 वनवासी बच्चों को शिक्षा एवं स्वावलम्बी बनाने हेतु गोद लिया है। वनवासी को साक्षर करना वर्तमान में देश का सर्वाधिक आवश्यक कार्य है। इसके अतिरिक्त अनेक जरूरतमंद लोग शिक्षा एवं इलाज हेतु ट्रस्ट के माध्यम से लाभान्वित हो रहे हैं। राम रत्ना समूह शैक्षणिक, सामाजिक, धार्मिक एवं जन हितार्थ विभिन्न प्रकार के सेवा कार्य में संलग्न है। प्रतिवर्ष वाघेडिया में 5-6 मई को बड़े पैमाने पर मेडिकल कैम्प का आयोजन किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग आकर स्वेच्छा से रक्तदान करते हैं। इसे एकत्रित कर अस्पताल में दान दिया जाता है। इस कैम्प में संपूर्ण शरीर की जांच की जाती है। समाज के उद्यमियों की बिजनेस कॉन्फ्रेंस बिजकॉन का भी उनका उद्योग आर.आर.कॉबेल लंबे समय से प्रायोजक रहकर सहयोग प्रदान कर रहा है।

माहेश्वरी समाज चौखण्डी (बड़ौदा) के महेश नवमी उत्सव में पुरकार वितरण करते श्री काबरा

माता-पिता सहित परिवार के साथ

समाज की भी सतत सेवा

अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद श्री काबरा माहेश्वरी समाज को भी विभिन्न माध्यमों से सतत रूप से अपनी सेवा दे रहे हैं। चाहे वे पद पर रहे या नहीं लेकिन समाज के प्रति उनके समर्पण व सहयोग में कोई परिवर्तन नहीं आया। वर्तमान में श्री काबरा 23 अप्रैल 2017 से गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा के प्रदेशाध्यक्ष की जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभा रहे हैं। इसमें उनका लक्ष्य समाजजनों के स्वास्थ्य व उच्च शिक्षा तथा विधवा संरक्षण के लिए ऐसी योजना बनाना है, जिससे समाज के हर वर्ग को विकास के पंख लग सकें। वैसे व्यक्तिगत रूप से श्री काबरा के द्वार समाज के नई सोच रखने वाले हर युवा के लिए खुले हैं। वे उनके उद्योग की स्थापना से लेकर उसे आगे बढ़ाने तक संपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करने में पीछे नहीं रहते।

समाज से विनम्र अनुरोध

श्री काबरा का संपूर्ण समाज से एवं विशेष रूप से युवा पीढ़ी से हमेशा अनुरोध रहता है कि मानव जन्म मिलना ही बहुत बड़ा सौभाग्य है, अतः सत्कर्मों से अपने जीवन को सार्थक करें तथा स्वयं की लालसाओं से विवश होकर अपने आप का अति से अंत न करें। किसी ने चाणक्य से पूछा, जहर किसे कहते हैं? तब चाणक्य ने सरल एवं शुद्ध भाषा में बताया कि जीवन में हर वह वस्तु जो आवश्यकता से अधिक मात्रा में उपलब्ध है चाहे वह ताकत हो, धन हो, विद्या हो, भूख हो, लालच हो, प्रशंसा हो, अभिमान हो, प्रेम हो या नफरत हो, तब वह जहर का काम करती है। अतः यदि आपके पास कुछ भी आवश्यकता से अधिक है, तो उसे मानव कल्याण में लगाएं।

कोलकाता के महेश मेला में मुख्य अतिथ्य

उत्तरप्रदेश में अपनी कम्पनी के एक विशेष कार्यक्रम में

इन्दौर में आयोजित परिचय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए श्री काबरा

वागोदिया में पौधारोपण करते श्री काबरा व साथी

वित्त व्यवसाय वह महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिस पर देश के उद्योग धंधों सहित संपूर्ण विकास की जिम्मेदारी निहित होती है। वैसे तो देश ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व के उद्योग व्यवसाय में माहेश्वरी समाज का अत्यधिक योगदान है। ऐसे में अधिकांश वित्त व्यवसाय भी धनकुबेर कहे जाने वाले इस समाज के हाथों में ही निहित रहा है। देश ही नहीं बल्कि विश्व के कई देशों में ''आनंद राठी'' समूह वित्त व्यवसाय में एक ऐसा विश्वसनीय व विशेषज्ञता से परिपूर्ण नाम है, जिस पर कोई भी कार्पोरेट या बैंकिंग क्षेत्र आंख मूंदकर विश्वास करता है। देश-विदेश में 800 से भी अधिक कार्यालयों द्वारा उनकी कंपनी अपनी वित्तीय सेवा दे रही है। इस प्रतिष्ठित कंपनी के संस्थापक व प्रमुख जोधपुर निवासी आनंद राठी को वित्तीय सेवाओं के लिए माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2018 अवॉर्ड प्रदान करते हुए माहेश्वरी टाईम्स परिवार गौरवान्वित है।

वित्त की दुनिया के आईकॉन
आनंद राठी

देश के शीर्ष वित्तीय सेवा प्रदाताओं का उल्लेख हो और उसमें जोधपुर निवासी सीए आनंद राठी का उल्लेख न हो, ऐसा कभी हो नहीं सकता। कारण यह है कि उन्होंने न सिर्फ कई कार्पोरेट्स बल्कि उनकी जहां भी कहीं आवश्यकता लगी अपना योगदान अवश्य ही दिया है। आप पिछले तीन दशकों से अपने दीर्घकालीन अनुभवों से निजी क्षेत्र में आर्थिक नियोजन एवं पूंजी बाजार में प्रबंध सलाहकार के रूप में विशिष्ट स्थान रखते हैं। वर्तमान में श्री राठी ''आनंद राठी समूह (एआरजी)'' की कंपनियों का नेतृत्व कर रहे हैं। ग्रुप भारत की तीव्र विकसित सेवा प्रदाता वित्तीय संस्था है, जो धन प्रबंधन, विनियोग, बैंकिंग कॉर्पोरेट, फाइनेंस व सलाह, ईक्वीटीज के क्षेत्र में ब्रोकरेज व डिस्ट्रीब्यूशन, वस्तुएं, म्यूच्यूअल फंड और बीमा आदि की सेवाएं प्रदान कर रही हैं। आनंद राठी ग्रुप के भारत में 800 से अधिक स्थानों पर तथा विदेश में बैंकॉक, दुबई और हांगकांग में भी कार्यालय हैं। यह आपकी अपूर्व उद्यमता तथा कौशलता का परिचायक है।

मात्र 20 वर्ष की आयु में बने सीए

भारत की सूर्यनगरी जोधपुर (राजस्थान) के मध्यमवर्गीय परिवार में श्री नंदकिशोर एवं श्रीमती गोदावरी देवी राठी के यहां श्री राठी का जन्म 25 जून 1946 को हुआ। मेधावी एवं कुशाग्र बुद्धि के श्री राठी ने कालानी एंड कंपनी जोधपुर की प्रसिद्ध चार्टर्ड अकाउटेंट फर्म के अंतर्गत मात्र 20 वर्ष की अवस्था में अखिल भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट परीक्षा सन् 1966 में सर्वप्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक के साथ उत्तीर्ण की। सीए करने के पश्चात डीसीएम दिल्ली से कार्य प्रारंभ कर पांच वर्ष वहां कार्य किया, फिर दो वर्ष स्वदेशी पॉलीटेक्स लिमिटेड से जुड़े रहे। सन् 1974 में आप आदित्य बिरला समूह के इंडियन रेयोन से जुड़े और दो दशकों तक इस ग्रुप के अनेक उद्योगों जैसे रेयोग फिलामेंट, टेक्सटाइल, सीमेंट, केमिकल्स आदि में वरिष्ठ प्रबंधक के रूप में कार्यरत रहे। आपने सन् 1986 में बिरला व्हाईट के नाम से सफेद सीमेंट बनाने की फैक्ट्री खारिया खंगार पीपाड़ (राजस्थान) के पास स्थापित की। मात्र दो वर्ष में ही बिरला व्हाइट सीमेंट ने पूरे भारत तथा विदेशों में भी अपनी गुणवत्ता की

पहचान बना ली। अपनी अटूट लगन, ईमानदारी, परिश्रम तथा चारित्रिक गुणों के कारण आपने इंडियन रेयोन को एक छोटी सी कंपनी से बहुराष्ट्रीय विशाल कंपनी में परिवर्तित कर दिया।

ऐसे चला वित्तीय सेवाओं का सफर

श्री राठी बिड़ला समूह में कई महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे, लेकिन उन्हें संतोष नहीं था। उनका सपना तो बस वित्तीय सेवा में जाना था, जो अभी-भी अधूरा था। बस फिर क्या था, आपने आदित्य बिरला ग्रुप में वित्तीय सेवा व्यवसाय की शुरुआत बिरला ग्लोबल फाइनेंस और बिरला म्यूच्यूअल फंड की स्थापना द्वारा की। सन् 1994 में बम्बई स्टॉक एक्सचेंज की सदस्यता मिली और उन्होंने इंडियन रेयोन (आदित्य बिरला ग्रुप) के सीनियर प्रेसिडेंट पद से निवृत होकर वित्तीय सेवाओं के लिए अपनी स्वयं की कंपनी प्रारंभ की। अप्रैल 1999 में आप बंबई स्टॉक एक्सचेंज के अध्यक्ष चुने गए तथा इसके दो सत्र तक सफल अध्यक्ष रहे। श्री राठी का विवाह 29 अप्रैल 1968 को पाली निवासी स्व. गोरधनदास जी लड्ढा की सुपुत्री सुमन (पुष्पलता) से हुआ। दुर्भाग्य से बीमारी के कारण उनका 8 मार्च 2010 को 59 वर्ष की अवस्था में स्वर्गवास हो गया। आपके दो बेटियां और एक बेटा है। बड़ी बेटी प्रीति गुप्ता और दामाद प्रदीप गुप्ता इस फर्म के सहसंस्थापक और संचालक हैं। बेटा अमित और पुत्रवधू सुप्रिया भी आपके व्यापार में प्रबंधक के रूप में सक्रिय हैं। सबसे छोटी बेटी पूजा और पति विमलेश मारू लंदन में रहते हैं तथा निवेश-बैंकिंग कारोबार के साथ जुड़े हुए हैं। इस तरह देखा जाए तो वर्तमान में ना सिर्फ स्वयं श्री राठी अपितु उनका पूरा परिवार ही वित्तीय सेवाओं को समर्पित हो चुका है।

समाजसेवा के लिए मुक्तहस्त

श्री राठी ने शिखर की सफलता प्राप्त की लेकिन इस सफलता का लाभ स्वहित तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने लक्ष्मी को सुलक्ष्मी बनाए रखने के लिए समाजसेवी गतिविधियों में भी सदैव मुक्त हस्त से योगदान दिया। अनुशासनप्रियता, संगठन शक्ति, हमेशा कुछ नये से नया करने की ललक, अथक परिश्रम, दृढ़निश्चय आदि आपके व्यक्तित्व की विशेषताएं हैं। इन विशेषताओं ने सेवा गतिविधियों को भी पंख लगा दिए। 27 जून 2015 में 85 स्वयंसेवी संस्थाओं को तथा 18 जून 2016 को जोधपुर (राजस्थान) की 151 स्वयंसेवी संस्थाओं को नंदकिशोर राठी मेडिकल एंड एजुकेशन चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सम्मानित कर आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। लगभग 15 वर्ष पूर्व जगतगुरु शंकराचार्य श्री राघेश्वर भारती स्वामीजी श्री रामचंद्रपुर मठ गोकर्ण के संपर्क में आए, तब से आप आध्यात्मिक व धार्मिक कार्यों में भी विशेष रूप से तन-मन-धन से सहयोग प्रदान कर रहे हैं। अपने पैतृक निवास जोधपुर में पिछले कई वर्षों से पू. श्री राघवेश्वर भारती स्वामी जी की रामकथा, श्रीराम जी की विशिष्ट पूजा महाआरती तथा स्वामी गोविंददेव गिरिजी महाराज के श्रीमुख से महाभारत संदेश आदि धार्मिक आयोजन आपके सौजन्य से ही संपन्न हो रहे हैं।

धर्म संस्कृति को समर्पित

स्वामीश्री गोविंदगिरि जी महाराज के भी आप विशेष कृपा पात्र हैं तथा उनके द्वारा स्थापित ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ पुष्कर न्यास के सन् 2008 से ट्रस्टी हैं। 15 फरवरी 2013 को श्री राठी द्वारा ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ में निर्मित छात्रावास भवन का उद्घाटन कांचीकामकोटी पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वतीजी महाराज के करकमलों से करवाया। सन् 2014 में पूज्य स्वामी जी ने श्री राठी को वेद विद्यापीठ पुष्कर का अध्यक्ष मनोनीत किया तब से वे इसके सर्वतोमुखी विकास के लिए कृत संकल्प हैं। संस्कृत भाषा एवं वेदाध्ययन हेतु विद्यापीठ को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने के लिए आप पूर्ण लगन एवं परिश्रम के साथ अपना अमूल्य समय प्रदान कर रहे हैं। आपके प्रयासों से ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ पुष्कर के प्रांगण में गत 13 फरवरी (शिवरात्रि) को संत निवास का शिलान्यास पद्मविभूषण श्रीमती राजश्री बिरला द्वारा परम पूज्य स्वामी गोविंददेव गिरिजी महाराज के सान्निध्य में संपन्न हुआ।

हर जरूरतमंद के सहयोगी

आप सन् 2010 से भक्ति, धर्म एवं सांस्कृतिक ज्ञान के प्रेरक संस्थान ज्ञान मंदिर किशनगढ़(राजस्थान) के अध्यक्ष पद का दायित्व भी निभा रहे हैं। अपने पारिवारिक ट्रस्टों के माध्यम से श्री राठी जरूरतमंद गरीब छात्रों के लिए छात्रवृत्ति और निर्धन व्यक्तियों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने में भी उदारतापूर्वक सहयोग प्रदान कर रहे हैं। अनेक धार्मिक सामाजिक, व्यावसायिक, शैक्षणिक संस्थाओं के शीर्ष पदाधिकारी श्री राठी सामाजिक, आर्थिक, नैतिक विकास के प्रमुख चिंतक हैं। जरूरतमंद लोगों व युवाओं के तो आप सच्चे सहयोगी ही हैं। राजस्थान के हजारों युवाओं को न केवल रोजगार दिलाया अपितु श्री राठी उन्हें अपना उद्योग, व्यवसाय लगाने के लिए प्रेरित कर मार्गदर्शन भी प्रदान कर रहे हैं। उद्योगों के सफल संचालन, व्यवहार, कुशलता, मिलनसारिता एवं समाजसेवा के पुनीत कार्यों के लिए उनका व्यक्तित्व युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत ही हैं।

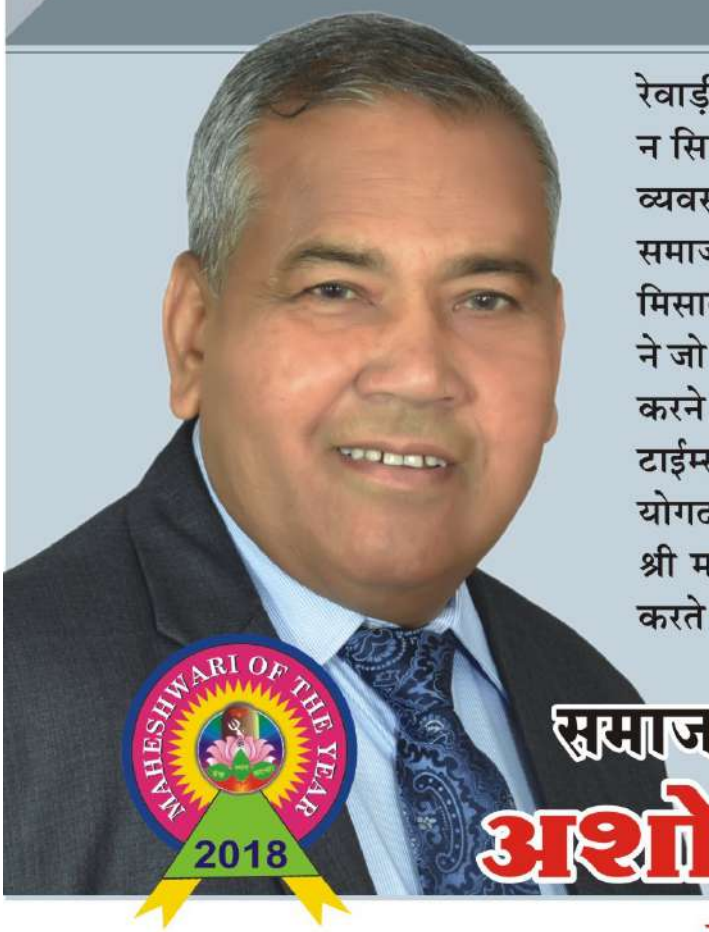

रेवाड़ी (हरियाणा) निवासी अशोक सोमानी ने न सिर्फ इस छोटे से कस्बे को अपने वृहद् स्टोन व्यवसाय से विशिष्ट पहचान दी, अपितु समाजसेवा में जो योगदान दिया उसने तो एक मिसाल ही बना दी। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पिता ने जो अधूरा सपना विरासत में छोड़ा था, उसे पूरा करने का श्रेय श्री सोमानी को ही है। श्री माहेश्वरी टाईम्स श्री सोमानी के समाजसेवा में दिए गए योगदानों को नमन करते हुए आपको श्री माहेश्वरी ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए गौरवान्वित है।

MAHESHWARI OF THE YEAR 2018

समाज सेवा के अनमोल रत्न
अशोक सोमानी

खोल (जिला रेवाड़ी) किसी समय हरियाणा का एक गुमनाम छोटा सा कस्बा था। लेकिन आज ये व्यावसायिक रूप से देश के मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान रखता है। इसकी विशिष्ट पहचान है, अरावली पर्वत शृंखला के पत्थरों के कारण जो आज संपूर्ण विश्व में सिर चढ़कर बोल रहा है। इस पत्थर को विश्व के परिदृश्य तक पहुंचाकर क्षेत्र को विशिष्ट पहचान दिलाने का श्रेय है, यहां के व्यवसायी अशोक सोमानी को। उन्होंने वह राह दिखाई जिसने संपूर्ण क्षेत्र को ही पहचान दे दी। आज यह क्षेत्र इस विशिष्ट पत्थर के लिए ही जाना जाता है। वैसे तो श्री सोमानी की यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है, लेकिन इससे भी बड़ी उनकी कोई उपलब्धि है तो इस पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा की सौगात की।

स्वतंत्रता सेनानी परिवार में जन्म

श्री सोमानी का जन्म 28 नवंबर 1953 को ख्यात स्वतंत्रता सेनानी स्व. श्री आरडी सोमानी के यहां हुआ था। पिताजी आरडी सोमानी मात्र 14 वर्ष की अबोध उम्र से ही स्वतंत्रता प्राप्ति के यज्ञ में गांधीजी के आंदोलन में योगदान देने लग गए थे। बचपन से गांधीजी का चढ़ा रंग इस तरह व्यक्तित्व बन गया कि जब वे युवा हुए तो इनका संपूर्ण व्यक्तित्व ही गांधीवाद से प्रेरित हो चुका था। स्थिति यह थी कि इन्हें क्षेत्र में अहिरवार के गांधी के नाम से जाना जाने लगा। विधिवत रूप से कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर सोमाणीजी ने महात्मा गांधी द्वारा संचालित हर आंदोलन में भाग लेना प्रारंभ कर दिया। द्वितीय विश्व युद्ध में अंग्रेजों ने

भारतीय सैनिकों को भी युद्ध में झोंक दिया। इसके विरोध के लिए गांधीजी ने कांग्रेसजनों का व्यक्तिगत आंदोलन के लिए आह्वान किया। इस आंदोलन में जन समर्थन जुटाने के लिए श्री सोमाणी अपनी पूर्ण क्षमता के साथ जुटे रहे। इसका असर सन 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में नजर आया। यह आंदोलन विश्व के इतिहास का सबसे बड़ा आंदोलन था। सोमाणीजी के नेतृत्व में अहिरवार का जन-जन भी इस आंदोलन के लिए अपने घर से निकल पड़ा। इस आंदोलन को कुचलने के लिए अंग्रेजी सरकार ने अपना दमन चक्र चलाया। गांधीजी सहित कई बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। सोमाणीजी अपने क्षेत्र में आंदोलन को सतत जारी रखने के लिए भूमिगत हो गए और किसी तरह पुलिस से बचते हुए उन्होंने आंदोलन को जारी रखा। अंत में वे भी पकड़े गए और लगभग 20 दिन जेल में रहने के बाद रिहा हुए।

असमय ही उठा पिता का साया

श्री सोमानी अपने पिताजी के व्यक्तित्व से विशेष प्रभावित रहे। लेकिन दुर्भाग्य से उन्हें पिता का सुख अधिक समय तक नहीं मिल पाया। एक बार पिताजी ट्रेन से दिल्ली से रेवाड़ी आ रहे थे। तभी ऊपर रखा एक बक्सा उनके सिर पर आ गिरा। इससे सिर में गहरी चोट आई। अक्सर सिर में दर्द रहने लगा। जांच करवाने पर पता चला कि उनको ब्रेन ट्यूमर हो गया। आजादी के लिए लड़ी जंग के दौरान विकास के कई सपने देखे थे, लेकिन धीरे-धीरे मृत्यु की ओर बढ़ने लगे। इनके दो बेटे व तीन बेटियां थी लेकिन अपने जीवन काल में आप सिर्फ अपनी बड़ी बेटी सुशीला का विवाह ही कर पाए। शेष चारों की जिम्मेदारी पत्नी पर छोड़ 3 जुलाई 1972 को स्वर्ग सिधार गए। उस समय अशोक जी मात्र 18 वर्ष के अविवाहित युवक थे। उनका इस तरह साथ छोड़ जाना श्री सोमानी के लिए गहरा आघात था। फिर भी श्री सोमानी ने उनके आदर्शों और सपनों को अपनी शक्ति बनाकर अपनी विकास यात्रा तेज कर दी।

पिताजी के सपनों को किया साकार

पिताजी श्री सोमानी का जीवन संघर्षों से भरा था। गांधीजी के प्रभाव ने उन्हें सत्य, अहिंसा व देशप्रेम का ऐसा पाठ पढ़ाया था जो उनके व्यक्तित्व में रच बस गया। आजादी के बाद देश की राजनीति में आए परिवर्तनों के दौरान सिद्धांतों को लेकर समझौता न कर पाने के कारण वे राजनीति में किसी महत्वपूर्ण पद पर न पहुंच पाए। देश व समाज के लिए लड़ने वाले इन सेनानी को दो-दो मुख्यमंत्रियों का कोपभाजन भी बनना पड़ा। पंजाब के मुख्यमंत्री राव वीरेंद्रसिंह ने आरडी सोमाणी को बर्बादी के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया था लेकिन वे कभी घबराए नहीं। निराशा के भाव तो उनके चेहरे पर कभी आए ही नहीं। बस व्यवसाय को शिखर पर नहीं पहुंचा पाने का दर्द उनके मन में हमेशा बना रहा था। यही उनका अधूरा सपना अशोक सोमानी को विरासत में मिला। बस उन्होंने इसे साकार कर दिखाया। पिताजी का दूसरा दर्द क्षेत्र में शिक्षा सुविधाओं की कमी के कारण अधिक शिक्षा ग्रहण न कर पाना था। अतः इस क्षेत्र की शिक्षा सुविधाओं का विकास भी उनका सपना बन गया था। इसे भी सोमानी भाईयों ने साकार किया।

परिवार के बीच श्री सोमानी

उच्च शिक्षा का भी बनाया हब

वर्तमान में वे इस क्षेत्र में एक अत्यंत प्रतिष्ठित अपने पिताजी के नाम पर स्व. श्री आर.डी. सोमानी शिक्षण संस्था सोसायटी बनाई उस सोसायटी के तह इंजीनियरिंग कॉलेज, एमबी.ए., फार्मेसी का संचालन कर रहा हैं, इनका संचालन उनके भाई विजय सोमानी कर रहे है वे राजनीति क्षेत्र में भी है आप विधायक का चुनाव निर्दलीय रूप से लड़ा था और मात्र 2200 वोटो से पराजित हुए थे एवं उसके साथ-साथ इंजीनियरिंग कॉलेज को भी देख रहे है। अपनी माताजी के नाम पर लीलावती सोमानी एज्यूकेटशन ट्रस्ट के तहत पब्लिक स्कूल का संचालन किया जा रहा है। पुत्र अमर सोमानी स्कूल का संचालन कर रहे है एवं पुत्र आकाश सोमानी एक्सपोर्ट का बिजनेस देख रहे है व कार्यकारी मण्डल सदस्य भी हैं। उनका परिवार क्षेत्र की युवा पीढ़ी की दक्षता को बढ़ाने के लिए सोमानी तकनीकी शिक्षण संस्थान का संचालन भी कर रहा है।

कई संस्थाओं को सक्रिय सहयोग

श्री सोमानी अपनी व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद समाजसेवा के क्षेत्र में कई संस्थाओं से सम्बद्ध होकर तन-मन-धन से योगदान प्रदान कर

रहे हैं। वर्तमान में माहेश्वरी समाज के अंतर्गत अभा माहेश्वरी महासभा उत्तरांचल के उपसभापति के रूप में सेवा दे रहे हैं। हरियाणा-पंजाब-हिमाचल-जम्मू कश्मीर प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सतत दो सत्र 2010 से 2016 में प्रदेशाध्यक्ष रहे। इसे इनके सफल कार्यकाल की उपलब्धि ही कहा जा सकता है कि वे दो बार प्रदेशाध्यक्ष बने। वर्ष 2010 से अभा माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य हैं। हरियाणा पंजाब प्रादेशिक ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं श्रीमती लीलावती सोमानी एजुकेशन ट्रस्ट के ट्रस्टी तथा श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन के ट्रस्टी के रूप में भी अपनी सेवा दे रहे हैं। अन्य समाजसेवी गतिविधियों के अंतर्गत लायंस क्लब रेवाड़ी के चार्टर्ड सदस्य हैं तथा 2 सत्रों तक अध्यक्ष रहे।

नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएँ

॥ जय महेश ॥

गंगाराम चाँदमल तोतला
'श्री नरसिंग निवास' 3-5-45, जागृति कॉलेज के सामने, रामकोट, हैदराबाद - 500 095
फोन : +91 9248022503, 9849022503

KWC Estd. 1969
Kamal Watch Co.
Sales & Service

FLAGSHIP STORE: Road No. 36, Near Peddamma Temple Circle, Jubliee Hills, Hyderabad, Ph. 040-23558621

HYDERABAD - Abids 040-66782818, Abids Gunfoundary 040-66660585, Dilsukhnagar 040-66177658, Banjara Hills 66463366, Forum Mall 040-30534001 SECUNDERABAD - MG Road 040-66322191, Vikrampuri 040-64646551 VIZAG - Rama Talkies Road 0891-6636613, CMR Central mall 0891-6464622 VIJAYAWADA - PVP Mall 0866-6005999, Trendset Mall 0866-6004999 KURNOOL - Jyoti Mall 9246668766 KAKINADA - Beside Apollo Hospital 0884-6663336

Shop Online www.kamalwatch.com | EMI Facility also available | Follow us on / KamalWatch

Somani SOMANI ISPAT PRIVATE LIMITED

the inner strength
for your construction

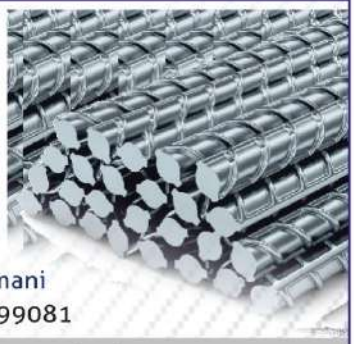

Sanjay Kumar Somani +91 - 92465 34957
Sudhir Kumar Somani +91 - 98490 24065
Aakash Somani +91 - 99080 99081

11-6-27/1, 2 & 3, Opp. IDPL Factory, Balanagar, Hyderabad - 37 (T.S.) INDIA
+91 - 40 - 2377 1877 / 8375 / 2411, contact@somanisteel.com, www.somanisteel.com

HR Coil / TMT De-Coiling Unit & Godown at
Survey No. 76/2, Gundlapochampally
Near Kompally, Hyderabad, Cell : 77022 66065

VIZAG
Gajadhar Gaggar - 90003-04058
Dinesh Gaggar - 90003-04044
Plot No. 28, D Block Extn., Behind Sail Yard
Autonagar, Visakhapatnam, Ph : 0891-2754044

GROUP COMPANY

MAHESWARI FASTENERS & BRIGHT PVT. LTD.
Mahendra Rathi 92468-87753
Manufactures of : MS & HDG Fasteners (BIS & AP TRANSCO APPROVED)
Plot No. 152 & 154, Medchal Industrial Estate, Hyderabad, Ph : +91 - 40 - 2980 3123

vishalprinter.com

Authorised Dealer of : SAIL, VSP, JSW, JSPL, ESSAR & UTTAM VALUE

आम व्यक्ति तक क्यों नहीं पहुंच पाता संगठन?

देखा जाऐ तो समाज संगठन, समाज के हित के लिये बना है। फिर भी इससे आम व्यक्ति का जुड़ाव नहीं हो पाता। उसे लगता ही नहीं कि यह उसका संगठन है। इसे दूसरे शब्दों में यह भी कह सकते है कि आम व्यक्ति तक संगठन पहुँच नही पाता। आखिर क्यों? आईये जानें इस स्तंभ की प्रभारी मालेगांव निवासी सुमिता मूंदड़ा सहित समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

सुधार की जरूरत

यह सच है कि संगठन अभी तक करीबन 50 प्रतिशत समाज बंधुओं तक ही पहुंच पाया है। समाज को एक सूत्र में जोड़ने के लिए सर्वप्रथम संगठन को इस दिशा में सोचना चाहिए। सामाजिक संगठन तो अपने समाजबंधुओं के हित के लिए ही गठित होता हैं और संगठन का उद्देश्य भी समाज की प्रगति से ही जुड़ा होता है। जिस प्रकार परिवार के सभी सदस्यों को एक सूत्र में बांधकर रखने के लिए सबकी इच्छाओं, खुशियों और जरूरतों के अनुसार नियमबद्ध परंपरा बनाई जाती है उसी प्रकार समाज को एकजुट रखने और सबको समानाधिकार देने के लिए निम्न वर्ग, मध्यम वर्ग और उच्च वर्ग को ध्यान में रखकर ही समाज में नियम और बदलाव लाने चाहिए। संगठन के कार्यकारिणी अधिकारियों के फैसले समानाधिकार से ओत-प्रोत हों तो समाज बंधुओं का विश्वास और जुड़ाव संगठन से बढ़ेगा। समाज की एकता की नींव इसी पर निर्भर भी है। संगठन के पदाधिकारियों को भी समाज के हर सदस्य के विचारों को सम्मान देना चाहिए। समाज सदस्यों को परिवार की तरह समझ उनकी खुशियों में ही नहीं उनकी परेशानियों में भी सामाजिक कर्तव्य निभाना चाहिए। नए दौर की नव-पीढ़ी के नव-चेतना भरे विचारों को भी महत्व मिले तो जिन 50 प्रतिशत लोगों तक संगठन नहीं पहुंच पाया है वो भी संगठन का हिस्सा बन जाएंगे और समाज प्रगति में सबसे बड़े सहायक सिद्ध होंगे।

सुमिता मूंधड़ा, मालेगांव

नेतृत्व का आम व्यक्ति से संपर्क नहीं

आम व्यक्ति तक संगठन इसलिए नहीं पहुंच पाता है, क्योंकि आम आदमी को समाज की मदद दिलाने में आमतौर पर कोई मदद नहीं करता। जो भी सदस्य पद पर चुने जाते हैं, उन्हें जमीनी स्तर पर कार्य करना चाहिए। इस कार्य के आधार पर ही उन्हें चुना जाए और प्रत्येक व्यक्ति को साथ लेकर चलना अनिवार्य होना चाहिए। क्षेत्रीय संगठन का कार्य उनसे ही करवाएं और इसमें हर महीने बैठक आयोजित हो। ऐसे सुधारों से ही संगठन आम आदमी तक पहुंच सकता है। या आम आदमी संगठन तक पहुंच सकता है।

विकास कचौलिया,
भीलवाड़ा, गारमेंट व्यवसायी व
जिला प्रतिनिधि माहेश्वरी युवा संगठन

50 फीसदी को तो पता ही नहीं समाज में क्या हो रहा?

आम व्यक्ति तक संगठन को पहुंचाने के दावे वास्तव में जमीनी नहीं है। यदि ठीक से जनसंपर्क करें तो पता चलेगा कि लगभग 50 फीसदी समाजजनों को यह भी पता नहीं कि समाज में हो क्या रहा है? इसके लिए संगठन को वास्तव में हर समाजजन से जुड़ना होगा। विभिन्न शहरों व गांवों में जो भी व्यक्ति किसी पद पर है वे प्रत्येक छोटे-छोटे गांवों में जाकर समाज द्वारा जो सुविधा दी जा रही है उनकी जानकारी देकर एक वाट्सअप में उन्हें जोड़कर ग्रुप बनाये और वहां माहेश्वरी समिति का गठन करें। विशेष बात है सभी के समानता का भाव रखे। किसी भी कार्यक्रम में कोई भेदभाव नहीं हो। जितना टैलेंट जिसमें हो उसे उभरने दो दबाओ मत। ईर्ष्या, जलन झगड़े के डर से आम परिवार आगे नहीं आना चाहता है और जो सुविधा देता है उसके लाभ से भी वंचित रह जाता है। समाज को सामाजिक कार्यक्रमों के लिए फंड की व्यवस्था करनी चाहिए और खर्च की लिमिट भी बांधकर रखनी होगी। खाने और सजावट में दिखावे में कम खर्चकर गांवों में कार्यक्रम के लिए खर्च की व्यवस्था करें। बच्चों के पढ़ाई व टेलेंट में जो आगे हैं उन्हें सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम करें। इससे उनको समाज से जुड़ने का प्रोत्साहन मिलेगा।

भगवती-शिवप्रसाद बिहानी
नाजिरा सिबसागर, असम

मंचासीनों का आम समाजजनों से जुड़ाव नहीं होता

माहेश्वरी समाज का जो वर्तमान स्वरूप है, उसके दो पहलू हैं। एक जो मंच पर विराजमान नेताओं के नूर से, विचारों से टपकता है, दूसरा स्वरूप वो है जो वास्तव में पदाधिकारियों की कार्यशैली का है। पिछले 10/15 वर्षों से समाज सीधा-सीधा 2 भागों में विभक्त हैं। आम समाजजन, मंच से बड़ी-बड़ी बातें तो सुनता है, लेकिन धरातल पर स्वयं को अकेला पाता है। आम समाजजन के जीवन, मरण, परण इत्यादि में किसी मंचासीन

समाजजन का दिल से जुड़ाव नहीं मिलता है। सबसे बड़ी समस्या बच्चों के विवाह की आती है। सम्मेलन इत्यादि आयोजन होते हैं, लेकिन उसमें नेतागिरी, भाषणबाजी, नाम की अधिकता होती है। संगठन के पदाधिकारियों का अहंकार, झूठी शान, पैसे की गर्मी उनको आम सामाजिक व्यक्ति से दूर रखती है। आज से 50 साल पूर्व तक उद्योगपति सामाजिक व्यक्ति को नौकरी, व्यापार में सहयोग करता था, आज स्थिति उलट है। समाजजन, एक-दूसरे को आगे बढ़ने नहीं देते हैं। बड़े लोग अपने वर्चस्व को बनाए रखने के लिए, किसी अन्य को आगे आने नहीं देते। धीरे-धीरे आम आदमी हतोत्साहित होकर अपमानित महसूस करता है। सामाजिक कार्यक्रमों में आयोजक सहयोगियों से घिरे रहते हैं। न संपूर्ण समाज को सादर निमंत्रित किया जाता है। न ही उनकी अनुपस्थिति को चिह्नित किया जाता है। सबको साथ लेकर चलने की परंपरा, अतीत की बात हो गई। ग्रुप बनाकर सामाजिक गतिविधियों की वाकई इतिश्री कर ली जाती है। जब तक पूरे समाज में एकजुटता, सबके सुख-दुःख में दिल से सहभागिता संगठन की नहीं होगी। तब तक आम आदमी संगठन की पहुंच से दूर ही रहेगा।

श्रीकांत बागड़ी, उज्जैन व मुंबई

चुनाव न होने से हुआ एक वर्ग का आधिपत्य

सामाजिक संगठनों में चुनाव नसीं सिलेक्शन होने के कारण, राजनीति का अखाड़ा बने संगठनों में नाम और शौहरत की चाह वाले धनाढ्य वर्ग का आधिपत्य है। आम आदमी की तकलीफों से सर्वथा अनजान, ये नेतृत्व, वैचारिक शक्ति के अभाव में संगठन के अंतर्गत कार्यक्रम तो करते हैं पर वो बहुधा जनोपयोगी न होकर मनोरंजक होते हैं, जिससे आम आदमी उससे जुड़ाव का अनुभव नहीं कर पाता। इसके अलावा सामाजिक विषमताओं वाले हमारे समाज में, अनुभवी और कमजोर नेतृत्व के साथ-साथ ऐसे कर्मठ कार्यकर्ताओं की भी कमी है जो अपने व्यस्त जीवन में से समय निकालकर, आम आदमी तक पहुंच बना कर उसे संगठन से जोड़ सके। इसके अलावा हमारे संगठनों के युवाओं में जोश है पर अनुभव नहीं और वो अपने वरिष्ठजनों की बात सुनना नहीं चाहते, बुजुर्गों में अनुभव है पर जोश नहीं, और वो युवाओं की उच्छंखलता सहन नहीं कर पाते जिसके कारण दोनों में वैचारिक मतभेद रहते हैं। संगठनों में आपस में ही एकता का अभाव रहता है, जिसके कारण भी सब मिलकर कार्य ही नहीं कर पाते तो आम आदमी को संगठन से जोड़ने का प्रयास भी सफल नहीं हो पाता।

मंजू मालपानी
भायंदर वेस्ट, थाने, महाराष्ट्र
कार्यक्रम संयोजिका भायंदर माहेश्वरी महिला समिति
व कोषाध्यक्ष जिला माहेश्वरी महिला संगठन

गहन चिंतन का विषय

आपने जो विषय उठाया है वह निश्चित रूप से सराहनीय है परंतु इस पर गहन चिंतन की आवश्यकता है कि किस व्यक्ति तक संगठन नहीं पहुंचा? कई बार हम इस तरह के प्रश्न उठाते हैं जो वास्तविक नहीं काल्पनिक होते हैं यह विषय भी काल्पनिक है, क्योंकि संगठन किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं है। उसका एक क्रम है, स्थानीय इकाई जिला सभा प्रदेश सभा और सर्वोपरि अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा। अभिश आया है कि आप जिसे आम व्यक्ति कह रहे हैं वह महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष या अन्य पदाधिकारी को ही संगठन क्यों मानता है, जबकि उस तथाकथित आम आदमी के नगर या जिले से ही कोई व्यक्ति इस कार्यकारिणी में है। मैं इसका कारण भी समझता हूं क्योंकि वह व्यक्ति अपने छद्म अहंकार के कारण अपनी कमी को स्थानीय व्यक्तियों से साझा नहीं करना चाहता क्योंकि स्थानीय लोगों के सामने वह अपने मिथ्या अभिमान में जीना चाहता है। संसार में एक नियम है कि प्यासा कुएं के पास जाता है पर हमारा ही एक प्यासा है जो कुएं से अपेक्षा करता है कि वह प्यासे के पास आकर उसकी प्यास बुझाए। ऐसे प्रत्येक व्यक्ति जिसके छद्म अहंकार को ठेस पहुंची हो उन सभी से क्षमा प्रार्थना के साथ।

बृजगोपाल लोया
उदयपुरा जिला रायसेन मप्र

संगठन ही जिम्मेदार

आम व्यक्ति तक संगठन नहीं पहुंच पाता है इसका मुख्य कारण भी संगठन ही है। संगठन के पास आम व्यक्ति जब जाने की कोशिश करता है तब संगठन के ही कुछ ठेकेदार उनको संगठन तक पहुचने नहीं देते। सेवा की भावनाओं से लबरेज होकर बनने वाले सामाजिक संगठन आजकल सेवा-भाव से विमुक्त होकर राजनीतिक अखाड़ा सा बन रहा है। पदों पर अपने आप को सुगम बनाने के लिए करीबी व्यक्तियों का चयन, संख्या बल बढ़ाकर अपनी ही बात को सर्वोपरि बताना एक रिवाज सा बन गया है। इसलिए आम जन का संगठन से मोहभंग हो रहा है। एक महत्वपूर्ण कारण ये भी है कि बहुत से व्यक्ति उनके अपने ही होते हैं और कुछ उनकी जान पहचान वाले होते हैं। उनको यही लगता है कि आम व्यक्ति के लिए ये संगठन नहीं है और ना ही संगठन के पास उनकी समस्याओं को सुनने का वक्त है। ना ही संगठन को आम व्यक्ति की किसी भी प्रकार की जरूरत है। कुछ व्यक्तियों का तो ये भी मानना है के संगठन आम व्यक्ति के लिए है ही नहीं। इसी वजह से संगठन को आम व्यक्ति तक पहुंचने में दिक्कत आती है। जब तक संगठन खुद को एक आम व्यक्ति की तरह संगठित नहीं करेगा तब तक संगठन आम व्यक्ति तक कभी नहीं पहुंच पाएगा और ना ही आम व्यक्ति संगठन की ओर। संगठन को आम व्यक्ति तक पहुंचने के लिए आम व्यक्ति के लिए एक खुला मंच तैयार करना होगा। आमजन के बीच संगठन को लाना पड़ेगा तभी संगठन तक आमजन पहुंच पाएगा और संगठन आम जन तक।

प्रमिला कमल राठी, पुणे

मूल उद्देश्य से भटक जाते हैं

ऐसा इसिलए होता है क्योंकि हम अपनी संस्था के मूल उद्देश्य से भटक जाते हैं। हम इसे चालू करते वक्त समाज के वंचित और कमजोर लोगों का सहारा बनने का ध्येय रखते हैं। बाद में उसे समाज बनाने में लग जाते हैं और इसको मौज-मस्ती का अड्डा बनाकर मूल उद्देश्यों से दरकिनार हो जाते हैं।

यही वजह है कि आम व्यक्ति इन संस्थाओं में जुड़ाव महसूस नहीं करता। अपने समाज के अलावा पब्लिक के लिए भी उपयोगी स्वास्थ्य लाभ के कैंप लगाना भी चाहिए या शिक्षा में मदद करनी चाहिये, तभी लोग हमारे समाज के बारे में अच्छा आकलन करेंगे। कम से कम 10 समाज के अंत्योदय परिवारों को उठाने का बीड़ा तो उठाना ही चाहिए। कोई मुश्किल बात नहीं। सिर्फ संस्था के गठन का मूल उद्देश्य याद रखें।

रामनिवास झंवर, फरीदाबाद

प्रत्यक्ष सहभागिता बढ़ाए संगठन

संगठन जिले के दौरे तो करता है पर वे खर्चीले होते हैं। आवभगत व कार्यालय आदि में समय पैसा चला जाता है। हम समाजसेवा कर रहे हैं तो इन सब चीजों को तिलांजलि देते हुए संगठन में काम करना चाहिए। जब सामाजिक कार्य होते हैं जैसे गणगौर निकलती है या सामूहिक विवाह होते हैं या सामूहिक ऊजवणे। तब संगठन के कार्यकर्ता आकर हौसला बढ़ाएं चाहें तारीफ करके या पैसों की सहायता से तो आम व्यक्ति को संगठन का कार्य समझ में आएगा। गांवों की जानकारी अगर व्हाट्अप द्वारा दी जाए और ऊपर से उन कलाकारों की प्रशंसा में मैसेज या पत्र आए तो जिला स्तर में हमारी तारीफ हुई या सोचकर लोग स्पर्धा आदि में सहयोग लेंगे और संगठन से जुड़े रहेंगे। अधिकांश गांवों में विधवाओं का पुनर्विवाह, मौत के दिन का भोजन, गरीब को मशीन या ऐसी चीजों का वितरण आदि होता रहता है। वहां संगठन के कार्यकर्ता आकर सहभाग दिखाए तो शायद या सचमुच समाज कार्य कर रहे हैं, ऐसी भावना पनपेगी और लोग जुड़े रहेंगे।

दीपा बंग, बीड़

संगठनात्मक व्यवस्था में सुधार जरूरी

आम आदमी तक संगठन नहीं पहुंच पाता। इसमे संगठन की भी कमी है। संगठन के पदाधिकारियों की नियुक्ति धन बल के आधार पर होती है या अपने रिश्तेदारों को आगे लाया जाता है। चाहे वह उस पद के लायक योग्यता न रखता हो। उसके पास समय भी न हो। पदाधिकारी बनने के बाद सामाजिक समस्या को हल करने का प्रयास किया जाता है तो उस पदाधिकारी पर उच्च पदाधिकारियों द्वारा इतना दबाव बनाया जाता है कि समस्या का हल न हो। समाज में किसी भी धनी के यहां सामाजिक काम आता है तो समाज को एकता में लाने के लिए महासभा के पदाधिकारी पहुंच जाते हैं लेकिन उसके बाद जब मध्यम वर्ग के यहां कार्य आता है तब समाज का वापस बिखराव होता है तब अदृश्य हो जाते हैं महासभा के पदाधिकारी। इसका समाधान यही है कि पदाधिकारियों का चुनाव पारदर्शिता से हो व स्वतंत्र चुनाव आयोग का गठन कर पर्याप्त समय दिया जाए।

महावीर अजमेरा

निर्वतमान अध्यक्ष,माहेश्वरी सभा हुरड़ा व जिला प्रतिनिधि

आम व्यक्ति अधिक जिम्मेदार

संगठन आम आदमी तक पहुंच रहा है। संगठन की एक-एक जानकारी आम आदमी तक पहुंच रही है, मगर आम आदमी के आलस्य व जीवन जीने की कला में शुमार होने से वह समाज से दूरी बनाए रखना चाहता है। इसका एक कारण यह भी है कि उसकी आर्थिक स्थिति सभी के सामने न आए। यही कारण है कि घर-घर जाकर सर्वे करने के बावजूद आम आदमी अपनी जानकारी लिख कर देने में आनाकानी करता है। कई बार तो समाज के लोगों पर प्रहार करता है कि 'आप के पास कोई काम नहीं जो, बार-बार आ जाते हो'। ऐसे लोग के लिए समाज विरोधी चर्चा व सुर्खियों में रहना आजकल फैशन बन गया है।

राजेश तोषनीवाल, भीलवाड़ा

सभी समझें संगठन का महत्व

एकता का ही दूसरा नाम संगठन है और संगठन में शक्ति है। लकड़ी के गट्ठे को कोई नहीं तोड़ पाता परंतु उस गट्ठे की एक-एक लकड़ी को कोई भी कभी भी तोड़ सकता है। कहने का आशय यह कि चाहे कोई छोटा हो या बड़ा सभी के लिए संगठन का समान महत्व है। हमें इसके महत्व को समझते हुए सदैव संगठन की मजबूती हेतु आगे रहना चाहिए। इस माह के विषय पर सबसे पहले कहना चाहूंगा कि संगठन में कोई आम और कोई खास नहीं होता और जहां पर यह भावना पनपती है वहां पर संगठन की एकता एक क्षण को भी सांस नहीं ले सकती। संगठन की दरी पर हर एक को बैठने का व बोलने का अधिकार प्राप्त है और हमें अपने इस अधिकार को याद रखना चाहिए और अवसर आने पर संगठन में सभी को याद भी दिलवा देना चाहिए। चूंकि संगठन अनेक व्यक्ति, विचार व व्यवहार का समागम है। अतः यदा कदा संगठन के पदों में वे भी बैठ जाते हैं जिनसे आमजन को निराशा व हताशा हाथ लगती है। अतः ऐसे हवा में रहकर कार्य करने वालों के कारण संगठन के प्रति गलत धारणा बनाना व पूरे संगठन पर प्रश्नचिह्न खड़ा करना न्यायोचित नहीं होगा। योग्य, सक्षम व विचारवान व्यक्ति यदि संगठन का नेतृत्व करे तो वह निश्चित ही बिना किसी भेदभाव के हर एक तक पहुंचकर उनके सुख - दुःख का साथी बनता है।

- विट्ठल भूतड़ा

अध्यक्ष, छग प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

संगठन स्तर पर जानकारी ही नहीं

अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन जनवरी में जोधपुर में हो रहा है जिसकी सूचना मात्र सोशल मीडिया पर ही छाई रही जबकि समाज के संगठन बने हुए हैं। क्यों नहीं आम समाजजनों तक इसकी जानकारी संगठन के माध्यम से दी गई ओर रजिस्ट्रेशन भी संगठन के माध्यम से क्यों नहीं करवाए गए? समाज के वरिष्ठ सदस्य जो सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करते हैं उनके द्वारा जिलाध्यक्ष से पूछा गया कि जोधपुर जाने की क्या व्यवस्था है? तो उन्होंने कहा कि सभी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा कर ही। अधिवेशन में भाग ले रहे हैं। आप भी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा कर शामिल हो सकते हैं। हमारे पास अधिवेशन को लेकर किसी प्रकार की कोई लिखित जानकारी ऊपर से नहीं है। साथ ही माहेश्वरी समाज की अनेक पत्र-पत्रिकाएं प्रकाशित होती हैं परंतु माहेश्वरी मुखपत्र को छोड़कर अन्य सामाजिक पत्र-पत्रिकाओं में भी अधिवेशन से संबंधित कोई सामग्री प्रकाशित नहीं करवाई गई। ऐसा सुनने में आया है कि इन पत्र-पत्रिकाओं को भी अधिवेशन से वंचित रखा गया एसा क्यों?

- रेखा सोनी, भीलवाड़ा

एक व्यक्ति, एक पद का सिद्धांत लागू हो

माहेश्वरी समाज के विभिन्न संगठन समाज के हित के लिए बने हैं। फिर भी इससे आम व्यक्ति का जुड़ाव नहीं हो पाता। उसे लगता ही नहीं कि यह उसका अपना संगठन है। यह बात 100 प्रतिशत सही है क्योंकि महेश्वरी समाज में प्रत्येक पद के लिए अत्यधिक आपाधापी रहती है। उसका कारण भी है, प्रत्येक माहेश्वरी बंधु भगवान महेश की संतान है और हर तरीके से हर कार्य को करने के लिए संपन्न हैं। जहां तक मैं समझता हूं प्रत्येक पद के लिए उम्र सीमा पर पूर्णतया पारदर्शिता पूर्वक नियम लागू होने चाहिए। ऐसी व्यवस्था महासभा के द्वारा बनानी चाहिए 'एक व्यक्ति एक पद' पर कार्य कर सके और यह अवश्य होना चाहिए एक ही कार्यकाल में एक व्यक्ति एक पद पर रहे। चाहे वह क्षेत्रीय, नगर, जिला, प्रदेश या महासभा, उसका वोट भी सिर्फ वहीं पर हो जिसमें वह सदस्य है दुर्भाग्य से महासभा के प्रदेश के जिलों के सदस्य भी नगर और क्षेत्रीय संगठन में वोट देते हैं जो दुर्भाग्यपूर्ण है। इस पर तुरंत प्रतिबंध होना चाहिए। तभी आम माहेश्वरी संगठन से जुड़ पाएगा।

दिनेश पटवारी, भीलवाड़ा

परंपराओं पर दें ध्यान

आम आदमी तक संगठन नहीं पहुंच पाता इसका कारण यह है कि नगर संगठनों से महासभा का कोई सीधा संवाद नहीं है। जिला/प्रादेशिक सभा के पदाधिकारी महासभा द्वारा संचालित न्यासों का लाभ आम आदमी तक पहुंचने के लिए सजग नहीं हैं। संगठनों के पदाधिकारी उच्चतर संगठनों में जाने के लिए स्वयं की महिमावर्धन के लिए सक्रिय हैं। जब तक जिला व इससे उच्चतर संगठनों के पदाधिकारी नगर संगठनों के कार्यक्रमों में मंचासीन होने की बजाए आम आदमी के पास बैठना नहीं सीखेंगे तब तक संगठन आम आदमी से दूर ही बना रहेगा। अनुभवी बुजुर्गों की अनदेखी कर पद प्रतिष्ठा पाने के लिए धन बल एवं तिकड़म की चुनाव के समय प्रधानता रहेगी, समाजसेवा की बजाए स्व-प्रतिष्ठा पाना ही ध्येय होगा तब तक संगठन आम आदमी तक नहीं पहुंच पाएगा। हमारी परंपराएं, संस्कार इनको संजोने की बजाए, सामाजिक समस्याओं की अनदेखी कर केवल सभा आयोजनों के माध्यम से आदर्शवादी बातें करते रहने से आम-आदमी से संगठन की दूरी बनी रहना स्वभाविक है।

श्रीकांत काबरा, भोपाल

सभी को मिले दायित्व

समाज लोगों के एक ऐसे समूह का नाम है, जो भावनात्मक और सामाजिक स्तर पर, विभिन्न तरीके से एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं। सहयोग एवं संगठन की प्रबल भावना ही सभी लोगों की पहली प्राथमिकता होती है। ऐसे में आम व्यक्ति तक संगठन का पहुंचना बेहद आवश्यक होता है। कई बार, कई लोगों को उनकी योग्यतानुसार पद व कार्य नहीं मिलता, तो वे उपेक्षित होकर अपने आपको संगठन से अलग कर लेते हैं। बहुत सारी प्रतिभाओं का सदुपयोग भी कई बार नहीं हो पाता है। शिक्षित लोगों को, अनुभवी लोगों को एवं खासकर युवाओं को यदि बेहतर अवसर मिलेंगे, तो वे समाज के संपूर्ण विकास में अपना योगदान देने के लिए, निश्चित तौर पर प्रेरित होंगे। कार्य का विभाजन भी उचित तरीके से हो। श्रेणीबद्ध तरीके से सबको उत्तरदायित्व दिए जाएं और उसी के अनुरूप अधिकार भी सौंपें जाने चाहिए। कई बार संगठन का वाद हावी होने लगता है, तो आम आदमी किनारा करने लगता है। एक-दूसरे को पीछे धकेलकर नहीं, वरन एक-दूजे का सहारा बनकर आगे बढ़ना होगा।

डॉ. (श्रीमती) सूरज माहेश्वरी, जोधपुर

गहन चिंतन का विषय है यह

संगठन वह सामाजिक व्यवस्था या युक्ति है जिसका लक्ष्य एक होता है, जो अपने कार्यों की समीक्षा करते हुए स्वयं का नियंत्रण करती है, तथा अपने सामाजिक पर्यावरण में जिसकी अलग सीमा होती है। संगठन का हमारे जीवन में बेहद महत्व है। जैसे कि संगठन की वजह से समन्वय में सुविधा होती है। अच्छे मानवीय संबंधों का बढ़ावा मिलता है। मानवीय मनोबल का विकास, रचनात्मक विचारधारा को प्रोत्साहन, व्यवस्था का निर्माण होता है। सुविधा, तकनीकी, सुधारों का समुचित उपयोग इत्यादि विशेष गुण का महत्व होने के बाद भी "आम आदमी तक क्यों नहीं पहुंच पाता संगठन" यह प्रश्न पहेली बना गया है।

विचार पूर्वक सच में सोचा जाए कि ऐसी क्या वजह है कि संगठन आम आदमी तक नहीं पहुंच पाता संगठन। संगठन में तो इतनी सारी सुविधाएं हैं कि हर कोई अपनी जरूरतों के अनुसार उन सुविधाओं का लाभ ले सकता है। पर परेशानी की बात यह है कि ये सारी सुविधाएं आम आदमी तक पहुंचती ही नहीं। तो फिर आम आदमी को इन सबका लाभ कैसे होगा और वे कैसे जुड़ेंगे भला संगठन से? संगठन को आम आदमी से जोड़ने के लिए जनजागृति उत्पन्न करनी होगी। आम लोगों को बताना होगा कि संगठन का क्या महत्व है? जब आम लोगों को समझ आएगा कि सच में संगठन हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, तो वे अपने आप ही संगठन से जुड़ जाएंगे। यही संगठन की असली जीत होगी।

अंकिता-चेतन राठी
प्राध्यापिका, खामगांव

आम आदमी तक पहुंचने की मानसिकता बनें

"संगठन में शक्ति है" यह उक्ति सर्वविदित है। समाज के प्रत्येक वर्ग का उत्थान तभी संभव है, जब उसे संगठन का संबल प्राप्त हो सकें। अतः संगठन तक आम आदमी की पहुंच सहज सुलभ होने पर ही उसकी प्रगति संभव है। संगठन की दुर्बलता यह भी रहती है कि संगठन में आम आदमी कम तथा विशेष आदमी की अधिक भागीदारी रहती है। संगठन का नीचे तक पहुंच का अभाव होने से आम आदमी उपेक्षित रहता है। समाज के पदाधिकारियों को समाजगत दुर्बलताओं का अहसास होना चाहिए तथा उसे संगठन स्तर पर दूर करने का जमीनी स्तर पर प्रयास होना चाहिए। संगठन तक आम आदमी की पहुंच तभी संभव होगी, जब मध्यम वर्ग के प्रति विशेष उदारता हो। उनकी समस्याओं के समाधान की

दिशा में अग्रसर हों। बड़ों की खर्चीली शादियां, पदाधिकारी चयन में अपार धन का व्यय होना, सामाजिक समारोह में दिखावा, आडंबर तथा अनावश्यक प्रदर्शन मध्यम वर्ग को प्रभावित करता है। इससे दूरियां भी बढ़ने लगती है। मध्यवर्गीय प्रतिभाओं को रोजगार, गरीबी उन्मूलन, मध्यम वर्ग को ऊंचा उठाने की कार्ययोजनाओं का क्रियान्वयन तथा संगठन स्तर पर दी जाने वाली आर्थिक सहायता से योजनाओं को सहज सुलभ बनाया जाए। रूढ़ियों और कुरीतियों का बहिष्कार हो। वैचारिक क्रांति के लिए पत्र-पत्रिकाओं का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार हो। सामाजिक प्रतिभाओं को शासन और प्रशासन में समुचित संकल्प के साथ सामान्य जन तक पहुंचने की मानसिकता बनाएंगे तो अवश्य ही आम आदमी तक संगठन की पहुंच अवश्य बनेगी।

शंकरलाल माहेश्वरी, आगूचा, भीलवाड़ा

आम व्यक्ति को अवसर कोई नहीं देता

सामाजिक संगठन का नेतृत्व अपना बदलाव नहीं चाहता। अतः वह केवल आम सदस्य को पंगु बनाए रखता है। उसे कभी भी अपना साथी नहीं बनाना चाहता केवल दास के रूप में ही रखना चाहता है। एक बार किसी एमजीओ में कार्य नेतृत्व करनेके बाद पुनः उसी पद पर खड़ा होकर अपने समर्थकों में अपना नाम प्रस्तावित करने हेतु कहा जाता है। सामान्य सदस्य का साथ देने का या उसे नेतृत्व देने का प्रयास कोई नहीं करता। इसमें सामान्य सदस्यों का भी दोष हैं कि वे अपने अधिकारों को जानने का प्रयास नहीं करते। सभाओं में नियमित उपस्थिति इसमें बदलाव परिवर्तन कर सकती है। शिक्षा का प्रसार भी लाभदायक है। संगठन की सभाओं में उपस्थिति अनिवार्य करना चाहिए। प्रशिक्षण, अधिवेशन आदि लाभदायक हो सकते हैं।

महावीर जागेटिया, भीलवाड़ा

यह स्थिति कटु सत्य

"संगठन में शक्ति है। यह कहावत वर्षों से चरितार्थ है। पर आज भी संगठन आम व्यक्ति तक अपनी पहुंच नहीं बना पाया। इसके कुछ मुख्य कारण हैं जिनके समाधान से समस्या हल हो सकती है। संगठन में गुटबाजी नहीं पनपनी चाहिए। संगठन की कार्यकारिणी में समाज के हर व्यक्ति चाहे वह छोटा, बड़ा, अमीर, गरीब, मध्यम हो सभी को एक सूत्र में पिरोना चाहिए। कार्यकारिणी द्वारा संगठन में चल रही गतिविधियों को पारदर्शी रखना चाहिए। संगठन द्वारा चलाए जा रहे सभी तरह के कार्य जैसे राजनीतिक, सामाजिक, रचनात्मक, आर्थिक व सभी तरह की भावी योजनाओं की जानकारी समाज के आमजन तक पहुंचाना चाहिए व सभी प्रकल्पों का लाभ आमजन तक पहुंचना चाहिए। समय-समय पर जनप्रभावी कदम उठाते रहना चाहिए जिससे आमजन जुड़े।

सत्यनारायण तोषनीवाल, भीलवाड़ा

आम व्यक्ति को भी मिले अवसर

सामाजिक संगठन का मूल उद्देश्य तो समाज के आम व्यक्ति के जीवन को संबल प्रदान करना है परंतु समय के साथ संगठन सामाजिक प्रतिष्ठा का मंच बन गया है। समाज में पद एक बड़ी प्रतिष्ठा देता है। इसलिए सारी ऊर्जा सामाजिक संगठन में पद पाने के लिए लगा दी जाती है। केवल धन संपन्न व्यक्ति ही सामाजिक संगठनों में पदाधिकारी बनते हैं। आम व्यक्ति संगठन में उच्च पदों पर नहीं पहुंच पाता है। जब संगठन केवल अतिविशिष्ठ व्यक्तियों का समूह बन जाता है तब उसे समाज के अंतिम छोर पर बैठे आम व्यक्ति की पीड़ा का अहसास नहीं होता। आज माहेश्वरी समाज में जो आम व्यक्ति की परेशानी है, उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। योजनाएं बनी हैं, पर जिसके लिए बनी हैं, उस तक प्रभावी रूप से पहुंच नहीं पा रही। इस समस्या के समाधान के लिए हमें सामाजिक पदों पर प्रामाणिक व्यक्तियों को लाना होगा। केवल धन व चंदा देने की क्षमता किसी को अध्यक्ष सचिव बनाने की योग्यता नहीं होनी चाहिए। सभी सामाजिक पदों पर एक व्यक्ति अधिकतम एक या दो बार ही आसीन हो ऐसा नियम होना चाहिए। ताकि नए लोगों को मौका मिले व चाटुकारिता खत्म हो। आम व्यक्ति तक संगठन पहुंचे, इसके ठोस प्रयास करने चाहिए। जैसे होस्टलों में अल्प आय वर्ग को 75 प्रतिशत छूट हो, प्रतिष्ठा प्रदर्शन महंगी शादियों में अत्यधिक धन खर्च को रोकने के लिए नियम बनाए जाएं। आम व्यक्ति के प्रतिभाशाली बच्चों की निःशुल्क रियायती दर शिक्षा की व्यवस्था आसान की जाए। ऐसे ही ठोस उपाय किए जा सकते हैं।

- राकेश मंडोवरा, भीलवाड़ा

उदासीनता का रवैया

इस समस्या का मुख्य कारण है, स्थानीय पदाधिकारियों की उदासीनता। अपवाद को छोड़ दें तो ज्यादातर सदस्यों को पद की लालसा रहती है। वे इसके लिए उसकी सेवा पथ से उपासना नहीं करते। अगर हर स्तर के पदाधिकारी पूरी लगन व निष्ठा से अपने पदानुसार समाज की सेवा करे तो यह कार्य असंभव नहीं है। वैसे इस विषय पर गहन चिंतन की जरूरत है। **- बिनोद बिहानी**

सचिव फरीदाबाद माहेश्वरी मंडल व
कार्यकारिणी सदस्य अभामाम

आम व्यक्ति का महत्व नहीं समझते

संगठन का मकसद ही है सबको साथ लेकर सब की सलाह, सहमति, सोच, समझदारी व सहयोग से संस्था को सुचारु रूप से सिंचित करें। पर संस्था के पदाधिकारी अपने पद के मद में आम आदमी को नजरअंदाज कर खुद संस्था के कार्य की वाहवाही लूटना चाहते हैं। नाम कमाने की लालसा में वो यह भूल जाते हैं कि उनको इस पद पर पदासीन आम आदमी ने ही अपना मत प्रदान कर किया है। अगर संगठन में अपना वर्चस्व बनाए रखना है, तो सब के दिल में अपने अच्छे व्यवहार से पहुंच बनाकर भी नाम कमा सकते हैं। स्वयं सत्ता कायम रखने की कामना रोड़ा बनकर खड़ी हो जाती है, इसे पार करना मुश्किल होने के कारण संगठन आम आदमी तक पहुंच ही नहीं पाता। संगठित समाज, मोहल्ला व संस्था असंगठित के मुकाबले बलशाली होता है, यह जानते हुए भी संगठन आम आदमी तक नहीं पहुंच पाता। संगठन परोसा नहीं जाता, बनाना पड़ता है। इस अहं कि मैं सबसे ज्यादा जीनियस हूं, मैं धनी हूं, मैं ज्ञानी हूं, आदि न जाने कितने 'मैं' पाले हुए लोग आम आदमी को संगठन से जुड़ने नहीं देता। संगठन तब तक सफल नहीं होता जब तक संग में ठनी हुई है। याद रखें हर कोई सबकुछ नहीं जानता पर, हर एक कुछ ना कुछ जरूर जानता है। अतः सबका साथ सबका विकास-आम आदमी से ही समाज, देश व संगठन का विकास संभव होगा।

कलावती करवा

कूच बिहार पश्चिम बंगाल

हर पर्व का अपना महत्व है, अपना कारण और अपना महत्व। यही भारतीय संस्कृति की विशेषता है। इन्हीं पर्वों में से एक है मकर संक्रांति। यह एक ऐसा पर्व है जो सीधे-सीधे प्रकृति के साथ जुड़ा है। यही कारण है कि इसका महत्व अत्यधिक है। इसके साथ ही कई शुभ प्रभावों की उत्पत्ति भी मानी जाती है।

सूर्य के शुभ प्रभावों का शुभारंभ पर्व
मकर संक्रांति

टीम SMT

सूर्य के भ्रमण के आधार पर वर्ष उत्तरायण एवं दक्षिणायन दो भागों में बराबर-बराबर बंटा होता है। जिस राशि में सूर्य की कक्षा का परिवर्तन होता है, उसे संक्रमण काल कहा जाता है। चूंकि 14 जनवरी को ही सूर्य प्रतिवर्ष अपनी कक्षा परिवर्तित कर दक्षिणायन से उत्तरायण होकर मकर राशि में प्रवेश करता है, अतः मकर संक्रांति प्रतिवर्ष 14 जनवरी को ही मनायी जाती है। चूंकि हमारी पृथ्वी का अधिकांश भाग भूमध्य रेखा के उत्तर में यानी उत्तरी गोलार्द्ध में ही आता है। अतः मकर संक्रांति को ही विशेष महत्व दिया गया। भारतीय ज्योतिष पद्धति में मकर राशि का प्रतीक घड़ियाल को माना गया है जिसका सिर एक हिरण जैसा होता है। पाश्चात्य ज्योतिषी मकर राशि का प्रतीक बकरे को मानते हैं। हिंदू धर्म में मकर (घड़ियाल) को एक पवित्र पशु माना जाता है। चूंकि हिंदुओं में अधिकांश देवताओं का पदार्पण उत्तरी गोलार्द्ध में ही हुआ है, इसलिए सूर्य की उत्तरायण स्थिति को ये लोग शुभ मानते हैं। मकर संक्रांति के दिन सूर्य की कक्षा में हुए परिवर्तन को, अंधकार से प्रकाश की ओर हुआ परिवर्तन माना जाता है। मकर संक्रांति से दिन में वृद्धि होती है और रात का समय कम हो जाता है। इस प्रकार प्रकाश में वृद्धि होती है और अंधकार में कमी होती है। चूँकि सूर्य ऊर्जा का स्रोत है, अतः इस दिन से दिन में वृद्धि हो जाती है। यही कारण है कि मकर संक्रांति को पर्व के रूप में मनाने की व्यवस्था हमारे भारतीय मनीषियों द्वारा की गयी है।

गीता में उत्तरायन का महत्व

गीता के आठवें अध्याय में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा भी सूर्य के उत्तरायण का महत्व स्पष्ट किया गया है। वे कहते कि 'हे भरत श्रेष्ठ! ऐसे लोग जिन्हें ब्रह्म का बोध हो गया हो, अग्निमय ज्योति देवता के प्रभाव से जब छह माह सूर्य उत्तरायण होता है, दिन के प्रकाश में अपना शरीर त्यागते हैं, पुनः जन्म नहीं लेना पड़ता है। संभवतः सूर्य के उत्तरायण के इस महत्व के कारण ही भीष्म ने अपना प्राण तब तक नहीं छोड़ा, जब तक मकर संक्रांति अर्थात सूर्य की उत्तरायण स्थिति नहीं आ गयी। सूर्य के उत्तरायण का महत्व छांदोग्यपनिषद में भी किया गया है। इस प्रकार स्पष्ट है कि सूर्य की उत्तरायण स्थिति का बहुत ही अधिक महत्व है। सूर्य के उत्तरायण होने पर दिन बड़ा होने से मनुष्य की कार्यक्षमता में भी वृद्धि होती है जिससे मानव प्रगति की ओर अग्रसर होता है। प्रकाश में वृद्धि के कारण मनुष्य की शक्ति में भी वृद्धि होती है और सूर्य की यह उत्तरायण स्थिति चूंकि मकर संक्रांति से ही प्रारंभ होती है, यही कारण है कि मकर संक्रांति को पर्व के रूप में मानने का प्रावधान हमारे भारतीय मनीषियों द्वारा किया गया और इसे प्रगति तथा ओजस्विता का पर्व माना गया जो कि सूर्योत्सव का द्योतक है।

कैसे मनता है परंपरा में पर्व

▸▸ कहते हैं मकर संक्रांति से दिन तिल-तिल बढ़ता है। अतः महिलाएँ पति की दीर्घायु की कामना के लिए व परिवार की सुख-शांति के लिए मकर संक्रांति से वसंत पंचमी व चैत्र माह के पूरे महीने हल्दी-कुमकुम का आयोजन करती हैं।

▸▸ मकर संक्रांति के दिन विवाहित महिलाएँ आपस में एक-दूसरे को हल्दी कुंकु का टीका लगाती हैं, तिल से बनी मिठाई खिलाती हैं और मेहमान महिलाओं को सुहाग की चीजें उपहार में देती हैं। जैसे-बिछिया, पायजब, कंगन, कुमकुम, बिंदी आदि।

▸▸ इस दिन सुबह तिल, मलाई, हल्दी को मिलाकर उबटन करने का अपना अलग ही मजा है। यह उबटन त्वचा को सुंदर व कांतिमय बना देता है। आज के दिन दान का विशेष महत्व माना गया है। ब्राह्मणों को भोजन करवाना, दक्षिणा देना, गाय को घास देना, इस पर्व पर विशेष रूप से किए जाते हैं।

▸▸ महाराष्ट्रीयन समाज में इस पर्व का विशेष महत्व है। इस पर्व पर महिलाएँ एक-दूसरे को मिट्टी के छोटे से मटकेनुमा बर्तन में चने के होले, तिल-गुड़ के लड्डू, मूँग, चावल, गाजर व बोर मिलाकर भर कर देती हैं।

▸▸ संक्रांति के दिन नई बहू व नवागंतुक शिशु को तिल के सुंदर गहने पहनाए जाते हैं। वहीं गुजरात में इस दिन बाजरे के रोटले के साथ उन्धिया छत पर बैठकर चटखारे ले-लेकर खाया जाता है।

▸▸ इस दिन बच्चों में भी विशेष उत्साह देखा जा सकता है। बच्चे हों या बड़े सभी मकर संक्रांति पर पतंगबाजी का आनंद लेते हैं। पूरा आकाश नीले-पीले, लाल, हरे पतंगों से सराबोर दिखाई देता है। इस प्रकार यह त्यौहार मिलने-मिलाने, तिल-गुड़ खाने का एक विशिष्ट त्योहार है।

नववर्ष का आप हर्षोल्लास के साथ स्वागत कर चुके हैं। इस उत्साह में आपकी वे आशाएं भी शामिल हैं जो नववर्ष को लेकर अच्छे सपने दिखा रही है। आईये इस बार लाल किताब से जाने कैसा रहेगा आपका नववर्ष 2019 और इसे और भी अच्छा बनाने के लिए क्या करें?

पं. अखिलेश शर्मा, उज्जैन

लाल किताब से जाने कैसा रहेगा आपका वर्ष 2019

साल 2019 में मेष राशि के जातकों को आर्थिक मोर्चे पर अप्रैल तक मेहनत करनी होगी। धन की बचत आपको चिंतित रखेगी, जरूरी खर्च अधिक होंगे और आमदनी कम रहेगी। पीठ पीछे कोई आपकी बुराई कर सकता है। अतः अपना आचरण मर्यादा के अनुरूप ही रखें। स्वास्थ्य की दृष्टि से गरिष्ठ भोजन का अधिक सेवन अपच और गैस के रोग से पीड़ित कर सकता है। मई तक का समय आपके लिए मिला-जुला रहेगा। व्यावसायिक लोगों को फायदे के साथ नुकसान भी हो सकता है। अतः बड़े व्यापारिक निर्णय लेने से पहले अच्छे से सोच विचार कर लें। पूंजी निवेश को लेकर जोखिम न लें। मई की महीने से आपकी मेहनत रंग लाएगी और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। नौकरीपेशा लोग की सैलरी में वृद्धि होगी, साथ ही साथ वे लोग साइड बिजनेस की शुरुआत भी कर सकते हैं। कारोबारी व्यक्ति व्यापार में फायदे के लिए नई योजनाएँ बनाएंगे और उसमें सफल होंगे।

क्या करें - प्रत्येक बृहस्पतिवार को पीपल की जड़ में जल डालें। महीने में एक बार किसी मंदिर/गुरुद्वारे में 8 किलो आलू दान करें। मजदूरों को यदा-कदा भोजन कराएं, तीर्थ यात्रा पर जाएं।

साल 2019 में वृष राशि के जातकों को शारीरिक चोटें, सर्जरी एवं वाहन दुर्घटनाओं से सावधान रहना होगा। यात्रा के दौरान नुकसान होने के संकेत हैं। अतः हर तरफ से सावधान रहें। इस वर्ष कोई आपको गैरकानूनी कामों में उलझाने के प्रयास करेगा। इसलिए सतर्क रहते हुए गलत कामों से दूर रहें। इस वर्ष आपको आर्थिक कारण से बैंक से लोन लेना पड़ सकता है इसलिए जहां तक हो सके यथासंभव बजट बना कर चलें। यदि भागीदारी में काम करने की सोच रहे हैं तो पुनः विचार अवश्य कर लें। इस वर्ष किसी भी प्रकार के निवेश (विशेषकर भूमि/मकान इत्यादि) न टालें। नौकरीपेशा लोगों पर काम का अतिरिक्त बोझ आ सकता है जिसकी वजह से उनको अधिक मेहनत करनी होगी। मार्च से घर परिवार में तालमेल होने से जीवन की चुनौतियों को आप सहज भाव से झेल जाएंगे।

क्या करें - काले रंग के कपड़े न पहनें। सूर्यास्त उपरांत सरसों के तेल का दीया जलाएं। काले तिल का दान करें। लावारिस कुत्तों को भोजन दें।

इस साल मिथुन राशि के जातकों को चौकन्ना रहने की आवश्यकता है। किसी भी व्यक्ति पर आंख मूंदकर भरोसा करना ठीक नहीं रहेगा। किसी भी महत्वपूर्ण कागज पर हस्ताक्षर करने से पहले लिखी हुई बातों को अच्छे से पढ़लें और समझ लें। यदि आवश्यकता हो तो किसी वरिष्ठ अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेने में संकोच न करें। यदि आप कानूनी प्रक्रिया से गुजर रहे हैं, तो कोर्ट के बाहर परस्पर बातचीत द्वारा हल ढूंढने के प्रयास करें। अप्रैल और मई में आपकी प्रतिष्ठा और यश में वृद्धि होने के संकेत मिल रहे हैं। जून और जुलाई में दूसरों के काम में अपनी टांग न फंसाएं। अगस्त से आर्थिक एवं पारिवारिक चुनौतियां आपको हैरान परेशान कर सकती हैं। पारिवारिक उलझनें बढ़सकती हैं। अक्टूबर और नवंबर से परिवार में सामंजस्य बन जाने से स्थिति में सुधार आएगा। छात्राओं के लिए यह वर्ष कुछ कठिन कहा जा सकता है।

क्या करें - नीले कपड़े पहनने से परहेज करें, अपना स्वभाव विनम्र और नजरें चौकन्नी रखें। घर में बिजली का खराब सामान न रखें।

इस वर्ष अनचाहे और अनावश्यक खर्चों में वृद्धि होने से कर्क राशि के जातकों की आर्थिक स्थिति चुनौतीपूर्ण रह सकती है। परिवार के सदस्यों के बीच तालमेल बिठाना आपके लिए इस वर्ष की सबसे बड़ी चुनौती हो सकती है। जुलाई और अगस्त के महीने में आपके धैर्य की परीक्षा होगी। जीवनसाथी से पूर्ण सहयोग प्राप्त होने से आप अनेक प्रकार के कष्ट बिना कोई तकलीफ महसूस किए झेल जाएंगे। घर के वरिष्ठ सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर

चिंता बनी रहेगी परन्तु अंततः चिंता बेकार ही साबित होगी। कला क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति संतोषजनक प्रदर्शन कर पाएंगे। कृष्ण पक्ष में आरंभ किए गए कार्य शुभ एवं लाभदायी सिद्ध होंगे। ध्यान रखें कि इस वर्ष चमड़े का नया सामान न खरीदें अन्यथा मानहानि हो सकती है। धन संग्रह के लिए आप प्रयासरत रहेंगे और काफी हद तक सफल भी रहेंगे।

क्या करें - बेवजह यात्रा करने से बचें। घर में हाथी और ऊंट की आकृति वाले खिलौने न रखें। गहरे लाल रंग का सिरहाने का कवर प्रयोग में लाएं। अनावश्यक दिखावटी/सजावटी वस्तुओं पर खर्चा न बढ़ाएं।

सिंह राशि के नौकरीपेशा लोगों को यह वर्ष प्रगति के नए अवसर प्रदान करेगा। वरिष्ठ अधिकारियों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। आसान और मनपसंद काम के बदले बढ़िया दाम मिलेंगे। सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के योग हैं। अविवाहित जातक पारिवारिक जीवन को लेकर गंभीर रहेंगे। छात्र वर्ग का पढ़ाई में मन लगेगा। भूमि, प्रापर्टी, फोटोग्राफी, मॉडलिंग और वकालत से जुड़े लोग बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे। मार्च के बाद नौकरीपेशा लोग वेतनवृद्धि का लाभ पा सकते हैं। आपका पारिवारिक जीवन पिछले वर्ष के मुकाबले बेहतर रहेगा। जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग मिलने से भावनात्मक तौर पर मनोबल ऊंचा रहेगा और एकाकीपन के अहसास से मुक्ति मिलेगी। स्वास्थ्य की दृष्टि से आशंका के बादल आपको घेर सकते हैं लेकिन आखिरी में यह चिंता व्यर्थ ही साबित होगी। पिछले समय के मुकाबले इस वर्ष आपका पारिवारिक जीवन मधुरमय रहेगा। पिता संग निवेश के विषय में ठोस कदम उठाने से भविष्य के प्रति आर्थिक सुरक्षा की भावना बढ़ेगी।

क्या करें - मद्यापन से परहेज करें। तला हुआ/गरिष्ठ भोजन न करें। मंदिर में सिर झुकाएं। विधवाओं का मान/सहायता करें।

इस वर्ष कन्या राशि के व्यापारी वर्ग के लोगों को कुछ संभलकर रहना होगा। सरकारी/कानूनी नियमों का पूर्ण रूप से पालन करें। और टैक्स सही समय पर भरते रहें। कामकाज में सावधानी बरतने से नुकसान की आशंका नहीं रहेगी और लाभ होने की आशंका बनेगी। कामकाज का बोझ कुछ बढ़सकता है जिसकी वजह से आप तनावग्रस्त रह सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों से अधिक सहयोग की अपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। जून का महीना खत्म होते-होते परिस्थितियां नियंत्रण में आती दिखेंगी। ग्रहगोचर इशारा कर रहे हैं कि राजनीति से जुड़े लोगों के लिए अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना अति आवश्यक है। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अंततः खराब ही सिद्ध होगा। शुभ समाचार यह है कि वैवाहिक जीवन में चली आ रही तनातनी का अंत होगा और संबंधों में मधुरता आएगी। पुराने समय से चले आ रहे पारिवारिक मामलों से जुड़े बड़े फैसले लिए जा सकते हैं।

क्या करें - तुलसी के पौधे पर विधिपूर्वक जल अर्पण करें। किन्नरों को यदाकदा धन इत्यादि देकर आशीर्वाद प्राप्त करें। शुक्रवार के दिन खट्टे खाद्य एवं पेय पदार्थों से परहेज करें। दरवाजों के कब्जों में तिल का तेल डालें।

साल 2019 में तुला राशि के जातकों को थोड़े से प्रयासों से अधिक सकारात्मक परिणाम मिलने के योग बने हुए हैं। इस वर्ष आप अपने व्यवसाय में खूब मेहनत करेंगे और उसमें आपको अपेक्षित सफलता भी प्राप्त होगी। नौकरीपेशा लोगों के लिए अवसर प्राप्त होंगे। वेतनवृद्धि या अन्य तरीके से आर्थिक स्थिति बेहतर होने के संकेत हैं। सरकारी/गैर सरकारी विभाग से जुड़े लोग कार्यकुशलता की वजह से नाम कमा सकते हैं। अतः अपने प्रयासों में कमी न आने दें। वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त होता रहेगा। आपकी सकारात्मक सोच आपको जीवन के प्रति उत्साहित रखेगी। सिनेमा, थिएटर और कला से जुड़े लोग कला का बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे। व्यवसाय से जुड़े लोगों को सचेत रहने की आवश्यकता है। कामकाज या व्यवसाय में विस्तार करने की जल्दबाजी न करें। छात्राओं के लिए प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए समय अनुकूल है।

क्यों करें - दायें हाथ की छोटी अंगुली में चांदी का छल्ला पहनें। किसी से ताबीज/भभूत इत्यादि न लें। मंगलवार मीठा प्रसाद बांटें।

इस वर्ष वृश्चिक राशि के जातक किसी भी बड़े काम को छोटे-छोटे कामों में बांटकर सहजता से करने की कला में पारंगत हो जाएंगे। नौकरीपेशा और कॉन्ट्रेक्ट से काम करने वाले लोगों के लिए यह वर्ष विशेष प्रगति वाला होगा। नये और मुनाफे वाले कॉन्ट्रेक्ट मिलने के योग बने हुए हैं। आप अपने कौशल का खूब इस्तेमाल करेंगे और आपको आशा से अधिक धन एवं सम्मान की प्राप्ति होगी। कोई खास उपलब्धि मिलने के संकेत हैं। घर परिवार में बड़े-बुजुर्ग का स्वास्थ्य बेहतर रहेगा और आप चिंतामुक्त रहेंगे। जीवनसाथी से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। व्यवसाय से जुड़े लोग अप्रैल से अपने काम धंधे में आश्चर्यजनक उन्नति देखेंगे। जिसका स्पष्ट लाभ उन्हें अपने बढ़ते हुए बैंक बैलेंस के रूप में देखने को मिलेगा। लाभदायी व्यावसायिक यात्राएं तनावमुक्त रखने में सहायक सिद्ध होंगी। स्वास्थ्य के प्रति आपकी जागरूकता बढ़ेगी। छात्रों का मन पढ़ाई में लगेगा और कठिन विषय आसानी से समझ में आ जाएंगे।

क्या करें - मांस/मछली का सेवन न करें। बाएं हाथ की कलाई में लाल धागा बांधें। प्रभु को धन्यवाद करते रहें। उत्तर दिशा में सिर रखकर न सोएं।

साल 2019 में धनु राशि के व्यवसायी जातकों को अपने काम पर ध्यान देना होगा। मेहनत कुछ अधिक करनी पड़ सकती है। अतः खुद को परिश्रम के लिए तैयार रखें। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए योग एवं ध्यान का अभ्यास करते रहें। पहले से चली आ रही दिनचर्या में मामूली बदलाव करने पड़ सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों के मन में नौकरी बदलने का विचार हावी हो सकता है। वैवाहिक दंपत्ति परस्पर गलतफहमियों के शिकार हो सकते हैं। किसी भी विषय को दिल में रखने की बजाय खुलकर बात कर लेना सदैव उचित रहता है इसलिए यथासंभव एक-दूसरे संग सहयोग करें और भावनाओं को समझने का प्रयास करें। आपको इस वर्ष परिवार की खातिर कुछ इच्छाएं दबानी पड़ सकती हैं। किसी को भी आर्थिक मदद देने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार कर लें। इस बात के बहुत ज्यादा चांस है कि दिया हुआ धन लौटकर आपके पास वापस न आएं।

क्या करें - भगवान शिव की उपासना करें। पीपल की जड़ में जल चढ़ाएं। अवैध रिश्तों के जाल में फंसने से बचें। युद्ध चित्र ड्राइंग रूम में न रखें।

इस साल मकर राशि के जातकों को आर्थिक मामलों में जीवनसाथी की सलाह से लाभ मिलने के संकेत हैं अतः महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णय लेते समय जीवनसाथी से सलाह मशवरा कर लेना उचित रहेगा। धन प्राप्ति के लिए आपको इस वर्ष कुछ अलग हटकर प्रयास करने होंगे तभी आप सफल हो पाएंगे। विदेश से संबंधित स्रोतों से संपर्क होने के संकेत हैं। इस साल रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। देनदारों को याद करते रहें। भूमि/सोने में निवेश को लेकर आपकी रुचि बढ़सकती है। जून-जुलाई तक मिश्रित फलों की प्राप्ति होगी और अगस्त से राहत मिलनी शुरू हो जाएगी। व्यवसायी वर्ग के लोग अपने काम के विस्तार से पहले पूर्ण छानबीन कर लें। उसके बाद ही कदम आगे बढ़ाएं। ब्याज पर पैसे लेकर काम का विस्तार न करें। कोई आपको सट्टेबाजी में उलझाना चाहेगा परंतु याद रखें कि जुआ किसी का न हुआ।

क्या करें - लावारिस कुत्तों को भोजन दें। पिता को मीठा खिलाएं। नदी पार करते समय एक सिक्का उसमें गिराएं। फिटकरी के कुल्ले करें।

इस साल कुंभ राशि के वैवाहिक जातकों को एक-दूसरे संग समय व्यतीत करने के अनेक अवसर प्राप्त होंगे। दिल खोल कर बातें होंगी और विचारों का आदान-प्रदान होने से संबंध मधुर होंगे। अविवाहिताओं के लिए समय अनुकूल है। मार्च खत्म होने से पहले अच्छे रिश्ते मिल सकते हैं। भागीदारी में व्यापार कर रहे जातकों के बीच बेहतर तालमेल होने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और काम का विस्तार भी होगा। सामाजिक दायरा बढ़ेगा और प्रभावशाली लोगों से आपके व्यापारिक संबंध बनेंगे। घर-परिवार में माता/बहनों सामान महिलाओं का स्वास्थ्य आपको कुछ चिंतित रख सकता है। परिवार से जुड़े उलझे मामले सरलता से हल हो जाएंगे। भाइयों और बहनों से पूर्ण सहयोग मिलेगा और वे परिवार के प्रति आपके समर्पण का सम्मान करेंगे। व्यावसायिक यात्राएं लाभदायी रहेंगी। परिवार/मित्रों संग किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाने के संकेत हैं।

क्या करें - शराब के आदी न बनें। गायों की सेवा करें। किसी पर भी आंखें मूंदकर भरोसा न करें।

इस साल मीन राशि के जातकों के परिवार में चली आ रही तनातनी का अंत होगा। कुछ अनचाहे निर्णय लेने की स्थिति आपके सामने बन सकती है। जल्दबाजी में ऐसे निर्णय को न लें अन्यथा बनती हुई बात के बिगड़ने में देर नहीं लगेगी। इस वर्ष पारिवारिक विवाद आते रहेंगे और सुलझते भी रहेंगे। संतान पक्ष की ओर से चिंता का अंत होने से राहत की सांस मिलेगी। वैवाहिक जीवन में नवंबर से संबंध मधुरता की ओर बढ़ेंगे। नौकरीपेशा लोगों को काम का अतिरिक्त बोझ हैरान परेशान कर सकता है। मार्च तक वरिष्ठ अधिकारियों से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। अनुकूल समय का लाभ उठाएं। दफ्तर में फालतू में बहस करने से बचें। व्यापारी लोगों को कुछ कठोर निर्णय लेने पड़ सकते हैं। दिसंबर के महीने में करियर में आगे बढ़ने के कुछ अच्छे अवसर प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं।

क्या करें - धर्म में पूर्ण आस्था रखें। मांसाहार से दूर रहें। बेवजह यात्राएं न करें। पिता/ससुर का सम्मान करें।

अहिंसा अर्बन को ऑप. क्रेडीट सोसायटी मर्या.

मलकापूर, रजि. नं. 1243

नेमाणे कॉम्पलेक्स, बी.जी.टी.आय रोड, मलकापूर-443101 फोन - (07267) 227315

वैशिष्ट्ये

अहिंसा ठेव योजना
फक्त 72 महीन्यात दाम दुप्पट
संस्थेच्या ठेविवरील आकर्षक ब्याज दर

मुदती ठेव

- 30 दिवस ते 90 दिवस 8%
- 91 दिवस ते 6 महीने 9%
- 7 महीने ते 15 महीने 10%
- 16 महिनेचे वर 11%

आकर्षक आवर्तक ठेव योजना

1031 रू. दरमहा गुंतवा व 6 वर्षाने
1 00 000 रू. मिळवा.
(मर्यादीत कालावधी करीता)

- जेष्ठ नागरीक, सहकारी संस्था, विधवा, अपंगांसांठी 1/2% अधिक ब्याज दर.

आपले स्नेहाकीत

श्री. पंकज चिमनलालजी मुंथडा — अध्यक्ष
सतिष हेमराज बंग — सचिव
श्री. मनोज रतीलालजी भिमजीयाणी — उपाध्यक्ष

तथा संचालक मंडल व कर्मचारी वृंद
अहिंसा अर्बन को-ऑप. क्रेडीट सोसायटी मर्या. मलकापूर

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

रिश्ते ही रिश्ते

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

नववर्ष में करें जीवन की नई शुरुआत

▸▸ टीम SMT

वर्तमान दौर में हर कोई अशांत है, असंतुष्ट है, प्रसन्नता भी जैसे गायब हो चुकी है जबकि धन व भौतिक सुख-सुविधाएं प्रचुरता से मौजूद हैं। कारण यही है कि हमने धन को ही जीवन का एकमात्र साधन मान लिया है। हकीकत तो यह है कि यह सुख के कई साधनों में से मात्र एक साधन है। तो आईये खुशहाली के हर साधन को अपना कर करें जीवन की नई शुरुआत नववर्ष में नवखुशियों के साथ। धन से सुंदर स्वादिष्ट पकवान, मिठाई, भोजन खरीदा जा सकता है, किंतु 'भूख' नहीं। धन से दवाईयाँ खरीदी जा सकती हैं, किंतु 'स्वास्थ्य' नहीं। धन से शानदार सुविधापूर्ण बिस्तर खरीदा जा सकता है, किंतु 'नींद' नहीं। धन से चश्मा खरीदा जा सकता है, किंतु 'दृष्टि' नहीं। जो स्वास्थ्य और शक्ति प्राप्त करना चाहते हैं, सुख की कामना करते हैं उन्हें 'धन' को जीवन जीने का साधन मानना चाहिए 'साध्य' नहीं। बहुत से लोगों को यह भ्रम है कि स्वास्थ्य, शक्ति, सुख और आनंद के लिए धन एक अत्यंत आवश्यक वस्तु है, लेकिन वास्तव में इसका मन से अधिक संबंध है। यदि हमारे विचारों, अभिलाषाओं और हमारे अंतःकरण में इनकी प्राप्ति के लिए दृढ़निश्चय है, तो इन्हें प्राप्त करने में धन की कमी हमारे लिए बाधक नहीं हो सकती। स्वास्थ्य और सुख ऐसे दैवीय तत्व हैं, जो संसार के विषम और कलुषित वातावरण से बहुत ऊँचे हैं।

सादा भोजन व सरल जीवन अपनाएं

दुनिया में ऐसा कोई पैमाना नहीं है, जिससे आनंद, स्वास्थ्य, विवेक, प्रेम, निद्रा और शक्ति इत्यादि दैवीय तत्वों का मूल्यांकन किया जा सके। जिन्हें स्वास्थ्य और सुख प्राप्त करना है, उन्हें विशेष रूप से आवश्यकता है सादा भोजन, स्वच्छ/स्वास्थ्यवर्धक वातावरण, प्रसन्नता, सदाचार और व्यायाम की। भोजन ताजा और शुद्ध होने के साथ सुरुचिपूर्ण भी होना चाहिए। भोजन शाकाहारी, सलाद, हरी तरकारियों से युक्त होने पर लाभदायक होता है। संतुलित आहार स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। अधिक भोजन रोगों को बढ़ाने वाला, आयु को घटाने वाला होता है। सुख और स्वास्थ्य के लिए नियमित समय पर खूब चबा-चबाकर, शांतिपूर्वक, सात्विक आहार लेने से शक्ति प्राप्त होती है।

स्वस्छ हवा-पानी और विचार

दूसरी आवश्यकता स्वच्छ वायु एवं पर्याप्त प्रकाश की है। गंदी-दूषित वायु से बीमारियों के कीटाणु हमारे शरीर में प्रवेश कर स्वास्थ्य को हानि पहुँचाते हैं। आरोग्य, बल तथा उत्तम पाचन शक्ति चाहने वाले मनुष्य को घर में ताजी तथा शुद्ध हवा जितनी ज्यादा हो सके आने देना चाहिए। विशेषकर शयनकक्ष में हवा एवं प्रकाशयुक्त वातावरण होना चाहिए, क्योंकि व्यक्ति चौबीस घंटों में से एक तिहाई समय शयन में ही व्यतीत करता है। याद रखिए जिस घर में सूर्य का प्रकाश और धूप नहीं पहुँचती, वहीं डॉक्टर और वैद्यराज पधारा करते हैं। धूप की किरणें लाखों डॉक्टरों से अधिक उपयोगी हैं। मनुष्य को इस बात का गर्व होना चाहिए कि उसका घर हवादार, स्वास्थ्यवर्धक है और उसमें पर्याप्त प्रकाश आता है। सदा शांत और प्रसन्न रहें क्योंकि प्रसन्नता के प्रत्यक्ष और शीघ्रतम लाभ हैं। सदाचार भी महत्वपूर्ण है, जिनके जीवन में दुराचार है, उनके शरीर में स्वास्थ्य और जीवन में सुख का दर्शन नहीं हो सकता।

व्यायाम को बनाएं दिनचर्या

सबसे ज्यादा जरूरी है व्यायाम, भ्रमण और ध्यान। ये हमें सदा नवजीवन, शक्ति और सुख प्रदान करते हैं। जिस प्रकार हमें खाने-पीने की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार व्यायाम की भी आवश्यकता होती है। हमारे पास करोड़ों का धन हो, संसार हमारा आदर करता हो, परंतु यदि हम अस्वस्थ रहते हैं तो यह सब विष के समान है। सुख धन से कम प्राप्त होता है, व्यायाम से सबसे अधिक। व्यायाम से दीर्घायु प्राप्त होने के साथ ही शरीर हल्का रहता है, पाचन शक्ति ठीक रहती है और फेफड़े मजबूत बनते हैं। व्यायाम से मन निरोगी, निर्विकारी और पुष्ट बनता है। इसी प्रकार के लाभ प्रातः या सायंकालीन भ्रमण से प्राप्त होते हैं।

आम तौर पर अदरक का जिक्र होते ही हमारे मन में ऐसे कंद का विचार आता है, जो चाय का जायका बढ़ाने या सर्दी से बचाव में काम आता है। जबकि हकीकत देखें तो इसका उपयोग यहीं तक सीमित नहीं है। यह तो ऐसा कंद है, जो कई रोगों में रामबाणी औषधि की तरह काम करता है।

कई रोगों की रामबाण औषधि अदरक

टीम SMT

अदरक से शायद ही कोई अपरिचित हो। किसी को भी इसकी पहचान बताने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह हमारे किचन की रोजमर्रा की आवश्यकता है। फिर भी हम इसके अधिकांश गुणों से अनजान ही हैं। अदरक को आप फल-सब्जी मानें या फिर विलक्षण दवा कह लें, यह गुणों की खान है। अधिकतर हर घरों में अदरक का उपयोग तरह-तरह से किया जाता है। भोजन के एक महत्वपूर्ण अंग और औषधि, दोनों रूपों में अदकर या सोंठ का प्रयोग किया जाता है। विशिष्ट गुणों से भरपूर अदरक का इस्तेमाल कई बड़ी-छोटी बीमारियों में भी किया जाता है। सौंठ वास्तव में देखा जाए तो अदरक का ही प्राकृतिक रूप से सूखा हुआ रूप है।

कई बीमारियों में रामबाण

औषधि के रूप में इसका प्रयोग गठिया, रयूमेटिक आर्थ राइटिस (आमवात) साइटिका और गर्दन व रीढ़की हड्डियों की बीमारी (सवाईकल स्पोंडिलाइटिस) होने पर किया जाता है। जोड़ों की इन बीमारियों के अतिरिक्त भूख न लगना, अमीबिक पेचिश, खाँसी, जुकाम, दमा और शरीर में दर्द के साथ बुखार, कब्ज होना, कान में दर्द, उल्टियाँ होना, मोच आना, उदर शूल और मासिक धर्म में अनियमितता होना इन सब रोगों में भी अदरक (सोंठ) को दवाई के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

कब, कैसे करें उपयोग

❑ ताजे अदरक को पीसकर कपड़े में डाल लें और निचोड़कर रस निकालकर रोगी को पीने को दें। ❑ अदरक का काढ़ा व चूर्ण बनाकर भी इस्तेमाल किया जाता है। ❑ काढ़ा बनाने के लिए सूखे अदरक का चूर्ण बनाकर 15 ग्राम (लगभग तीन चाय के चम्मच) एक प्याला पानी में मिलाकर उबालें। जब पानी एक-चौथाई रह जाए तो इसे छानकर रोगी को पिला दें। ❑ चूर्ण बनाने के लिए सौंठ की ऊपर की परत को छीलकर फेंक दें और शेष भाग को पीसकर चूर्ण बना लें। इसको यदि छान लिया जाए तो चूर्ण में रेशे अलग हो जाते हैं। उन्हें फेंक दें। यह चूर्ण शहद के साथ मिलाकर रोगी को खाने के लिये दिया जाता है। ❑ लेप बनाते या पीसते समय अदरक के साथ थोड़ा पानी मिला लें। ❑ ताजे अदरक को पीसकर दर्द वाले जोड़ों व पेशियों पर इसका लेप करके ऊपर से पट्टी बाँध दें। इससे उस जोड़ की सूजन व दर्द तथा माँसपेशियों का दर्द भी कम हो जाता है। ❑ लेप को यदि गर्म करके लगाया जाए तो इसका असर जल्दी होता है। ❑ अगर किसी व्यक्ति को खाँसी के साथ कफ भी हो गया हो तो उसे रात को सोते समय दूध में अदरक डालकर उबालकर पिलाएँ। यह प्रक्रिया करीबन 15 दिनों तक अपनाएँ। इससे सीने में जमा कफ आसानी से बाहर निकल आएगा। इससे रोगी को खाँसी और कफ दोनों में आराम भी महसूस होगा। रोगी को अदरक वाला दूध पिलाने के बाद पानी न पीने दें।

❑ रोजमर्रा में बनाई जाने वाली सब्जियों में अदरक का उपयोग अच्छा होता है। इससे शरीर के होने वाले वात रोगों से मुक्ति मिलती है।

खुश रहें... खुश रखें...

भौंरे से सीखें कैसे जिया जाए जीवन

देश हो, समाज हो या फिर परिवार की ही बात क्यों न हो, असली त्याग तब होता है, जब आप ये जान लेते है कि हमारा कुछ भी नहीं है। मनुष्य जब इस भाव से जुड़ता है, तब त्याग घटता है। लोग संसार छोड़ने की बात करते हैं, लेकिन गहराई में देखा जाए तो संसार हमारा है ही कहां, जिसे हम छोड़ेंगे? यदि इसे समझ लेंगे तो संसार में रहने का मजा ही बदल जाएगा।

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

गौतम बुद्ध ने एक बड़ी सुंदर बात कही है- जिस प्रकार भंवरा फूल और उसकी गंध को नुकसान पहुंचाए बिना उसका रस ले लेता है वैसे ही हमारे मुनिगण गांव में भिक्षाटन करें। बात बहुत बढ़िया है। वास्तव में जैसे भंवरा बिना कोई नुकसान किए रस लेकर चल देता है, वैसे ही हम जिंदगी को बिना कोई हानि पहुंचाए जीवन को जी लें। यह अहिंसा का उदाहरण है।

हम रस तो ले सकते हैं पर किसी को नुकसान पहुंचाने के अधिकार नहीं हैं। अहिंसा का ऐसा भाव जीवन में आते ही अशांति चली जाएगी। बुद्ध समझा रहे हैं, जीवन हमें जो भी रस दे, उसको ले लिया जाए और धन्यवाद दे दिया जाए। कहीं ऐसे भँवरे न बन जाएँ जो रस चूसने में इतने मशगूल हो जाते हैं कि उड़ना ही भूल जाते हैं और शाम को जब कमल के फूल की पंखुडियाँ बंद हो जाती हैं, तो उसी में कैद हो जाते हैं। बस दुनिया में यही हमारी जिंदगी का ऊसूल हो जाए। यह दुनिया हमारे लिए कारागृह नहीं बन जाए। रस लें और आभार दें, बिना किसी को कोई नुकसान पहुंचाए मुक्त हो जाएँ। मामला राष्ट्र का हो, समाज का या परिवार का, हम भँवरे की तरह फूल को बिना नुकसान पहुंचाए इनसे मिलने वाले आनंद की रसानुभूमि कर सकते हैं।

Net Protector
NP AV
Total Security
PC, Laptop
Tablet, Mobile
सुरक्षा
PC Kaa Doctor
Net Protector
AntiVirus
Internationally Tested & Certified
ISO 9001:2008
WhatsApp
92.72.70.70.50
98.22.88.25.66

Computerised Horoscope
Most Advanced Mathematical Software in India
Windows based Software
- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer - Dot Matrix or Inkjet or Laser.

Choice of 6 Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu

Call: 922.566.48.17
98.22.88.25.66
Kundali 2018
www.kundalisoftware.com

खाना-खजाना

चीकू की बर्फी

सामग्री- 1/2 कप चीकू का पेस्ट, 1/2 कप ताजा कसा हुआ मावा, 1 बड़ा चम्मच घी, 5 बड़े चम्मच पिसी चीनी, 1 चम्मच इलायची पाउडर, बादाम पिस्ता कतरन

विधि : ताजा मीठे चीकू को अच्छी तरह धोकर, छीलकर बीज हटाकर उसके बड़े टुकड़े करके मिक्सर में बारीक पीसकर पेस्ट बना लें। एक मोटे तले के पैन में घी गरम करें। उसमें कसा हुआ मावा और चीकू पेस्ट डालकर अच्छी तरह हिलाते हुए मिश्रण को पैन के किनारों से घी छोड़ने तक पका लें। अब इसमें पिसी हुई चीनी और इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह हिलाकर आंच बंद कर दें। एक चिकनाई लगी प्लेट या ट्रे में इस मिश्रण को निकाल कर फैलाते हुए जमा दें। फिर उस पर बादाम पिस्ता कतरन डालकर हल्का सा दबा दें। थोड़ा ठंडा होने पर इसके मनचाहे आकार में टुकड़े काट लें। एक सर्विंग प्लेट में इस चीकू बर्फी को सजाकर मेहमानों के साथ स्वयं भी इसके जायके का आनंद लें।

मैथी का लड्डू

सामग्री- 50 ग्राम मैथी, 250 ग्राम गेहू का आटा, 1 बड़ा चम्मच नीम की गोंद, 200 ग्राम गुड़ (चीनी न दें।), 1बड़ा चम्मच घी

विधि- मैथी को कम आंच में सुनहरा होने तक भूरा रंग का होने तक भूनकर अलग रख दें। होल वीट फ्लाउर में घी डालकर उसको भी भूरा होने तक भूनें। घी में गोंद को डालकर तेज आंच में से उतारकर ठंडा होने के लिए रख दें। अब मैथी, वीट फ्लाउर और गोंद में गुड़ डालकर भून लें और फिर उसको पीस लें। इस मिश्रण के छोटे-छोटे गोले बना लें। आप इस मिश्रण में एक छोटा चम्मच सूखा अदरक पावडर भी डाल सकते हैं। इससे वह और भी हेल्दी बन जाता है।

(जिन लोगों को डाइबीटिज अनकंट्रोल्ड है और जो गर्भवती महिलाएं हैं वे इस लड्डू को न खाएं।)

पुनम राठी, नागपुर
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

करारी हार

खम्मा घणी सा हुक्म आपाणा बड़ा-बुजुर्ग सही केहवे कदेयी घमण्ड नहीं करणो चईजे ,न जाणे कद समय री मार पड़ जावे औ पल भर में इंसान शेर सूं गीदड़ बण जावे। लगातार जीत रे घोड़े पर सवार मध्यप्रदेश में बीजेपी री सरकार ने उम्मीद थी कि एक नयो इतिहास रचाला पर उणी राज्य में जनता रे हाथों या करारी हार बीजेपी सरकार कई वर्षों तक याद रखेला ।

हुक्म भारत मे राजनेता अपने आपने क्रिकेट रे टीम री तरह माने। चार मैच अगर जीत जावे तो लागे जीत आपाणी मुट्ठी में है, कई बार अति-आत्मविश्वास भी आपाणो दुश्मन बण जावे। आपणा वेद भी 'अति सर्वत्र वर्जयते' री बात करी है हुक्म।

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान में मीडिया, विशेषज्ञ, मोदी लहर, नेता बार बार या ही कह रिया था कि कांग्रेस ने करारी मात देवाला लेकिन हाय! दिल रा अरमान एक रे बाद एक पदाधिकारी रे साथे सब का सब धराशयी हूँ ग्या ।

हुक्म भारतीय लोगों में एक बहुत बुरी आदत है थोड़ी सी सफलता मिळ जावे तो आपरा गुणगान करता नहीं थाके ज्यों कि विश्व मे अजेय हूँ ग्या हो ,लेकिन आम जनता री जाग्रति सूं सबक लेवणों चईजे आज अजेय कुछ भी नहीं है। अठे रावण, सहस्त्रबाहू जैडो रो नूर भी ढल ग्यो।

मैं तो बीजेपी रे नेताओं ने यों ही केवणों चाहूं कि अरे समझदारों, थोड़ो सब्र राखो। वक्त औ जीत ही आदमी ने विराट नहीं बणावे बल्कि करारी हार सूं उबर ने जीतणों ही आदमी ने महान बणावे। जगत में रात है तो दिन भी है, अंधेरो है तो उजालो भी है सा। ओ कालचक्र किनई वास्ते कौनी ठहरे हुकम। अठे समय बुरो आवे तो साथी भी छोड़ ने भाग जावे। वे ही पाछा चोखे समय में यूँ आ जावे ज्यूँ दाणा देखने पंछी आवै हुक्म। इण वास्ते बड़ा बुजुर्ग केय ग्या साहब कि अच्छे समय में इतरावणों नहीं बुरे समय में घबरावणों नहीं। कृष्ण गीता में या बात अर्जुन ने कई 'समदुखेसमेकृत्वा' यानी दोई स्थिति में स्थितप्रज्ञ रैवनो ही सच्चो जीवन है हुक्म।

अब तो या देखणो है कि मोदी शेर जो करारी हार रो सामनों कर रिया है यो शेर लोकसभा में दहाड़ पावेला या वठे भी टॉय-टॉय फुस्स हूँ जाई। मने तो लागे वाणो आत्मविश्वास एवं बुद्धिकौशल चमत्कार कर सके सा। सूरज रे आगे बदली आया सूं सूरज रो तेज़ कौनी मिटे हुकम।

मुलाहिज़ा फरमाइये

फ़ुर्सत में करेंगे तुझसे हिसाब-ए-ज़िन्दगी?,
अभी तो उलझे है खुद को सुलझाने में?

कभी इसका दिल रखा और कभी उसका दिल रखा,
इसी कश-मकश में भूल गए खुद का दिल कहाँ रखा?

फिसलती ही चली गई, एक पल भी रुकी नहीं,
अब जा के महसूस हुआ, रेत के जैसी है जिंदगी?

कौन है जिसके पास कमी नही है,
आसमाँ के पास भी जमीं नही है?

चलें चलकर, सुकून ही ढूंढ़लाएँ,
ख्वाहिशें तो खत्म होने से रहीं?

ये इत्र की शीशियां बेवज़ह इतराती है ... खुद पे
हम तो अपनो के साथ होते है .. तो ही महक जाते हैं....

कद बढ़ा नहीं करते है, एडियाँ उठाने से..
उँचाईया अक्सर मिलती है, सर झुकाने से...!!

न हमसफ़र न किसी हमनशीं से निकलेगा
हमारे पाँव का काँटा हमी से निकलेगा

सब्र का घूंट दूसरों को पिलाना कितना आसान लगता है
खुद पियो तो क़तरा-क़तरा ज़हर लगता है

▸▸ **ज्योत्सना कोठारी**, मेरठ

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपके लिए धन लाभ, शुभ समाचार, दैनिक कार्यों में सफलता मन चाहे कार्य पूर्ण करवाने वाला होगा। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। धार्मिक कार्यों में रुचि रखेंगे। शत्रु पराजित होंगे। अधिक भाग दौड़ बनी रहेगी। संतान की ओर से परेशानी बनी रहेगी। स्थानांतरण का डर बना रहेगा। यात्रा के सुअवसर बनेंगे। नए लोगों से परिचय होगा। अपने परायों जैसा व्यवहार करेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। समाज में मान-सम्मान प्राप्त होगा। पारिवारिक सुख बढ़ेगा। खर्च की अधिकता बनी रहेगी।

वृषभ

इस माह आपके कार्य क्षेत्र में विस्तार बड़े अधिकारी से भेंट होगी। पिता का सहयोग मिलेगा। प्रियजनों से भेंट एवं धन लाभ के योग रहेंगे। घर परिवार में मांगलिक कार्य व अतिथि आगमन से माहौल सुखमय होगा। वाद-विवाद और भाग दौड़ अधिक होगी। अपनों से धोखा मिलेगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। यात्रा होगी। आय की अपेक्षा व्यय अधिक होगा। राजकीय कार्य पूर्ण होंगे। शुभ चिंतकों का सहयोग मिलेगा। मित्र का सहयोग बना रहेगा। परिवार के साथ समय व्यतीत करेंगे।

मिथुन

इस माह आपकी मनोकामना पूर्ण होगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। आत्मबल एवं साहस से कार्यों में सफलता मिलेगी। न्यायालयीन प्रकरणों में विजय एवं मान-सम्मान में वृद्धि होगी। मन-प्रसन्न रहेगा। परिवारजनों का साथ रहेगा। कई बार आलस्य के कारण बनते कार्य बिगाड़ लेंगे। संतान की चिंता बनी रहेगी। जीवन साथी का स्वास्थ्य नरम बना रहेगा। खर्च की अधिकता बनी रहेगी। दैनिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुंब में असंतोष का माहौल रहेगा। अपनों से धोखा मिलेगा। जीवन में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य होंगे। विशिष्टजनों से भेंट होगी।

कर्क

यह माह आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता मिलेगी। व्यवहार एवं व्यापार में अपनी योग्यता के बल से ऊंचाई प्राप्त करेंगे। भागदौड़ अधिक होगी। धन लाभ के नए अवसर प्राप्त होंगे। कारोबार में सुधार होगा। जीवन साथी की चिंता बनी रहेगी। परिवार के सहयोग से उन्नति करेंगे। स्थान परिवर्तन का भय बना रहेगा। विरोधी से परेशानी व्यापार में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ेगा। मकान क्रय करेंगे। धन रुकेगा व जीवन साथी से वैचारिक मतांतर भी बनेंगे। आवेश में न आएं। उदर विकार से परेशानी बनी रहेगी।

सिंह

यह माह आपके लिए अनुकूल है। सफलता मिलेगी मन के कार्य पूर्ण होंगे। धार्मिक एवं सामाजिक उत्सवों में भाग लेंगे। सुख-समृद्धि बढ़ेगी। भाग्य साथ देगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। मित्रों के सहयोग से रुके कार्य पूरे होंगे। संतान के कार्य कर्ज लेकर पूरे करेंगे। प्रेम प्रसंग में असफल रहेंगे। नए संबंधों से लाभ मिलेगा। न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। उदर विकार से परेशानी। खर्च की अधिकता बनी रहेगी। जीवन साथी की ओर से परेशानी बनी रहेगी। यात्रा होगी। भाग दौड़ से शारीरिक शिथिलता बनी रहेगी।

कन्या

यह माह सामान्य रहेगा। व्यर्थ की भाग दौड़ होगी। घर से दूर रहना पड़ेगा। जीवन साथी से वैचारिक मतांतर बनेंगे। आर्थिक स्थिति चिंताजनक रहेगी। मांगलिक कार्य में विलंब होगा। शुभ समाचार व कोर्ट कचहरी के कार्यों में सफलता मिलेगी। संतान सुख में वृद्धि होगी। नए परिवर्तन से लाभ। मनोविनोद संग समय बीतेगा। गृहस्थ सुख बढ़ेगा। आलस्य को त्यागें आगे बढ़ने का लाभ मिलेगा। यात्रा से लाभ, प्रियजन से भेंट, लाटरी सट्टे से धन हानि व स्वास्थ्य नरम गरम बना रहेगा।

तुला

इस माह मान सम्मान बढ़ेगा। इच्छानुकूल लाभ एवं शुभ चिंतकों का सहयोग मिलेगा। शुभ समाचार प्राप्ति तथा व्यवसाय में परिवर्तन होगा। जीवन साथी से वैचारिक मतांतर एवं उनके स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। साझेदारी में विवाद किंतु सफलता मिलेगी। वाहन से सावधानी बरतें। पारिवारिक कार्यों पर ध्यान केंद्रित रहेगा। पिता की चिंता बनी रहेगी। परीक्षा से टेंशन बना रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। अचानक यात्रा होगी। नए अवसर का लाभ मिलेगा। विवाद से दूर रहें। संतान के कार्यों से खुशी मिलेगी। आय से अधिक व्यय होगा। किसी से धोखा मिलेगा।

वृश्चिक

इस माह आर्थिक स्थिति में सुधार व साझेदारी से लाभ होगा। सरकारी कार्य बनेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। सामाजिक उत्सव में भाग लेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्थान परिवर्तन होगा। अपनों से अनबन होगी। शुभ समाचार मिलेगा। जीवन साथी एवं बच्चों से अनबन बनी रहेगी। नौकरी एवं व्यापार में सफलता मिलेगी। अदालती कार्यों में सफलता। खर्च की अधिकता तथा भाग दौड़ अधिक रहेगी। वाद-विवाद से दूर रहें। क्रोध अधिक आएगा। यात्रा सुखद रहेगी। व्यस्तता बनी रहेगी।

धनु

इस माह आपको मानसिक अस्थिरता बनी रहेगी। व्याकुलता बढ़ेगी। स्वास्थ्य नरम गरम बना रहेगा। व्यापार सामान्य रहेगा। बच्चों की ओर से चिंता रहेगी। रुका धन मिलेगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा व स्थान परिवर्तन होगा। वाहन मकान क्रय करेंगे। माता को कष्ट होगा। धन के लेन-देन में सावधानी रखें। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। बाधाएं दूर होने से राहत मिलेंगी। जीवन साथी का सहयोग प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र बढ़जाने से खुशी मिलेगी।

मकर

इस माह आपको प्रिय वस्तु की प्राप्ति होगी। धन लाभ मान व सम्मान बढ़ेगा। मांगलिक कार्यों में भाग लेंगे। परीक्षा में सफलता मिलेगी। शुभ समाचार से मन प्रसन्न होगा। भौतिक सुख-सुविधा बढ़ेगी। घर बदलने की सोचेंगे। वाहन पर खर्च, अपनों का सहयोग मिलेगा। प्रियजनों से भेंट यात्रा का कार्यक्रम बनेगा। पारिवारिक समस्याएं ठीक होंगी। जमीन-जायदाद के विवाद निपटेंगे। संतान के कार्यों से परेशानी आएगी। पिता-माता को शारीरिक कष्ट के योग रहेंगे। सट्टा, लाटरी से दूर रहें। हानि होने की आशंका है।

कुम्भ

इस माह आपको कार्य क्षेत्र में सफलता उन्नति मिलेगी। मान-सम्मान-प्रतिष्ठा एवं भौतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्त्री एवं संतान सुख मिलेगा। खुशी का माहौल बनेगा। उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। परीक्षा या साक्षात्कार में सफलता मिलेगी। शुभ समाचार मिलेंगे तथा मन प्रसन्न रहेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। विरोधी परास्त होंगे। पारिवारिक सुख मिलेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। व्यापारिक स्थिति सुधरेगी। नए कार्यों में व्यस्त रहेंगे। शुभ समाचार प्राप्त होगा। दूसरों के परामर्श से कार्य बिगाड़ लेंगे।

मीन

यह माह आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। मनचाही सफलता धन लाभ नए अवसर मिलेंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा। समाज में यश बढ़ेगा। प्रतिष्ठित लोगों से भेंट उन्नति मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नया मकान बनाने की सोचेंगे। जीवन साथी को कष्ट रहेगा। शत्रु से परेशानी, भागदौड़ एवं प्रतिकूल परिस्थितियों को अपने अनुकूल बना लेंगे। व्यय की अधिकता से मन परेशान रहेगा। व्यस्तता बढ़ेगी। जीवन से एक नई सीख मिलेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभ समाचार मिलेगा।

FOURNIKS

ELECTRONICS & FURNITURE MALL

(FOURNIKS MULTIFUNCTIONAL ENTERPRIZES PVT. LTD.)

BHUTESHWAR CHOWK,SHILANGAN ROAD,
AMRAVATI.

DIRECTOR
SANJAY AGRAWAL
9823181395

MANAGING DIRECTOR
NIKHIL GATTANI
7741012321

| SOFA SET | BEDS | DINNING | OFFICE TABLE | CHAIR | MANDIR |ALMARI | BEDROOM SET

| LED | FRIDGE | A.C. | WASHING MACHINE |MOBILE | KITCHEN APPLIANCES | HOME THEATER |

(factory outlet)

S·S. Manufactures & Supplier

manufactures of

|modular furniture| sofa set | dining | office table | bed | bedroom set |chair | almari |

Email : ssmodulat777@gmail

FACTORY : PLOT C-5 ,M.I.D.C. NANDGAON PETH , AMRAVATI
REGD. OFFICE: HOUSE NO .0455000031 , WARD NO. 55 ,JANARDHAN PETH , AMRAVATI

SAU. SEEMA RAJENDRA GATTANI
PH NO .9822246977

SAU. SHILPA SANJAY AGRAWAL
PH NO .9422856144

(showroom outlet)

POONAM FURNITURE WORLD

(a unit of s.s manufactures & , c-s , M.I.D.C. nandgaon peth, amravati)

318, TAWAKKAL LAYOUT , KATOL BYPASS ROAD, WADI T- POINT , NAGPUR.
PH. 9822246977, 9422856144

> "सुपुत्र वह है जो अपनों के लिए जिये और अपनों को विशेष पहचान दे। श्री रंगनाथ न्याती धामनोद के ऐसे ही सपूत थे, जिन्होंने उस क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं रख छोड़ी। यही कारण है कि लोग आज भी उनका उल्लेख होते ही सम्मान से नतमस्तक हो जाते हैं।"

धामनोद के सपूत थे श्री रंगनाथ न्याती

धामनोद शहर के लिए स्व. श्री रंगनाथजी न्याती एक ऐसे फरिश्ते थे, जिन्होंने शहर की पहचान ही बदलकर रख दी। धामनोद पहले क्या था, एक अत्यंत पिछड़ा हुआ कस्बा। श्री न्याती ने वहाँ शिक्षा की ऐसी ज्योति जलाई कि कायाकल्प ही हो गया। उन्होंने अपने स्तर पर तो कई शिक्षण संस्थाएँ वहाँ प्रारंभ की ही साथ ही कई अन्य प्रतिष्ठित संस्थाओं को वहाँ शुरुआत के लिए प्रेरित भी किया। धार्मिक आयोजनों की तो जैसे उन्होंने गंगा ही बहा दी थी। यही कारण है कि स्व. श्री न्यातीजी की स्थिति क्षेत्र के लिए तो एक सफल व्यवसायी होने के बावजूद किसी संत की तरह ही थी। जो सभी के कल्याण का सपना संजोये थे।

सब उनके, वे सभी के

न्यातीजी का जन्म 2 अक्टूबर 1937 को ग्राम गुजरी जिला धार (मप्र) में प्रतिष्ठित व्यवसायी श्री मन्नालाल न्याती के यहां हुआ था। व्यवसाय के गुर इन्हें बचपन से अपने पिताजी से स्वतः मिल गये। अपनी शिक्षा श्री न्याती ने क्रमशः ग्राम गुजरी, धामनोद व उज्जैन में प्राप्त की। इसके पश्चात श्री न्याती का विवाह सेंधवा (निमाड़) के स्व. श्री भागीरथ भराड़िया की सुपुत्री कमलादेवी से हो गया। ससुर स्व. श्री भराड़िया का इनके जीवन पर ऐसा प्रभाव पड़ा कि वे एक संत व्यवसायी बन गए। आप कई व्यवसायों का भी सफलतापूर्वक संचालन कर रहे थे। एक सफल व्यवसायी होने के बावजूद वे इतने सहृदय थे कि उनके पास पहुँचा कोई भी जरूरतमंद कभी खाली नहीं लौटता था।

सेवा के कई हाथ

श्री राजराजेश्वरी धाम ग्राम धामनोद में मंदिरों की स्थापना, संस्कृत पाठशाला हेतु भवन निर्माण एवं पूज्य माताजी की स्मृति में विद्यालय आदि इन्हीं के उदार मन व जनसेवा के प्रमाण हैं। उम्र के अंतिम पड़ाव पर भी श्री न्याती आरएम न्याती पब्लिक स्कूल धामनोद के संस्थापक, अभा माहेश्वरी महासभा के उपसभापति, धामनोद माहेश्वरी समाज व न्याती पारमार्थिक न्यास इंदौर के अध्यक्ष आदि के रूप में अपनी सेवा दे रहे थे। ट्रस्टी के रूप में आप बालमुकुंद झालरिया ज्ञान प्रसार न्यास गुमाश्ता नगर, भारतीय संस्कृति शिक्षा संस्थान इंदौर, मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी पारमार्थिक न्यास, श्री गिरिराजधरण माहेश्वरी सेवा सदन गोवर्धन व श्री माहेश्वरी एजुकेशनल एंड चेरिटेबल ट्रस्ट भीलवाड़ा से सम्बद्ध रहे। समाज की शीर्ष सेवा संस्था आदित्य विक्रम बिरला व्यापार सहयोग केंद्र चेन्नई व श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के सदस्य थे।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'. जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/- डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है **डॉ. एच.एल. माहेश्वरी** की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/- डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?

aisa kyon?

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "ऐसा क्यों?" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक

Rs. 100/- डाक खर्च सहित

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

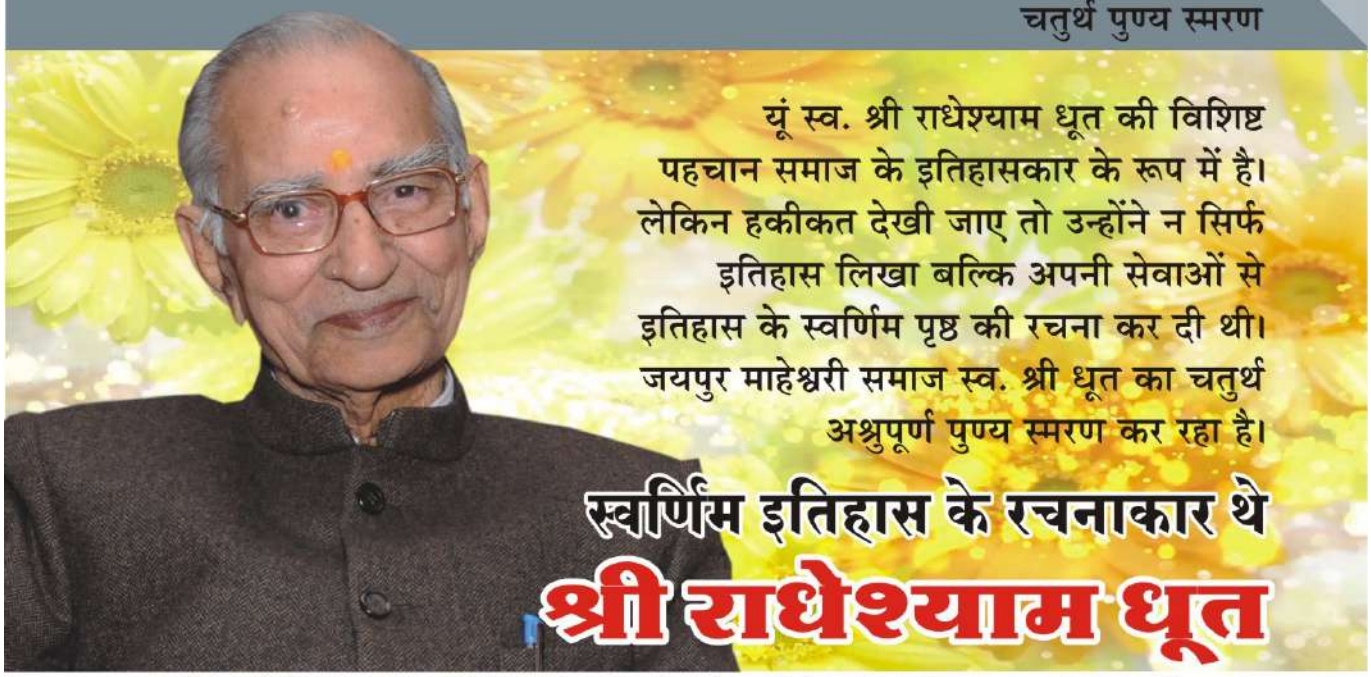

यूं स्व. श्री राधेश्याम धूत की विशिष्ट पहचान समाज के इतिहासकार के रूप में है। लेकिन हकीकत देखी जाए तो उन्होंने न सिर्फ इतिहास लिखा बल्कि अपनी सेवाओं से इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठ की रचना कर दी थी। जयपुर माहेश्वरी समाज स्व. श्री धूत का चतुर्थ अश्रुपूर्ण पुण्य स्मरण कर रहा है।

स्वर्णिम इतिहास के रचनाकार थे श्री राधेश्याम धूत

नावां जिला नागौर में 6 अक्टूबर 1933 में श्री सुगनचंद धूत के यहाँ जन्में राधेश्याम धूत स्टोन क्राफ्ट प्राइवेट लि. एवं धूत संगमरमर प्रालि मकराना व जयपुर तथा नवभारत उद्योग, नावां जैसे मार्बल व ग्रेनाइट आदि पत्थरों के उद्योगों का सफलतापूर्वक संचालन कर पत्थर व्यवसाय में एक प्रतिष्ठित स्थान रखते थे। यह उनकी अनोखी विशेषता थी कि एक लक्ष्मी पुत्र होने के साथ उन्हें सरस्वती का भी वरदहस्त प्राप्त हुआ। आपकी लेखनी ने इतिहास व साहित्य की कई कालजयी पुस्तकों का भी लेखन किया। माहेश्वरी जाति के इतिहास "माहेश्वरी कुल शुद्ध दर्पण" के साथ ही आपकी लेखनी ने ललित निबंध संग्रह साहित्य एवं संस्कृति चिंतन, जस्टिस भगवतीप्रसाद बेरी अभिनंदन ग्रंथ, धार्मिक ग्रंथ "शीश राम के चरणों में" व अनेक स्मारिकाओं का संपादन भी किया।

जयपुर को अंग्रेजी माध्यम से स्कूल की सौगात

अंग्रेजी माध्यम से जयपुर को माहेश्वरी पब्लिक स्कूलों की सौगात देने वाले श्री धूत ही थे। उन्हीं की सोच आज वटवृक्ष बनकर जयपुर माहेश्वरी समाज का गौरव बढ़ा रही है। श्री धूत श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, केशव विद्यापीठ के अध्यक्ष व जयपुर की वाणी परिषद तथा प्रीति क्लब के संस्थापक अध्यक्ष, जयपुर की केशव विद्यापीठ समिति व तुलसी मानस संस्थान के उपाध्यक्ष तथा चिन्मय मिशन के संरक्षक भी थे। इसके अतिरिक्त राजस्थान साहित्य अकादमी, राजस्थान राज्य पुस्तकालय विकास समिति, डॉ. राधाकृष्णन केंद्रीय पुस्तकालय समिति व अभा साहित्य परिषद आदि संस्थाओं से लगभग 10 वर्षों से सदस्य के रूप में भी सम्बद्ध रहे। लोहार्गल दर्शन यात्रा संघ को भी संरक्षक के रूप में अपनी सेवा देते रहे थे।

वैष्णव साहित्य शोध केंद्र की सौगात

स्व. श्री धूत ने "वैष्णव साहित्य शोध एवं संरक्षण केंद्र" के रूप में भी ऐसी सौगात दी, जिसके लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। स्व. श्री धूत ने राजस्थान विवि में वैष्णव साहित्य संरक्षण एवं शोध संस्थान प्रारंभ करवाने का बीड़ा उठाया था। उनके देहावसान के बाद इस संस्थान की शुरुआत स्व. श्री धूत के पुत्र व उनके सहयोगियों के प्रयासों से लगभग दो वर्ष पूर्व हो चुकी है। यह शोध संस्थान विवि के हिंदी विभाग के अंतर्गत एक पृथक कक्ष में संचालित है। संस्था द्वारा वैष्णव साहित्य पर शोध करने वाले शोधार्थी को 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाती है। इसके साथ संस्थान वैष्णव साहित्य पर संगोष्ठी आदि विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर वैष्णव साहित्य को प्रतिष्ठित करवाने के अपने संकल्प में दृढ़ता से जुटा हुआ है।

श्रद्धांजलि

श्रीमती संतोष मूंदड़ा

अमृतसर. समाज के वरिष्ठ सदस्य महावीर मूंदड़ा की धर्मपत्नी श्रीमती संतोष मूंदड़ा का गत 28 नवंबर को स्वर्गवास हो गया। आप स्व. श्री पन्नालाल मूंदड़ा की पुत्रवधू थीं। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

नेत्रदानी श्री हरिकिशन जी

चाहकमाल (हापुड़). समाज के वरिष्ठ श्री हरिकिशन माहेश्वरी (विश्व भारती प्रेस वाले) का गत 23 नवंबर 2018 को देहावसान हो गया। स्व. श्री माहेश्वरी की अंतिम इच्छानुसार उनके ज्येष्ठ पुत्र दिनेशचंद माहेश्वरी ने मेरठ के नेत्र ज्योति संस्थान के माध्यम से मेरठ मेडिकल कॉलेज के नेत्र विभाग की टीम बुलाकर उनका नेत्रदान करवाया। नेत्रदान के समय स्व. श्री माहेश्वरी के भाई डॉ. राधारमन आर्य व अन्य सभी परिजन उपस्थित थे। आप अपने पीछे पुत्र दिनेश, नरेश व योगेश सहित पौत्र-पौत्री आदि का शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

स्वस्त्स्तु ते कुशलमस्तु चिरायुरस्तु, विद्या विवेक कृतिकौशल सिद्धिरस्तु।
ऐश्वर्यमस्तु बलमस्तु राष्ट्रभक्ति सदाऽस्तु, वंशरू सदैव भवता हि सुदीप्तौऽस्तु?

जीवेत शरदः शतम्

कदम-कदम पर मिले सफलता, डगर-डगर उत्थान मिले
सूरज रोज संवारे दिन को, चांद मधुर सपने ले आए
हर पल समय दुलारे तुमको, सदियों तक पहचान मिले

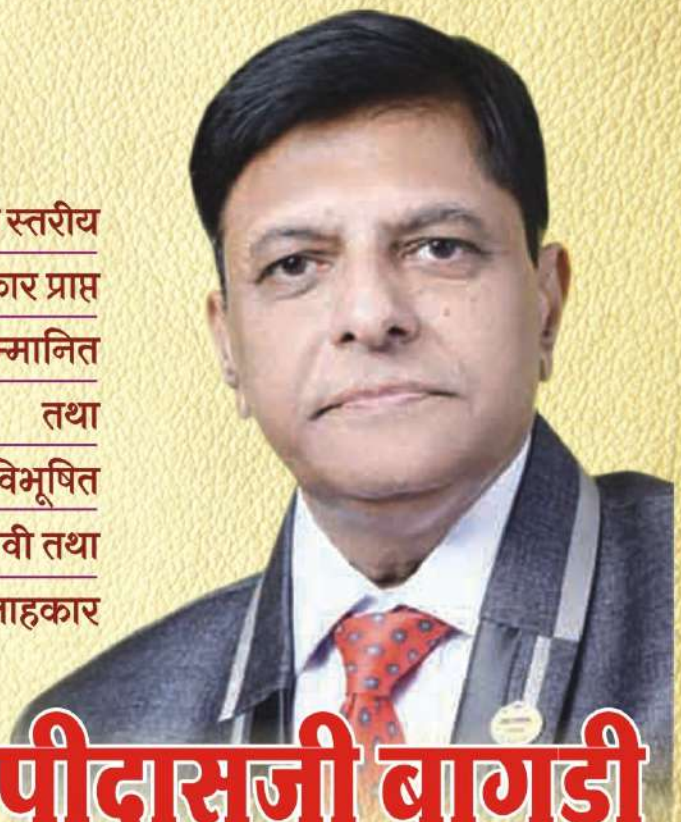

1 अन्तर्राष्ट्रीय, 9 राष्ट्रीय, 27 राज्य स्तरीय
पुरस्कार प्राप्त
110 सामाजिक संगठनों द्वारा सम्मानित
तथा
माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2016 से विभूषित
प्रख्यात समाजसेवी तथा
ख्यात पोर्ट फोलियो सलाहकार

श्री शरद-गोपीदासजी बागड़ी

को 63वें जन्म दिवस पर
हार्दिक मंगलकामनाएं एवं बधाई

शुभेच्छु

डॉ. संतोष मोदी, प्रशांत पिंपलवार, ललित लोया (सी.ए.), निशांत गांधी, डॉ. राजकुमार राठी, एडव्होकेट मुकुंद पापीनवार, सौ. निलीमा बावने, राजेश जिंदल, एडव्होकेट असीफ कुरैशी, हेमन्त राठी, गिरीश बझालवार, लक्ष्मीकांत गुप्ता, नरेन्द्र लाहोटी, महेन्द्र कटारिया, ला. संतोष लखोटिया, अतुल कोटेचा, उमेश महतो, सुधीर पालीवाल, ब्रजरतन लखोटिया, डॉ. आशीष मोदी, प्रमोद तभाने, केशरीचंद जैन

सभी स्वजनों को
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
एवं सर्वांगीण विकास की मंगलकामनाएं

पद्मश्री बंशीलाल राठी
पूर्व सभापति
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

GBR Metals Private Ltd.

Manufacturers of M.S. Ingots & TMT Bars

Regd. Office-
#4, Ramanan Road, Chennai - 600 079
Ph. : 25292644, 25292151,
Fax : 2591095
E-mail : myco@eth.net

Factory-
#295, G.N.T. Road, Peravallur Village,
Ponneri - 601204 (T.N.)
Ph. : 27984719, 27984729,
Fax : 27984729

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 January 2019

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

https://www.facebook.com/Srimaheshwaritimesmagazine
http://srimaheshwaritimes.blogspot.in